Braj Ras Madhuri (Hindi) Part-3

Copy right © Radha Govind Samiti

Published by:

Radha Govind Samiti

Golok Dham, H.A.F. (B) Part-1, Sector-10, Dwarka,
New Delhi - 110075 Phone: 011-25081088
E-mail: rgs108del@yahoo.com

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

ब्रजरस माधुरी

भाग-3

श्रीमत्पदवाक्यप्रमाणपारावारीण,
वेदमार्गप्रतिष्ठापनाचार्य, निखिलदर्शनसमन्वयाचार्य,
सनातनवैदिकधर्मप्रतिष्ठापनसत्संप्रदायपरमाचार्य,
भक्तियोगरसावतार, भगवदनन्तश्रीविभूषित

जगद्गुरु १००८ स्वामि श्री कृपालु जी महाराज

द्वारा प्रणीत

श्यामा-श्याम संकीर्तन संग्रह

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जगद्गुरु कृपालु परिषत्

जगद्गुरु कृपालु परिषत्

ISBN : 978-93-80661-22-3

प्रथम संस्करण : जगद्गुरु दिवस 14 जनवरी, 2007
पंचम संस्करण : गुरु पूर्णिमा 15 जुलाई, 2011

सर्वाधिकार सुरक्षित © 2007
राधा गोविंद समिति
इस प्रकाशन का कोई भी भाग पूर्ण या आंशिक रूप से
किसी भी रूप में इलैक्ट्रानिक, यांत्रिक, फोटोग्राफिक अभिलेखन अथवा
अन्य किसी भी प्रकार से प्रतिलिपि अथवा प्रसारित न किया जाय।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधा गोविंद समिति

गोलोक धाम

एच. ए. एफ. (बी), पार्ट-1, सैक्टर-10, द्वारका,
नई दिल्ली-110075 ● फोन: 011-25081088
e-mail: rgs108del@yahoo.com

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	ध्रुव-पंक्ति	पृ. सं.
1.	आजा आजा आजा कुंजबिहारी	176
2.	आजा आजा आजा मेरे गोविन्द राधे	83
3.	आजा नंदनंदन आजा यशुदा ललन	55
4.	आजु छठ राधे जू की, ध्यावो रूप राधे	177
5.	कृपा करु बरसाने वारी, तेरी कृपा का ...	14
6.	चलो बरसाने मिले बरसाने वारी	192
7.	जय जय कुंज विहारिणि राधे	138
8.	जय जय भानुदुलारी प्यारी	137
9.	जय जय राधारानी राधारानी राधारानी	118
10.	जय जय श्री वृन्दावन ठकुरानी	120
11.	जयति गुरुवर जयति गिरिधर, ...	4
12.	जयति जयति जय भानुदुलारी	49

RADHA GOVIND SAMITI

क्र.सं.	ध्रुव-पंक्ति	पृ. सं.
13.	जयति जयति जय महरानी राधेरानी	146
14.	जय प्यारी प्यारी प्यारी जय कीर्तिकुमारी	112
15.	जय बरसाने वारी प्यारी	109
16.	जय श्री राधे जय नँदनन्दन	136
17.	जय श्री वृषभानुदुलार की	160
18.	जय हो जय हो अलबेली सरकार	28
19.	जय हो जय हो अलबेलो सरकार	35
20.	जय हो जय हो जय हो प्यारी बरसाने वारी	181
21.	जय हो जय हो जय हो बरसाने वारी प्यारी	145
22.	जय हो जय हो सद्गुरु सरकार, ...	2
23.	जय हो युगल नवल सरकार	39
24.	ठाकुर ठकुरानी, प्रेम रूप रस खानी	157
25.	तेरा ही भरोसा भारी भानुदुलारी	159
26.	तोपै वारी वारी नथबेसर वारी	48
27.	तोपै वारी वारी प्यारी, बरसाने वारी	34
28.	दीनबन्धु दीनानाथ गोविन्द राधे	80
29.	नँदनंदन बनवारी की जय जय	134
30.	प्यारी प्यारी प्यारी ओ प्यारी	152
31.	प्यारी प्यारी प्यारी जू पै वारी वारी वारी	169

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

क्र.सं.	ध्रुव–पंक्ति	पृ. सं.
32.	प्यारी प्यारी भोरी भारी नथवारी प्यारी	108
33.	प्यारी प्यारी भोरी भारी प्यारी, बरसाने वारी	22
34.	प्यारी प्यारी भोरी भारी प्यारी, बरसाने वारी	88
35.	प्यारी प्यारी भोरी भारी प्यारी, बरसाने वारी	99
36.	प्यारी प्यारी भोरी भारी बरसाने वारी	41
37.	प्यारी प्यारी भोरी भारी, बरसाने वारी	98
38.	प्यारी प्यारी भोरी भारी बरसाने वारी	126
39.	प्यारी प्यारी भोरी भारी बरसाने वारी	166
40.	प्यारी प्यारी भोरी भारी बरसाने वारी	183
41.	प्यारी प्यारी भोरी भारी भानुदुलारी	13
42.	प्यारी प्यारी भोरी भारी भानुदुलारी	188
43.	प्यारी प्यारी भोरी भारी भानुदुलारी	189
44.	प्यारी प्यारी भोरी भारी सुकुमारी,	182
45.	प्यारी प्यारी भोरी भारी सुकुमारी प्यारी	144
46.	प्रेम रूप रस खानी, ऐसी राधेरानी	93
47.	बरसानेवारी ब्रजरस वारी प्यारी	115
48.	बरसाने वारी राधे, भोरी भारी प्यारी राधे	143
49.	बलिहारी तोरी बरसाने वारी प्यारी	168
50.	भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे	72

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

क्र.सं.	ध्रुव–पंक्ति	पृ. सं.
51.	मेरी ठकुरानी महरानी राधारानी	46
52.	मेरी ठकुरानी महरानी राधारानी	105
53.	मेरी ठकुरानी महरानी राधारानी	188
54.	मेरी ठकुरानी महरानी राधे रानी	113
55.	मेरी ठकुरानी राधारानी	155
56.	मेरी प्यारी प्यारी प्यारी मेरी बरसाने वारी	114
57.	मेरी प्यारी प्यारी बरसाने वारी प्यारी	101
58.	मेरी प्यारी प्यारी बरसाने वारी प्यारी	106
59.	मेरी प्यारी प्यारी भोरी भारी	15
60.	मेरी प्यारी भोरी भारी बरसाने वारी	178
61.	मेरी प्रानन प्यारी आजा,	187
62.	मेरी प्रेम अगाधे राधे श्री राधे	107
63.	मेरी बरसाने वारी प्यारी प्यारी प्यारी	96
64.	मेरी बरसाने वारी, प्यारी बरसाने वारी	86
65.	मेरी भोरी भारी वृषभानुदुलारी	56
66.	मेरी राधारानी प्रेमरूप रसखानी	120
67.	मेरी राधा रानी ब्रजरस की खानी	133
68.	मेरी राधारानी राधारानी, मेरी राधारानी	18
69.	मेरी राधारानी राधारानी, मेरी राधारानी	153

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

क्र.सं.	ध्रुव-पंक्ति	पृ. सं.
70.	मेरी राधारानी राधारानी राधारानी	100
71.	मेरी राधारानी राधारानी राधारानी	103
72.	मेरी राधारानी राधारानी राधारानी	116
73.	मेरी राधारानी राधारानी राधारानी	148
74.	मेरी राधे मेरी राधे मेरी राधे मेरी राधे	147
75.	मेरी राधेरानी ठाकुरहूँ की ठकुरानी	95
76.	मेरी राधेरानी प्रेम रूप रसखानी	49
77.	मेरी राधेरानी प्रेम रूप रसखानी	78
78.	मेरी राधेरानी प्रेम रूप रसखानी	170
79.	मेरी राधेरानी ब्रजरसखानी	114
80.	मेरे गुरुवर प्यारे, मेरे गिरिधर प्यारे	1
81.	मेरे गुरुवर मेरे गिरिधर प्यारे	4
82.	मेरे ठाकुर गोविन्द ठकुरानी राधे	122
83.	मेरे ठाकुर गोविन्द ठकुरानी राधे	123
84.	मेरे श्यामा श्याम	179
85.	मेरे श्यामा श्याम श्यामा श्याम	20
86.	मेरो प्राण बनवारी वाको प्राण प्यारी	171
87.	मेरो प्यारो प्यारो मुरली वारो	6
88.	मेरो प्यारो प्यारो प्यारो मुरली वारो	172

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

क्र.सं.	ध्रुव-पंक्ति	पृ. सं.
89.	मैं तो प्यारी प्यारी प्यारी पर वारी वारी	126
90.	मैं तो वारी जाऊँ बरसाने वारी प्यारी	125
91.	मैं तो वारी बनवारी पर, वारी वारी वारी	127
92.	रँगीली महलवारी मेरी प्यारी	150
93.	रस बरसाने वारी, प्यारी बरसाने वारी	89
94.	रस बरसाने वारी प्यारी, मम स्वामिनी...	9
95.	रस बरसाने वारी बरसाने वारी	65
96.	रस बरसाने वारी, बरसाने वारी	71
97.	रस बरसाने वारी बरसाने वारी	79
98.	रस बरसाने वारी बरसाने वारी	83
99.	रस बरसाने वारी बरसाने वारी प्यारी	167
100.	राधारानी जू को चाकर चक्रपानी	124
101.	राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे राधे	130
102.	राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे राधे	131
103.	राधे गोविन्द गोविन्द राधे राधे,	163
104.	राधे गोविन्द गोविन्द राधे राधे राधे राधे	129
105.	राधे तोहिं भूलूँ नहिं कभू पल आधे	111
106.	राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे	11
107.	राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे	50

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

क्र.सं.	ध्रुव–पंक्ति	पृ. सं.
108.	राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे	57
109.	राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे	62
110.	राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे	97
111.	राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे	173
112.	राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे	184
113.	राधे राधे बोल श्याम भाजे चले आयेंगे	93
114.	राधे राधे राधे प्रेम अगाधे	110
115.	राधेरानी ठकुरानी ब्रजरस खानी	104
116.	वारी वारी भोरी भारी बरसाने वारी प्यारी	156
117.	वृंदावन ठकुरानी, ठकुरानी	153
118.	श्यामा भजें श्याम श्याम, श्याम भजें श्यामा	52
119.	श्यामा मेरी ठकुरानी श्याम मेरे ठाकुर	185
120.	श्यामा श्याम श्यामा श्याम	180
121.	श्यामा श्याम श्यामा श्याम श्यामा श्याम	123
122.	श्री राधे बरसाने वारी, नँदनंदन सुखघन	141
123.	श्री राधे बरसाने वारी, नँदनंदन सुखघन	142
124.	श्री राधे बरसाने वारी, शरण शरण......	139
125.	हरि बोल हरि बोल हरि बोल	193

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

1

(राधे राधे गोविंदा . . .)

मेरे गुरुवर प्यारे, मेरे गिरिधर प्यारे।
जोइ गुरुवर प्यारे, सोइ गिरिधर प्यारे।
भज गुरुवर प्यारे, भज गिरिधर प्यारे।
जहँ गुरुवर प्यारे, तहँ गिरिधर प्यारे।
उर गुरु धर प्यारे, उर हरि धर प्यारे।
जय हो गुरुवर प्यारे, जय हो गिरिधर प्यारे।
गुरु भज हरि प्यारे, हरि भज गुरु प्यारे।
गुरु कह हरि प्यारे, हरि कह गुरु प्यारे।
कह 'कृपालु' प्यारे दोउ कृपालु प्यारे॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

2

जय हो जय हो सद्‌गुरु सरकार, बलिहार बलिहार।
तोपै कोटि प्राण दउँ वार, बलिहार बलिहार।
तू तो दूजो नंदकुमार, बलिहार बलिहार।
तू तो विधि हरि हर अवतार, बलिहार बलिहार।
तू तो सगुण ब्रह्म साकार, बलिहार बलिहार।
तू तो दिव्य ज्ञान दातार, बलिहार बलिहार।
तू तो दिव्य प्रेम दातार, बलिहार बलिहार।
तू तो पतितन की पतवार, बलिहार बलिहार।
तू तो सब को साँचो यार, बलिहार बलिहार।
तू तो अधम उधारन हार, बलिहार बलिहार।
तू तो करुणा को भंडार, बलिहार बलिहार।
तू तो कृपा रूप साकार, बलिहार बलिहार।
तू तो रसिकन को सरदार, बलिहार बलिहार।
तू तो नित कर पर उपकार, बलिहार बलिहार।
तू तो बिगरी बनावन हार, बलिहार बलिहार।
तू तो प्रेम सिंधु साकार, बलिहार बलिहार।
तू तो देत दिव्य रस यार, बलिहार बलिहार।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

तेरे पाछे डोले नंदकुमार, बलिहार बलिहार।
तेरे वश रह नंदकुमार, बलिहार बलिहार।
तेरा सुख चह नंदकुमार, बलिहार बलिहार।
तोहिं रिझवत नित रिझवार, बलिहार बलिहार।
तेरे भक्तों पै हरि बलिहार, बलिहार बलिहार।
तेरा ही है साँचो दरबार, बलिहार बलिहार।
तोपै बलि बलि नंदकुमार, बलिहार बलिहार।
तोहि बैकुण्ठहुँ लग खार, बलिहार बलिहार।
तेरी दासी मुक्तिहुँ चार, बलिहार बलिहार।
तेरी मुट्ठी में नंदकुमार, बलिहार बलिहार।
तेरी पदरज चह रिझवार, बलिहार बलिहार।
तेरो ऋणिया नंदकुमार, बलिहार बलिहार।
तेरो क्रीतदास रिझवार, बलिहार बलिहार।
तोपै जाउँ बलि बारंबार, बलिहार बलिहार।
तेरी कृपा पै 'कृपालु' बलिहार, बलिहार बलिहार।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

3

(जयति गुरुवर . . .)

जयति गुरुवर जयति गिरिधर, दोउ प्रानन प्यारे।
जयति गुरुवर जयति गिरिधर, दोउ प्रानन प्यारे।
मेरे गुरुवर मेरे गिरिधर, मेरे प्रानन प्यारे।
मेरे गुरुवर मेरे गिरिधर, मेरे प्रानन प्यारे।
शरण गुरुवर शरण गिरिधर, करहु करुणा प्यारे।
शरण गुरुवर शरण गिरिधर, करहु करुणा प्यारे।
जोइ गुरुवर सोइ गिरिधर, दोउ एकहिं प्यारे।
जोइ गुरुवर सोइ गिरिधर, दोउ एकहिं प्यारे।

4

(गुरुः कृपालुर्मम शरणं . . .)

COPYRIGHT

मेरे गुरुवर मेरे गिरिधर प्यारे,

RADHA GOVIND SAMITI

दोउ एकहिं हो न सपनेहुँ न्यारे।

हरि की कृपा ते मिले गुरुवर प्यारे,
गुरु की कृपा ते मिले गिरिधर प्यारे।

गिरिधर तो हैं प्राण हमारे,
गुरुवर मेरे प्राण पियारे।
जोइ गुरुवर सोइ गिरिधर प्यारे,
दुहुँन भूलिहूँ न मानहु न्यारे।
गुरुवर महँ रह गिरिधर प्यारे,
गिरिधर महँ रह गुरुवर प्यारे।
गुरुवर आत्मा गिरिधर प्यारे,
गिरिधर आत्मा गुरुवर प्यारे।
गुरुवर कह भज गिरिधर प्यारे,
गिरिधर कह भज गुरुवर प्यारे।
गुरुवर कह बड़ गिरिधर प्यारे,
गिरिधर कह बड़ गुरुवर प्यारे।
निर्मल मन चह गिरिधर प्यारे,
निर्मल मन कर गुरुवर प्यारे।
गुरुवर गिरिधर सँग भजु प्यारे,
या गुरुवर को ही भज प्यारे।
मम गुरुवर मम गिरिधर प्यारे,
दोउ 'कृपालु' रहु हृदय हमारे।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

5

(गुरुः कृपालुर्मम शरणम् . . .)

मेरो प्यारो प्यारो मुरली वारो,
जापर काम करोरन वारो।
मोर मुकुट पीताम्बर धारो,
चल अलमस्त चाल मतवारो।
प्यारी प्यारी कामरि धारो,
तकि तकि सखिन दृगंचल मारो।
शुक सनकादिक तो कहँ प्यारो,
इकटक लखत समाधि बिसारो।
अति रस भरे नैन रतनारो,
जेहि लखि शंभु समाधि बिसारो।
सब प्राणिहिं निज प्राणहिं प्यारो,
पै प्रियतम प्राणहुँ ते प्यारो।
ललित त्रिभंग भेष नट धारो,
मुरली मधुर बजावन वारो।
मुरली ने अस जादू डारो,
शिवशंकर गोपी तनु धारो।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

ब्रजरस चुवत रोम प्रति प्यारो,
परमहंस रह तकत बिचारो।
लखि अवधूत श्याम मतवारो,
नाचत कहि नँदपूत हमारो।
उमा रमाहूँ जब लख प्यारो,
निज पातिव्रत धर्म बिसारो।
दंडक वन मुनिगन लखि प्यारो,
वर माँगेउ पति बनहु हमारो।
निज छवि लखि मन सोचत प्यारो,
उर लगाउँ राधा तनु धारो।
राधा तनु लखि सोचत प्यारो,
कौन कर्म विधि किये तनु कारो।
ब्रजरस चुवत रोम प्रति प्यारो,
पियत रसिक जन बनि मतवारो।
COPYRIGHT
हौं हूँ चह सोइ ब्रजरस प्यारो,
RADHA GOVIND SAMITI
तव ब्रज महँ गोपी तनु धारो।
जाने तोहिं इक बार निहारो,
पाँचहुँ मुक्ति लगत तेहिं खारो।

लीला प्रेम वेणु छवि चारों,
गुण केवल नँदनंदन धारो।
वा तनु रोम रोम अस प्यारो,
सोउ लखि आपुहिं आपु बिसारे।
जेहि चितवत चितचोर हमारो,
सोई मुर्छित गिर धरणि बिचारो।
कारो तनु जग मोहन वारो,
प्रलय होत गोरे तनु प्यारो।
विधि हरि शंभु नचावन वारो,
निरतत गोपिन तारिन प्यारो।
ऐसी रूप माधुरी प्यारो,
लखि भूल्यो निज सुधि बुधि प्यारो।
नरहूँ भये मोहित लखि प्यारो,
चाहत वर नारी तनु धारो।
कहँ लौं कह अस प्यारो प्यारो,
प्यारी बनि देखन चह प्यारो।
जेतिक बार लखहु तनु प्यारो,
नव नव रस टपकत तनु प्यारो।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जब दृग दृग मिल प्यारी प्यारो,
लख एकटक सुधि देह बिसारो।
अस 'कृपालु' उन जादू डारो,
चर अरु अचर स्वभाव बिसारो॥

6

(मेरो प्यारो प्यारो...)
रस बरसाने वारी प्यारी,
मम स्वामिनी बरसाने वारी।
मेरी प्यारी प्यारी भोरी भारी,
जापर बनवारी बलिहारी।
मेरी प्यारी ऐसी प्यारी,
बनवारी हूँ वारी-वारी।
ब्रजरस टपकत रोम रोम प्यारी,
पियें बड़भागी ब्रजनारी बनवारी।
मेरी प्यारी छवि अस प्यारी प्यारी,
प्यारी हूँ जायँ वारी-वारी।
मेरी प्यारी जू की छवि एतिक प्यारी,
चोरी चोरी लखें पिय डरि बनवारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मेरी प्यारी जू की छवि एतिक प्यारी,
लखि गिरें मुरछित छिति बनवारी।
मेरी प्यारी जू की छवि एतिक प्यारी,
नजर उतारें राई नोन बनवारी।
मेरी प्यारी जू की छवि एतिक प्यारी,
प्यारी माथे काला टीका देय बनवारी।
मेरी प्यारी जू की छवि एतिक प्यारी,
भुजन उठाय बोलें पिय बलिहारी।
जब जब निकसत प्यारी सवारी,
पाछे चलि बोले ब्रह्म जय हो जय हो प्यारी।
जय हो जय हो जय हो प्यारी,
बलिहारी तेरी बलिहारी।
जहँ जहँ चरण धरत मम प्यारी,
तहँ तहँ सिर धर कुंजबिहारी।
लखि सखियन पग चापति प्यारी,
पिय कह धनि धनि धनि ब्रजनारी।
रास करन जब चल बनवारी,
मुकुट धरत प्रथमहिं पग प्यारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

माँगत प्रेम भीख बनवारी,
देति प्रेम वृषभानुदुलारी।
हमहिं 'कृपालु' भरोसा भारी,
इक दिन कृपा करहिं मम प्यारी।।

7

(गुरु: कृपालुर्मम शरणम् . . .)

राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे,
अस वर दे ना भूलूँ पल छिन आधे।
सात स्वर्ग ना दे, पाँच अपवर्ग ना दे,
प्रेम सुधा दे, अष्टयामी सेवा दे।
मेरा सब कुछ तेरा, मैं भी तेरा राधे,
तू ही बता सदा का भिखारी तोहिं का दे।
तेरी माया ने भुलाया भूला तोहिं राधे,
यामें मेरा दोष कहा तू ही बता दे।
मेरा मन मायिक तू है दिव्य राधे,
तेरा ध्यान कैसे करूँ तू ही बता दे।
माया ते तो हारे विधि हरि हर राधे,
तू ही जब चाहे तब वाय भगा दे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

माना तेरे नाम में है तू ही बसी राधे,
पर यह बात मेरी बुधि में बिठा दे।
शिशु मारे बार बार गर्भ पग राधे,
माँ ना अपराध माने दूध पिला दे।
स्वर्ग सुख ना दे अपवर्ग सुख ना दे,
तेरा सुख चाहूँ नित ऐसी बना दे।
देना है तो यह वर दे दे मेरी राधे,
तोसों कछु माँगूँ नहिं ऐसी बना दे।
तुम बिनु जियहूँ न पल छिन आधे,
ब्रजरस की इक बूँद पिला दे।
भुक्ति मुक्ति ना दे मोहिं प्रेम सुधा दे,
पाछा नहीं छोड़ूँ चाहे चक्र चला दे।
राधे बिनु पूर्ण ब्रह्म गोविन्द आधे,
निज दासी दासी मो 'कृपालु' को बना दे।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

8

(गुरुः कृपालुर्मम शरणम् . . .)

प्यारी प्यारी भोरी भारी भानुदुलारी,
जय हो जय हो जय हो बरसाने वारी प्यारी।
आगे आगे प्यारी चले पाछे ब्रजनारी,
ब्रजनारी पाछे पाछे चले बनवारी।
जब जब निकसत प्यारी की सवारी,
भुजन उठाय बोले पिय जय हो प्यारी।
प्यारी को बुलाओ रो के भाजी आवें प्यारी,
बिनुहिं बुलाये भाजे आवें बनवारी।
ब्रजरस चुवे रोम रोम तनु प्यारी,
पियें ब्रजनारी ललचायें बनवारी।
कोउ जाने कैसे हैं कृपालु बनवारी,
पिय को 'कृपालु' बनाने वारी प्यारी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

9

(गोविन्दा गोविन्दा . . .)

कृपा करु बरसाने वारी, तेरी कृपा का भरोसा भारी।
तू ही मेरी साँचि महतारी, तूने कहा श्रुति महँ प्यारी।
तेरा मन है कृपा का प्यारी, तेरा तन है कृपा का प्यारी।
तेरी कृपा तो कृपा है प्यारी, तेरा कोप भी कृपा है प्यारी।
तेरी कृपा चह बनवारी, तेरी कृपा की है बलिहारी।
तेरी कृपा ते ही बनवारी, करें जीवों पर कृपा प्यारी।
कृपा पर कृपा करें प्यारी, ऐसी कृपा पर वारी वारी।
जापै टुक कृपा करें प्यारी, वाके पाछे डोलें बनवारी।
सुनि कृपा का विरद प्यारी, तेरे द्वार भीड़ भारी प्यारी।
कोउ हो या ना हो अधिकारी, सब पर कृपा करें प्यारी।
मुझ पर कृपा करु प्यारी, तब जानूँ तू कृपालु प्यारी।
तू कृपा ते न अघाति प्यारी, तेरा रोम रोम कृपा प्यारी।
तेरा मन इन्द्रिय प्यारी, कृपा सोचे कृपा करे प्यारी।
तू तो खाते पीते सोते प्यारी, सोचे कृपा कृपा कृपा प्यारी।
कृपा करू बरसाने वारी, रहूँगा कृपा का आभारी।
तेरी कृपा पाके पिय प्यारी, बनि गये हैं 'कृपालु' प्यारी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

10

(गोविन्दा गोविन्दा . . .)

मेरी प्यारी प्यारी भोरी भारी, वृषभानुदुलारी प्यारी।
बरसाने वारी सुकुमारी, भोरी भारी प्यारी प्यारी प्यारी।
बरसाने वारी प्यारी, मैं तो तोपै वारी वारी।
मेरी प्यारी भोरी भारी, जापै वारी बनवारी।
मेरी प्यारी ऐसी प्यारी, लखि मोहें बनवारी।
रस बरसाने वारी बरसाने वारी प्यारी।
जब चले प्यारी असवारी, जय हो जय हो बोलें बनवारी।
जब चलें नाव पर प्यारी, आवे रोतो आपु बनवारी।
जब बैठें नाव प्यारी, नाव खेवें बनवारी।
मेरी प्यारी एतिक प्यारी, वारी वारी जायँ बनवारी।
मेरी प्यारी अस प्यारी प्यारी, लखि प्यारी छवि प्यारी वारी।
जब चलें सजि धजि प्यारी, बलिहारी कह बनवारी।
लखि लखि परछाईं प्यारी, गिरें मुरछित बनवारी।
लखि टुक टेढ़ी भौंह प्यारी, सिट्टी पिट्टी भूलें बनवारी।
लखि सोरहो सिंगार प्यारी, काला टीका देंय बनवारी।
जब सखि चापैं पग प्यारी, कर मीजैं ठाढ़ो बनवारी।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

जहँ चरण धरत प्यारी, तहँ सिर धरें बनवारी।
लखि मृदु मुसकनि प्यारी, कहि हाय! गिरें बनवारी।
प्यारी पर जो भी वारी, मैं भी वापै वारी वारी।
प्यारी रँगीली महलवारी, ऐसी प्यारी वारी बनवारी।
मेरी प्यारी भोरी भारी, लूटो रस नर नारी।
प्यारी रस भंडारी, माँगें आके बनवारी।
प्यारी मादन रसवारी, जेहि रस वश बनवारी।
जापै उमा रमा वारी, सोऊ वारी लखि प्यारी।
पिउ कह भजु प्यारी, पिउ भज कह प्यारी।
प्यारी प्यारी प्यारी, मेरी प्रानन प्यारी।
जेती बार लखु प्यारी, नव नव लागे प्यारी।
गहवर वन वारी प्यारी, प्यारी प्यारी भोरी भारी प्यारी।
भोरी भारी बरसाने वारी, लूटो लूटो दै के आँसू प्यारी।
ब्रजरस बरसाने वारी, मेरी प्यारी बरसाने वारी।
पिय बोलें लखि प्यारी, जय हो, जय हो, जय हो, जय हो प्यारी।
प्यारी सम मेरी प्यारी, वारौं कोटि बनवारी।
प्यारी गति लखि मतवारी, बनवारी बोले बलिहारी।
प्यारे रटें प्यारी प्यारी, प्यारे प्यारे रटें प्यारी।
पिय ध्यावें छवि प्यारी, पिय छवि ध्यावें प्यारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मेरी प्यारी एतिक प्यारी, लखि दर्पण मोहे प्यारी।
द्रुत गति नाचें प्यारी, पिय बोलें जय हो, जय हो प्यारी।
पक्ष ले 'कृपालु' प्यारी, बुरा मानें बनवारी।

प्यारी प्यारी भोरी भारी, वारी रँगीली महलवारी।
वारी रँगीली महलवारी, वारी रँगीली महलवारी।
वारी रँगीली महलवारी, वारी रँगीली महलवारी।
वारी रँगीली महलवारी, जय हो, जय हो, जय हो प्यारी।
वारी रँगीली महलवारी, जाके पाछे डोलें बनवारी।
प्यारी रँगीली महलवारी, तोपै वारौं कोटि बनवारी।
ऐसी रँगीली महलवारी, लखि सक नहिं बनवारी।

मेरी प्यारी बरसाने वारी, ब्रजरस बरसाने वारी।
मेरी प्यारी बरसाने वारी, ब्रजरस बरसाने वारी।
मेरी बरसाने वारी प्यारी, रस बरसाने वारी प्यारी।
मेरी बरसाने वारी प्यारी, मेरी भोरी भारी सुकुमारी।
मेरी बरसाने वारी प्यारी, मेरी नथवारी प्यारी प्यारी।
मेरी बरसाने वारी प्यारी, मेरी नथ बेसर वारी।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

मेरी बरसाने वारी प्यारी, जेहि चाकर बनवारी।
मेरी बरसाने वारी प्यारी, जापै तन मन धन वारी।
मेरी बरसाने वारी प्यारी, सँग लख लख ब्रजनारी।
मेरी बरसाने वारी प्यारी, जापै वारी वारी बनवारी।

11

(गोविन्दा गोविन्दा . . .)

मेरी राधारानी राधारानी, मेरी राधारानी राधारानी।
महरानीहूँ की महरानी, मेरी राधारानी राधारानी।
जस महरानी राधारानी, तस महरानी राधारानी।
अस महरानी राधारानी, कोटि कमला हैं नौकरानी।
अस महरानी राधारानी, नौकरानी है भवानी बानी।
श्री वृंदावन ठकुरानी, मेरी महरानी राधारानी।
ठाकुरहूँ की ठकुरानी, रटें राधारानी राधारानी।
दिव्य ब्रज रस वरदानी, मेरी महरानी राधारानी।
सारे ब्रज की है महरानी, मेरी महरानी राधारानी।
पूर्णब्रह्म करें अगवानी, मेरी ठकुरानी राधारानी।
प्रेम रूप रस खानी, मेरी महरानी राधारानी।
तू तो अवढर दानी, दे दे प्रेम राधारानी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

गुरु की कृपा ते जानी, तू ही मेरी राधारानी।
मेरी ठकुरानी राधारानी, मैं हूँ राधारानी की दीवानी।
रही अनजानी अब जानी, राधारानी सम राधारानी।
मेरी सुनु तजु आनाकानी, मेरी राधारानी राधारानी।
मेरी स्वामिनि राधारानी, मेरी ठकुरानी राधारानी।
जय हो, जय हो, बोलें चक्रपानी, मेरी राधारानी राधारानी।
मादन ब्रज रस खानी, मेरी महरानी राधारानी।
हैं 'कृपालु' अति ठकुरानी, मेरी महरानी राधारानी।।

मेरी ठकुरानी राधारानी, मेरी ठकुरानी राधारानी।
मेरी स्वामिनी राधारानी, मेरी स्वामिनी राधारानी।
मेरी जीवनि राधारानी, मेरी जीवनि राधारानी।
मेरी प्राण श्री राधारानी, मेरी प्राण श्री राधारानी।
जीवन जीव राधारानी, जीवन जीव राधारानी।
जीव स्वामिनि राधारानी, जीव स्वामिनि राधारानी।
मेरी निधि राधारानी, मेरी निधि राधारानी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

12

(गोविन्दा गोविन्दा . . .)

मेरे श्यामा श्याम श्यामा श्याम, मेरे श्यामा श्याम श्यामा श्याम।
मेरे श्यामा श्याम श्यामा श्याम, दोऊ कोटि काम अभिराम।
मेरे श्यामा श्याम श्यामा श्याम, दोऊ सत चित सुखधाम।
मेरे श्यामा श्याम श्यामा श्याम दोऊ एकहिं द्वै नाम।
श्याम जपें नित्य श्यामा नाम, श्यामा जपें नित श्याम नाम।
श्यामा कह भज नित श्याम, श्यामा भज नित कह श्याम।
श्यामा रस पियें घनश्याम, श्यामा पियें रस घनश्याम।
धनि धनि तिन ब्रजबाम, जिन पियें रस श्यामा श्याम।
तुम ही तो गति श्यामा श्याम, तुम ही तो मति श्याम।
तुम मेरे प्राण श्यामा श्याम, तुम मेरे प्राण श्यामा श्याम।
गाओ रे 'कृपालु' श्यामा श्याम, ध्यावो नित रूप श्यामा श्याम।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

(गोविन्दा गोविन्दा . . .)

प्यारे प्यारी प्यारी प्यारे, मेरे दोऊ प्यारी प्यारे।
एक गोरी इक कारे, दोऊ प्रानन प्यारे।

होड़ जब प्यारी प्यारे, जीतें प्यारी हारें प्यारे।
दोउ एक प्यारी प्यारे, लीला तनु द्वै धारे।

❀ ❀ ❀

श्री राधा शरणं, श्री कृष्णः शरणम्।
राधा राधा राधा शरणं, श्री राधा शरणम्।
श्री गिरिधर शरणं, श्री गुरुवर शरणम्।
श्री श्यामा शरणं, श्री श्याम शरणम्।
मम श्यामा शरणं, मम श्यामः शरणम्।
वन्देऽहं श्यामं, वन्देऽहं श्यामम्।

❀ ❀ ❀

आजा आजा गोविन्दा, आजा आजा गोविन्दा।
आजा आजा गोविन्दा, आ के ना जा गोविन्दा।
आजा आजा नँदनंदा, आ जा यशुमति नन्दा।
आजा आजा नँदनंदा, आजा आजा सुखकन्दा।
गोविन्दा गोविन्दा गोविन्दा, आजा आजा गोविन्दा।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

❀ ❀ ❀

आजा आजा आजा आजा, पुनि ब्रज ब्रजरस बरसा जा।
आजा आजा ब्रज के राजा, आके ब्रजरस बरसा जा।

13

(गोविन्दा गोविन्दा . . .)

प्यारी प्यारी भोरी भारी प्यारी, बरसाने वारी।
रस बरसाने वारी, बरसाने वारी।
मेरी प्रानन प्यारी प्यारी, बरसाने वारी।
मेरी जीवनधन प्यारी, बरसाने वारी।
मादन रसवारी प्यारी, बरसाने वारी।
सुखघन को रुलाने वारी, बरसाने वारी।
सारा जग है भिखारी दाता, बरसाने वारी।
रस बूँद पिला दो प्यारी, बरसाने वारी।
जित देखूँ तित तोहिं प्यारी, बरसाने वारी।
टुक झलक दिखा दे प्यारी, बरसाने वारी।
निज धाम बुला ले प्यारी, बरसाने वारी।
मेरी बिगरी बनाने वारी, बरसाने वारी।
रसिक रँगीली प्यारी, बरसाने वारी।
गुन गर्वीली प्यारी, बरसाने वारी।
छैल छबीली प्यारी, बरसाने वारी।
वृषभानुदुलारी प्यारी, बरसाने वारी।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

ब्रज रस बरसाने वारी, बरसाने वारी।
कीर्तिकुमारी प्यारी, बरसाने वारी।
मणि जटित मुकुट वारी, बरसाने वारी।
मेरी सेंदुर वारी प्यारी, बरसाने वारी।
घुँघुरारी लटवारी प्यारी, बरसाने वारी।
मणि कुंडल वारी प्यारी, बरसाने वारी।
कजरारे दृग वारी प्यारी, बरसाने वारी।
नथबेसर वारी प्यारी, बरसाने वारी।
मृदु मुसकनि वारी प्यारी, बरसाने वारी।
मणि कंकण वारी प्यारी, बरसाने वारी।
मेरी मणि मुँदरिन वारी, बरसाने वारी।
कर चूरिन वारी प्यारी, बरसाने वारी।
मेरी कर मेहँदी वारी, बरसाने वारी।
सिर चूनरि वारी प्यारी, बरसाने वारी।
उर कंचुकि वारी प्यारी, बरसाने वारी।
नीली नीली सारी वारी, बरसाने वारी।
नीलाम्बर वारी प्यारी, बरसाने वारी।
मणि मालन वारी प्यारी, बरसाने वारी।
मेरी गर दुलरी वारी, बरसाने वारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

गल मोतियन माला वारी, बरसाने वारी।
कटि किंकिणि वारी प्यारी, बरसाने वारी।
पग नूपुर वारी प्यारी, बरसाने वारी।
मणि बिछुवनि वारी प्यारी, बरसाने वारी।
पग जावक वारी प्यारी, बरसाने वारी।
सोरहो सिंगार वारी, बरसाने वारी।
मेरी राज महल वारी, बरसाने वारी।
बोलो जय हो जय हो जय हो प्यारी, बरसाने वारी।
बलिहारी तेरी बलिहारी, बरसाने वारी।
प्यारी प्यारे की भी प्राण प्यारी, बरसाने वारी।
प्यारी बनवारी प्राण प्यारी, बरसाने वारी।
प्यारी सम प्यारी ही हैं प्यारी, बरसाने वारी।
प्यारी ऐसी प्यारी प्यारी वारी, बरसाने वारी।
प्यारो प्राण प्यारी प्राण प्यारी, बरसाने वारी।
COPYRIGHT
बनवारी को नचाने वारी, बरसाने वारी।
RADHA GOVIND SAMITI
बनवारी को डराने वारी, बरसाने वारी।
बनवारी को रुलाने वारी, बरसाने वारी।
तेरे पाछे डोले बनवारी, बरसाने वारी।
हरिहुँ को तरसाने वारी, बरसाने वारी।

तोपै वारी वारी बनवारी, बरसाने वारी।
जाके पग चापै बनवारी, बरसाने वारी।
जासो कृपा माँगें बनवारी, बरसाने वारी।
जाकी तनु ब्रजरस वारी, बरसाने वारी।
जाको लखि गिरें गिरिधारी, बरसाने वारी।
दस दिशा देखें बनवारी, बरसाने वारी।
मैं तो तोपै वारी वारी प्यारी, बरसाने वारी।
आई शरण तिहारी प्यारी, बरसाने वारी।
लो हमरिहुँ सुधि प्यारी, बरसाने वारी।
तू ही मेरी थी रहेगी प्यारी, बरसाने वारी।
तू ही गति मति रति प्यारी, बरसाने वारी।
तेरा पाछा नहिं छोड़ूँ प्यारी, बरसाने वारी।
तू ही मेरी मैं भी तेरी प्यारी, बरसाने वारी।
तोहिं तजि कित जाऊँ प्यारी, बरसाने वारी।
दे दे महल टहल प्यारी, बरसाने वारी।
दऊँ महल बुहारी प्यारी, बरसाने वारी।
पतितन अपनाने वारी, बरसाने वारी।
मैं बुरा हूँ हूँ तो तेरा प्यारी, बरसाने वारी।
मोहिं अपनी बना ले प्यारी, बरसाने वारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

आजा काऊ न बताऊँ प्यारी, बरसाने वारी।
तेरे लिये रोना दे दे प्यारी, बरसाने वारी।
लता पर भी कृपालु प्यारी, बरसाने वारी।
मैं तो तेरा हूँ 'कृपालु' प्यारी, बरसाने वारी॥

❀ ❀ ❀

(गोविन्दा गोविन्दा)
नँदलाल बोल गोपाल बोल
सत्य श्रीयकाल बोल।
नँदलाल बोल गोपाल बोल,
यशुदा को लाल बोल।

❀ ❀ ❀

हरि बोल हरि बोल हरि बोल, हरि बोल हरि बोल।
हरि बोल बोल ले ले हरि मोल, हरि बोल हरि बोल।
यहाँ वहाँ जहाँ कहीं मुँह खोल, हरि बोल हरि बोल।
यह नाम रतन अनमोल, ले ले मोल बिनु मोल।
इत बोल उत बोल जित बोल, हरि बोल हरि बोल।
आते जाते खाते पीते जब भी बोल, हरि बोल हरि बोल।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

❀ ❀ ❀

जय श्यामा जय श्याम, जय वृन्दावन धाम।
जय श्यामा जय श्याम, जय जय जय ब्रजबाम।
जय श्यामा जय श्याम, जय गोवर्धन धाम।
जय श्यामा जय श्याम, जय बरसानो धाम।
जय श्यामा जय श्याम, जय जय गोकुल ग्राम।
जय श्यामा जय श्याम, जय जय मथुरा धाम।
जय श्यामा जय श्याम, जय जय जय नन्दगाम।
भज मन आठों याम, ब्रजबामा ब्रजधाम।
भज मन आठों याम, ब्रजबामा ब्रजधाम।
सुमिरिय आठों याम, लीला युगल ललाम।

राधे राधे राधे गोविन्दा, राधे गोविन्दा।
राधे कहें भजु गोविन्दा, राधे गोविन्दा।
राधे भजो कहें गोविन्दा, राधे गोविन्दा।
सब भजो कहें गोविन्दा, राधे गोविन्दा।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

14

जय हो जय हो अलबेली सरकार, बलिहार बलिहार।
भोरी भारी प्यारी प्यारी सरकार, बलिहार बलिहार।
बरसाने वारी प्यारी सरकार, बलिहार बलिहार।
तेरी महिमा अपरंपार, बलिहार बलिहार।
तो पै कोटि प्राण दउँ वार, बलिहार बलिहार।
तेरे पाछे डोले नंदकुमार, बलिहार बलिहार।
जाके संग लख लख ब्रजनार, बलिहार बलिहार।
जाको किंकर नंदकुमार, बलिहार बलिहार।
तेरी ब्रह्म करे जयकार, बलिहार बलिहार।
तू प्रेम रूप रस सार, बलिहार बलिहार।
तेरा अधाधुंध दरबार, बलिहार बलिहार।
सब सरकारों की सरकार, बलिहार बलिहार।
तू है कृपा रूप साकार, बलिहार बलिहार।
चह दिव्य प्रेम सरकार, बलिहार बलिहार।
कछु घटि न जाय दे प्यार, बलिहार बलिहार।
पाछा छोड़ूँ नहिं अब सरकार, बलिहार बलिहार।
पतितन हित इक तव द्वार, बलिहार बलिहार।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

टुक झलक दिखा दे इक वार, बलिहार बलिहार।
तू तो करुणा की अवतार, बलिहार बलिहार।
तू तो पराशक्ति अवतार, बलिहार बलिहार।
तू तो ह्लादिनी शक्तिहुँ सार, बलिहार बलिहार।
क्यों कृपण हमारिहिं बार, बलिहार बलिहार।
कहा घटि जाय दे दे टुक प्यार, बलिहार बलिहार।
करूँ पुनि पुनि जय जयकार, बलिहार बलिहार।
नहिं उऋण कबहुँ उपकार, बलिहार बलिहार।
तव चाकर नंदकुमार, बलिहार बलिहार।
तव ब्रह्म न पायो पार, बलिहार बलिहार।
विधि हरि हर कर जयकार, बलिहार बलिहार।
तव आरति ब्रह्म उतार, बलिहार बलिहार।
हौं चह न पदारथ चार, बलिहार बलिहार।
चह तव सेवा सरकार, बलिहार बलिहार।
चह देखन नित्य विहार, बलिहार बलिहार।
तू निराधार आधार, बलिहार बलिहार।
जय हो तेरा दीनन दरबार, बलिहार बलिहार।
तू पतितन की रखवार, बलिहार बलिहार।
अब जनमहुँ बनि ब्रजनार, बलिहार बलिहार।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

चह महल टहल सरकार, बलिहार बलिहार।
अब जाऊँ न तजि तव द्वार, बलिहार बलिहार।
तू ही मेरी थी भी है भी सरकार, बलिहार बलिहार।
टुक हमरिहुँ ओर निहार, बलिहार बलिहार।
सुनु निज शिशु करुण पुकार, बलिहार बलिहार।
लूटो दै के अँसुवन उपहार, बलिहार बलिहार।
करु अपनो विरद विचार, बलिहार बलिहार।
अब खोल कृपा भंडार, बलिहार बलिहार।
पाछा छोड़ूँ नहिं सरकार, बलिहार बलिहार।
लागि छूटे नहिं दे या ना दे प्यार, बलिहार बलिहार।
तू महाभाव साकार, बलिहार बलिहार।
तू मादन रस अवतार, बलिहार बलिहार।
जाके बहे तनु ब्रजरस धार, बलिहार बलिहार।
जय हो ब्रजरस बाँटनिहार, बलिहार बलिहार।
तूने पाई नहिं अपनिहूँ पार, बलिहार बलिहार।
पार पाने वाला डूबा मझधार, बलिहार बलिहार।
तोय तू ही जाननिहार, बलिहार बलिहार।
तोपै ब्रह्म श्याम बलिहार, बलिहार बलिहार।
तोपै तू भी तो बलिहार, बलिहार बलिहार।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

तोपै हौं पुनि पुनि बलिहार, बलिहार बलिहार।
जय हो बोलें पिय बारंबार, बलिहार बलिहार।
कहि नेति श्रुतिहुँ गइ हार, बलिहार बलिहार।
तोहिं श्रुति कह अगम अपार, बलिहार बलिहार।
तू ही चारिहूँ श्रुति की सार, बलिहार बलिहार।
जाको भृत्य जगत भरतार, बलिहार बलिहार।
तव डर डर नंदकुमार, बलिहार बलिहार।
जय हो जय हो भोरी भारी सरकार, बलिहार बलिहार।
जय हो जय हो गोरी गोरी सरकार, बलिहार बलिहार।
जय हो विधि हरि हर बलिहार, बलिहार बलिहार।
जय हो सनकादिक बलिहार, बलिहार बलिहार।
जय हो शुक शंकर बलिहार, बलिहार बलिहार।
जय हो जाने देखा तोहिं बलिहार, बलिहार बलिहार।
जय हो मैं भी तू भी वे भी बलिहार, बलिहार बलिहार।
जय हो छोरा छोरी सब बलिहार, बलिहार बलिहार।
जय हो धनि जो भी तोपै बलिहार, बलिहार बलिहार।
जय हो रसिक रँगीली सरकार, बलिहार बलिहार।
जय हो छैल छबीली सरकार, बलिहार बलिहार।
जय हो जय हो जय हो मेरी सरकार, बलिहार बलिहार।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जय हो तेरा नहीं कोऊ आधार, बलिहार बलिहार।
जय हो नित नई नई सरकार, बलिहार बलिहार।
जय हो सब बोलो प्यारी जयकार, बलिहार बलिहार।
जय हो प्यारी पर प्यारी बलिहार, बलिहार बलिहार।
जय हो जाकि हरि करे जयकार, बलिहार बलिहार।
जय हो तेरा न बना जो धिक्कार, बलिहार बलिहार।
जय हो मुक्ति न चह तव प्यार, बलिहार बलिहार।
क्यों कृपण 'कृपालुहिं' बार, बलिहार बलिहार।।

जय हो जय हो अलबेली सरकार, बलिहार बलिहार।
जय हो कनक मुकुट सिर धार, बलिहार बलिहार।
जय हो मणि दुति मुकुट निहार, बलिहार बलिहार।
जय हो चन्द्रकला सिर धार, बलिहार बलिहार।
जय हो चूनरि जरिन किनार, बलिहार बलिहार।
जय हो वेणी अति घुंघरार, बलिहार बलिहार।
जय हो वेणी सुमन सिंगार, बलिहार बलिहार।
जय हो लर मोतिन छविदार, बलिहार बलिहार।
जय हो सेंदुर सुघर संवार, बलिहार बलिहार।
जय हो बिंदी अति अरुणार, बलिहार बलिहार।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जय हो कर्णफूल श्रुति धार, बलिहार बलिहार।
जय हो भृकुटी कुटिल निहार, बलिहार बलिहार।
जय हो दृगन सहज कजरार, बलिहार बलिहार।
जय हो दृगन सलज रतनार, बलिहार बलिहार।
जय हो चितवनि बह रसधार, बलिहार बलिहार।
जय हो मुक्ताहल झलधार, बलिहार बलिहार।
जय हो नथ बेसर छविदार, बलिहार बलिहार।
जय हो लर मोतिन नथ धार, बलिहार बलिहार।
जय हो अधर सहज अरुणार, बलिहार बलिहार।
जय हो मुसकनि जादू डार, बलिहार बलिहार।
जय हो चिबुक कृष्ण तिलधार, बलिहार बलिहार।
जय हो मणि कंकण छविदार, बलिहार बलिहार।
जय हो कर चूरिन दुतिदार, बलिहार बलिहार।
जय हो कर करपत्र सँवार, बलिहार बलिहार।
जय हो मुंदरिन दुति बलिहार, बलिहार बलिहार।
जय हो करतल मेहँदी सार, बलिहार बलिहार।
जय हो विविध मणिन उर हार, बलिहार बलिहार।
जय हो दुलरी तिलरी धार, बलिहार बलिहार।
जय हो विविध मोतियन हार, बलिहार बलिहार।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जय हो उर कंचुकि छविदार, बलिहार बलिहार।
जय हो कटि नीलाम्बर धार, बलिहार बलिहार।
जय हो मणि किंकिणि छविदार, बलिहार बलिहार।
जय हो किंकिणि धुनि झनकार, बलिहार बलिहार।
जय हो कनकन नूपुर धार, बलिहार बलिहार।
जय हो नूपुर धुनि झनकार, बलिहार बलिहार।
जय हो बिछुवनि छवि छविदार, बलिहार बलिहार।
जय हो पग जावक अरुणार, बलिहार बलिहार।
जय हो भाल दिठौना डार, बलिहार बलिहार।
जय हो पुनि पुनि कह रिझवार, बलिहार बलिहार।
जय हो कह 'कृपालु' बलिहार, बलिहार बलिहार।।

15

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

(बलिहार बलिहार . . .)

तोपै वारी वारी प्यारी, बरसाने वारी।
प्यारी प्यारी भोरी भारी, बरसाने वारी।
नथबेसर वारी प्यारी, बरसाने वारी।
वृषभानुदुलारी प्यारी, बरसाने वारी।

मैं तो वारी वारी प्यारी, बरसाने वारी।
जय हो जय हो तेरी प्यारी, बरसाने वारी।
तू ही मेरी गति मति प्यारी, बरसाने वारी।
पाछा छोड़ूँ न तेरा प्यारी, बरसाने वारी।
मैं तो शरण-शरण प्यारी, बरसाने वारी।
मैं तो तेरी ही थी प्यारी, बरसाने वारी।
मैं तो तेरी ही हूँ प्यारी, बरसाने वारी।
मैं रहूँगी तेरी ही प्यारी, बरसाने वारी।
आ जा आ जा आ जा प्यारी, बरसाने वारी।
तेरी बलिहारी मेरी प्यारी, बरसाने वारी।
लूटो तुम भी 'कृपालु' प्यारी, बरसाने वारी ।।

16

जय हो जय हो अलबेलो सरकार, बलिहार बलिहार।
COPYRIGHT
जय हो नागर नंदकुमार, बलिहार बलिहार।
RADHA GOVIND SAMITI
जय हो राधा प्राणाधार, बलिहार बलिहार।
जय हो सखिन प्राण साकार, बलिहार बलिहार।
जय हो रसिकन को सरदार, बलिहार बलिहार।
जय हो निराधार आधार, बलिहार बलिहार।

जय हो दीनन को रखवार, बलिहार बलिहार।
जय हो पतितन की पतवार, बलिहार बलिहार।
जय हो अधम उधारन हार, बलिहार बलिहार।
जय हो शरणागत रिझवार, बलिहार बलिहार।
जय हो कृपा रूप साकार, बलिहार बलिहार।
जय हो छैल छबीलो सरकार, बलिहार बलिहार।
जय हो गुण गर्वीलो सरकार, बलिहार बलिहार।
जय हो रास रचावन हार, बलिहार बलिहार।
जय हो प्रेमसुधारस सार, बलिहार बलिहार।
जय हो विधि हरि हर करतार, बलिहार बलिहार।
जय हो निगम ना पायो पार, बलिहार बलिहार।
जय हो नेति कहति श्रुति चार, बलिहार बलिहार।
जय हो मदन विमोहनहार, बलिहार बलिहार।
जय हो कोटि काम बलिहार, बलिहार बलिहार।
जय हो नटवर भेष सँवार, बलिहार बलिहार।
जय हो सगुण ब्रह्म साकार, बलिहार बलिहार।
जय हो नराकार आकार, बलिहार बलिहार।
जय हो करुणा को भण्डार, बलिहार बलिहार।
जय हो सब जग पालनहार, बलिहार बलिहार।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जय हो ब्रजरस साहूकार, बलिहार बलिहार।
जय हो यशुमति राजदुलार, बलिहार बलिहार।
जय हो जीवनधन ब्रजनार, बलिहार बलिहार।
जय हो सब जीवन भरतार, बलिहार बलिहार।
जय हो रसिकन साँचो यार, बलिहार बलिहार।
जय हो असुरन गति दातार, बलिहार बलिहार।
जय हो जय हो जादूगर सरदार, बलिहार बलिहार।
जय हो लम्पट के सरदार, बलिहार बलिहार।
जय हो कुबरी नारी को यार, बलिहार बलिहार।
जय हो जय हो ब्रजनारिन यार, बलिहार बलिहार।
जय हो चौर जार सरदार, बलिहार बलिहार।
जय हो कनक मुकट सिर धार, बलिहार बलिहार।
जय हो मुकुट मणिन उजियार, बलिहार बलिहार।
जय हो मोर पंख छविदार, बलिहार बलिहार।
जय हो कच कारे घुँघुरार, बलिहार बलिहार।
जय हो भाल तिलक लिये धार, बलिहार बलिहार।
जय हो श्रुति मणि कुण्डल धार, बलिहार बलिहार।
जय हो भृकुटी धनु अनुहार, बलिहार बलिहार।
जय हो नैन सहज कजरार, बलिहार बलिहार।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जय हो चितवनि जादू डार, बलिहार बलिहार।
जय हो चल दृग अंचल वार, बलिहार बलिहार।
जय हो नासा बेसर धार, बलिहार बलिहार।
जय हो मृदु मुसकनि बलिहार, बलिहार बलिहार।
जय हो कर मणि कंकण धार, बलिहार बलिहार।
जय हो अंगुरिन मुंदरिन धार, बलिहार बलिहार।
जय हो कंध पीतपट धार, बलिहार बलिहार।
जय हो विविध मणिन उर हार, बलिहार बलिहार।
जय हो वनमाला छविदार, बलिहार बलिहार।
जय हो विविध मोतियन हार, बलिहार बलिहार।
जय हो कौस्तुभ मणि उर धार, बलिहार बलिहार।
जय हो उर भृगु पद लिये धार, बलिहार बलिहार।
जय हो कटि पीताम्बर धार, बलिहार बलिहार।
जय हो कटि काछनि छविदार, बलिहार बलिहार।
COPYRIGHT
जय हो कटि मणि किंकिणि धार, बलिहार बलिहार।
RADHA GOVIND SAMITI
जय हो किंकिनि धुनि झनकार, बलिहार बलिहार।
जय हो दोउ पग पायल धार, बलिहार बलिहार।
जय हो नूपुर धुनि झनकार, बलिहार बलिहार।
जय हो तनु बह ब्रजरस धार, बलिहार बलिहार।

जय हो दिव्य प्रेम अवतार, बलिहार बलिहार।
जय हो निज मन मोहन हार, बलिहार बलिहार।
जय हो लतन पतन दिये प्यार, बलिहार बलिहार।
जय हो चेतन जड़ अनुहार, बलिहार बलिहार।
जय हो जड़ चेतनता धार, बलिहार बलिहार।
जय हो सोई साँचो दरबार, बलिहार बलिहार।
जय हो सब सत्संगिन यार, बलिहार बलिहार।
जय हो मम 'कृपालु' सरकार, बलिहार बलिहार।।

17

जय हो युगल नवल सरकार, बलिहार बलिहार।
इक गौर वरन तन धार, बलिहार बलिहार।
इक नीलकमल अनुहार, बलिहार बलिहार।
इक अति भोरी सरकार, बलिहार बलिहार।
इक नटखट नट अनुहार, बलिहार बलिहार।
इक मेरी सीधी सादी सरकार, बलिहार बलिहार।
इक मेरे टेढ़े मेढ़े सरकार, बलिहार बलिहार।
इक सखी अगनित को यार, बलिहार बलिहार।
इक एक श्यामहिं सो यार, बलिहार बलिहार।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

इक नृपवृषभानुदुलार, बलिहार बलिहार।
इक गोकुल ग्वाल गँवार, बलिहार बलिहार।
इक छवि सोरह शृंगार, बलिहार बलिहार।
इक नटवर भेष सँवार, बलिहार बलिहार।
इक नागरि भानुदुलार, बलिहार बलिहार।
इक नागर नंदकुमार, बलिहार बलिहार।
इक प्रेम रूप साकार, बलिहार बलिहार।
इक रसिकन को सरदार, बलिहार बलिहार।
इक संग अगनित ब्रजनार, बलिहार बलिहार।
इक संग रह ग्वार गमार, बलिहार बलिहार।
इक मोहन मोहनहार, बलिहार बलिहार।
इक मदन विमोहनहार, बलिहार बलिहार।
इक ब्रजरस की दातार, बलिहार बलिहार।
इक ब्रजरस याचनहार, बलिहार बलिहार।
इक प्रेम रूप रस सार, बलिहार बलिहार।
इक रसिक भ्रमर अनुहार, बलिहार बलिहार।
इक आत्मा नंदकुमार, बलिहार बलिहार।
इक आत्मा सब संसार, बलिहार बलिहार।
इक स्वामिनि नंदकुमार, बलिहार बलिहार।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

इक सेवक कीर्ति कुमार, बलिहार बलिहार।
इक बाँटत केवल प्यार, बलिहार बलिहार।
इक कर असुरन संहार, बलिहार बलिहार।
इक बनि गये नंदकुमार, बलिहार बलिहार।
इक बनि गई भानुदुलार, बलिहार बलिहार।
दोउ गर दोउ बाँहीं डार, बलिहार बलिहार।
दोउ ओर 'कृपालु' निहार, बलिहार बलिहार।।

18

प्यारी प्यारी भोरी भारी बरसाने वारी,
सुधि लो हमारी वृषभानुदुलारी।
प्यारी प्यारी भोरी भारी भानुदुलारी,
जय हो जय हो जय हो बरसाने वारी प्यारी।
तुम भी मोहिं भूलो नहीं भानुदुलारी,
मैं भी तोहिं भूलूँ नहीं भूलेहुँ प्यारी।
मेरी बेर काहे को निठुर भई प्यारी,
तू तो करुणा की मूरति रहि प्यारी।
एक दिन सुनेगी भरोसा भारी प्यारी,
छोड़ूँ नहिं पाछा प्रेम दे या ना दे प्यारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

तू तो मेरी थी है रहेगी भी सुकुमारी,
मैं भी तेरी बनूँ ऐसी कृपा करु प्यारी।
तेरी कृपा में तो कछु कमी नहिं प्यारी,
मैं ही कृपा पाने का हूँ नहिं अधिकारी।
तोको दीन जन प्रिय भानुदुलारी,
ऐसी कृपा करु दीन बनूँ सुकुमारी।
तुझ सी न दाता, नहिं मुझसा भिखारी,
भुक्ति मुक्ति माँगूँ नहिं प्रेम दे दे प्यारी।
तेरे बिनु अब जिया जाय नहिं प्यारी,
तेरा सुख बनि जाय मेरा सुख प्यारी।
तू ही मेरी मैं भी तेरी काहे माँ बिसारी,
या तो आजा या बुला ले पास निज प्यारी।
तेरे तो हैं सब खरे खरे सुत प्यारी,
खरों सँग खोटे को चला दे मेरी प्यारी।
माना मैं बुरी हूँ पै हूँ तेरी ही तो प्यारी,
तेरी कृपा बिना कौन अच्छी बनी प्यारी।
निज माया को भगा दे खरा बनूँ प्यारी,
माया ते तो हारे विधि हरि हर प्यारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मोहिं निज दासी दासी दासी करु प्यारी,
महल टहलिनि बना दे मोहिं प्यारी।
देऊँ बुहारी जेहि मग चलें प्यारी,
सेज सजाऊँ जहँ सोयें सुकुमारी।
व्यजन ढुलाऊँ जब सोयें सुकुमारी,
रास से पधारें जब चापूँ पग प्यारी।
हौले हौले लोरी गाऊँ जब सोयें प्यारी,
'श्याम श्याम' कान कहि के जगाऊँ प्यारी।
ऐसी बोली बोलूँ तजें मान हँसें प्यारी,
खाऊँ बहु व्यंजन जूठन प्यारी।
पहिरूँ उतारन वसनन प्यारी,
सोरहो सिंगार करूँ निज कर प्यारी।
काला टीका दऊँ गोरे गोरे माथे प्यारी,
पिय को चिढ़ाऊँ उर ते लगा के प्यारी।
प्यारी जैसी प्यारी तो हैं केवल प्यारी,
आत्मा की आत्मा की आत्मा हैं प्यारी।
प्यारी मोहे प्यारी लखि प्यारी अस प्यारी,
कामहुँ मोहे सोउ मोहे लखि प्यारी।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

प्रेम रूप रसवारी नथवारी वारी,
तोपै बलिहारी बलिहारी बलिहारी।
मैं ही नहिं वारी वारी ब्रह्म बनवारी,
ऐसी प्यारी प्यारी पर को ना वारी वारी।
प्रानन प्यारी मेरी प्यारी मोहिं प्यारी,
उन प्यारी पर कोटि प्रानन वारी।
कैसे बताऊँ प्यारी केतिक प्यारी,
दृग रसना ना रसना ना दृगवारी।
कैसे बताऊँ प्यारी एतिक प्यारी,
प्यारी हूँ ना जाने मैं हूँ केतिक प्यारी।
मेरी प्यारी जू हैं एतिक भोरी भारी,
निज परछाईं कहँ मानें और नारी।
प्यारीजू की महिमा न जानें श्रुति चारी,
हरिहूँ न जाने अगनित तनु धारी।
चुवे ब्रजरस नित रोम रोम प्यारी,
पियें ब्रजनारी अरु कुंज बिहारी।
मेरी प्यारी प्यारी बरसाने वारी प्यारी,
जाके पाछे पाछे डोलें कुंज बिहारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

आगे आगे प्यारी चलें पाछे ब्रजनारी,
वाके पाछे पिय चलें कहि 'जय हो' प्यारी।
नित नई नई लागे प्यारी छवि प्यारी,
पुनि पुनि देखो और और लागे प्यारी।
नथवारी रँगीली महलवारी प्यारी,
मादन रसवारी अति सुकुमारी।
प्यारी पिय रस पियें, पिय रस प्यारी,
पिय प्यारी रस पियें सब ब्रजनारी।
ब्रह्म बनवारी लखि परछाईं प्यारी,
गिरें छिति मुरछित कहि हाय! प्यारी।
देयँ बुहारी पिय महलन प्यारी,
धरत मुकुट पिय चरनन प्यारी।
बनवारी चाकर स्वामिनि प्यारी,
बनते 'कृपालु' ठाकुर बनवारी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

19

(प्यारी प्यारी भोरी भारी . . .)

मेरी ठकुरानी महरानी राधारानी,
ठाकुरहूँ की ठकुरानी राधारानी।
महरानिहुँ महरानी राधारानी,
जाकर चाकर सारँगपानी।
मैं हूँ राधेरानी जू की मेरी राधेरानी,
गुरु ने जनाई जानी मेरी राधेरानी।
मैं तेरी थी तेरी ही रहूँगी राधेरानी,
तू माने न माने तू ही मेरी राधेरानी।
भली हूँ बुरी हूँ हूँ तो तेरी राधेरानी,
तेरी बनूँ या ना मेरी बनू राधेरानी।
मैं तो तेरी हूँ ही मेरी बनू राधेरानी,
तेरी हो के भी न बनी तेरी राधेरानी।
उर में तो है बाहर आजा राधेरानी,
तू ही मेरी बुधि में बिठा दे राधारानी।
मेरी राधारानी प्रेम रूप रस खानी,
विहरति नित वृंदावन रजधानी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मेरी ठकुरानी महरानी राधेरानी,
चरण पलोटें जाको सारंगपानी।
मेरी ठकुरानी जैसी मेरी ठकुरानी,
चारों मुक्ति राधारानी घर भरें पानी।
जय हो, जय हो, जय हो, जय हो, जय हो राधारानी,
करें चक्रपानी राधारानी अगवानी।
लखें राधारानी भौंह सारँग पानी,
राधारानी अँगुलि पै नाचें चक्रपानी।
महरानी राधारानी ब्रजरसखानी,
जय हो जय हो जय हो वृन्दावन ठकुरानी।
सोरहो सिंगार करें जब राधेरानी,
माथे काला टीका देयँ सारँगपानी।
राधेरानी ठाकुरहूँ की ठकुरानी,
सब मिलि बोलो जय हो जय हो राधे रानी।
जब जब निकसे सवारी राधेरानी,
पाछे चलि बोले ब्रह्म जय राधेरानी।
ऐसी हैं 'कृपालु' राधारानी रसखानी,
जासों माँगे ब्रजरस सारँगपानी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

20

(प्यारी प्यारी भोरी भारी बरसाने वारी)

तोपै वारी वारी नथबेसर वारी।
कनक मुकुट सिर चूनरि वारी।
चोरी चोरी पिय चित चोरनि वारी।
पिय लखि सक नहिं चितवनि प्यारी।
पिय मुरछित लखि मुसुकनि प्यारी।
लख इक टक निज मुख छवि प्यारी।
पिय तनु काँपत परसत प्यारी।
मेरी प्यारी ऐसी प्यारी, मोहे आपु प्यारी।
मदन हुँ मोहे जिन, तिन मोहे प्यारी।
वाके पाछे डोले पिय, जो भी भजे प्यारी।
लखि नहिं सक पिय, ऐसी छवि प्यारी।
देयँ बुहारि पिय महलन प्यारी।
धरत मुकुट पिय चरनन प्यारी।
ध्यावें छवि मुरली में गावें गुन प्यारी।
नहिं कोउ अस 'कृपालु' जस प्यारी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

21

मेरी राधेरानी प्रेम रूप रसखानी।
मेरी राधेरानी वृन्दावन ठकुरानी।
मेरी राधेरानी सम मेरी राधेरानी।
मेरी राधेरानी ही हैं मेरी अब जानी।
मेरी राधेरानी तो हैं अवढर दानी।
मेरी राधेरानी ब्रज की हैं महरानी।
मेरी राधेरानी हरि हूँ की ठकुरानी।
मेरी राधेरानी सी न कोउ वरदानी।
मेरी राधेरानी पग चापैं चक्र पानी।
मेरी राधेरानी मादन रसखानी।
मेरी राधेरानी हैं 'कृपालु' वरदानी॥

22

RADHA GOVIND SAMITI

(प्यारी प्यारी भोरी भारी ....)

जयति जयति जय भानुदुलारी।
जो भी तोपै वारी वापै जाऊँ बलिहारी।
तेरी दासी दासी दासी दासी बनूँ प्यारी।

तेरे सुख में ही निज सुख मानूँ प्यारी।
तेरी इच्छा में ही इच्छा राखूँ नित प्यारी।
जब जंभुवावो चुटकी बजाऊँ प्यारी।
प्यारी को हँसाऊँ जब जब रूठे प्यारी।
पिया से मिलाऊँ जब जब कहें प्यारी।
पिया को न आने दऊँ जब कहें, प्यारी।
हौले हौले पग चापूँ जब सोयें प्यारी।
रास रस देंगी कभू कृपा करि प्यारी।
मैं भी तेरी हूँ 'कृपालु' कीर्तिकुमारी।।

23

(प्यारी प्यारी भोरी भारी.....)

राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
राधे राधे प्रेम अगाधे राधे।
राधे भुक्ति मुक्ति नौ दो ग्यारह करा दे।
राधे कर्म ज्ञान भक्ति तत्त्व बता दे।
राधे कर्म ज्ञान व्यर्थ क्यों हैं बता दे।
मेरा ले ले मैं भी ले ले गोविन्द राधे।
राधे कौन गोविन्द कौन समझा दे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधे राधे गोपी प्रेम सुधा दे।
गोपी जैसा निष्काम प्रेम सिखा दे।
राधे भक्ति रस का प्याला पिला दे।
राधे श्यामा श्याम रस घोल पिला दे।
राधे राधे दर्शन व्याकुलता दे।
राधे राधे तुम बिनु जीना ना दे।
राधे राधे सेवा प्यास बढ़ा दे।
राधे राधे रसिकन पग धूरि दिला दे।
राधे राधे टुक निज झलक दिखा दे।
राधे राधे ब्रज रस चसका लगा दे।
राधे राधे मन ब्रजरस में डुबा दे।
रँगीली महल वारी से मिला दे।
रँगीली महल की टहल दिला दे।
तेरे धाम आया कभु झलक दिखा दे।
आना नहिं चाहो तो जो आके बता दे।
भूलूँ नहिं तोहिं राधे, पल छिन आधे।
राधे राधे साँचु 'कृपालु' बना दे॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

24

(प्यारी प्यारी भोरी भारी . . .)

श्यामा भजें श्याम श्याम, श्याम भजें श्यामा,
धनि धनि गोपीजन भजें श्याम श्यामा।
श्यामा पावें श्याम रस, श्याम रस श्यामा,
धनि गोपी जन पावें रस श्याम श्यामा।
श्यामा बिच श्याम बसें श्याम बिच श्यामा,
चाहे भजो श्याम चाहे भजो श्याम श्यामा।
श्यामा कहें श्याम भजो श्याम कहें श्यामा,
मेरी मानो तो 'कृपालु' भजो श्यामश्यामा।।

प्यारे प्यारे गोविन्द प्यारी प्यारी राधे।
COPYRIGHT
प्यारे प्यारे गोविन्द भोरी भारी राधे।
RADHA GOVIND SAMITI
प्यारे प्यारे गोविन्द सुकुमारी राधे।
प्राण प्यारे गोविन्द प्राण प्यारी राधे।

जय जय श्याम जय जय श्यामा, जय जय ब्रजबामा,
जय जय आनंदघन वृन्दावन धामा।
जय जय श्याम जय जय श्यामा, जय जय ब्रजबामा,
तीनों मिली विहरत वृन्दावन धामा।
जोई श्याम, सोई श्यामा, सोई ब्रजबामा,
सोई आनंदघन वृन्दावन धामा।
सुखघन घनश्याम सुखघन श्यामा,
सुखघन वृन्दावन सुखघन बामा।

❀ ❀ ❀

भज गोविन्दं भज गोपालम्,
भज भज गल विलुलित वनमालम्।
चिंतय चित्त चिरं हरि चरणम्,
गोपवधू जन हृदयाभरणम्।
अशरणं शरणमं भव भय हरणम्,
भज भज सततं गिरिवर धरणम्।
भज गोविन्दं भज गोपालम्,
भज मुख मुरली मधुर रसालम्।
भज गोविन्दं भज गोपालम्,
भज नटवर नागर नँदलालम्।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

भज गोविन्दं भज गोपालम्,
भज भज नंद यशोदा बालम्।
भज गोविन्दं भज गोपालम्,
भज केशर समलंकृत भालम्।
भज गोविन्दं भज गोपालम्,
भज भज गल कौस्तुभ मणि मालम्।
भज गोविन्दं भज गोपालम्,
भज गति गज मदमत्त रसालम्।

मेरे गुरुवर मेरे गिरिधर,
दोऊ निज निज कर मम सिर पर धर।
प्रियवर गुरुवर माई डियर गिरिधर,
इतनी कृपा करु करहुँ सरेन्डर।
गुरु कह हरि भज हरि कह गुरु भज,
COPYRIGHT
श्रुति कह हरि गुरु दोउन कहँ भज।
RADHA GOVIND SAMITI
कोऊ कह हरि बड़ कोऊ कह गुरु बड़,
मम मत दोऊ एक मति करु बड़ बड़।

25

(प्यारी प्यारी भोरी भारी . . .)

आजा नंदनंदन आजा यशुदा ललन,
आजा आजा ब्रज गोपीजन जीवनधन।
आजा सतघन चितघन आनँदघन,
आजा आजा ब्रजयुवतिन दृग अंजन।
आजा आके पुनि ना जा यशुमति के सुवन,
आजा आजा तोपै अर्पन तन मन धन।
आजा तोहिं परखत निधिवन मधुवन,
आजा आजा निज लीला धाम वृंदावन।
आजा तेरी पद रज चह ब्रज रज कन,
आजा आजा रस बरसा जा गोवर्धन।
आजा जगमोहन मदन विमोहन,
आजा आजा निज मन मोहन मोहन।
आजा त्रिभुवन वंदन राधिकारमन,
आजा आजा प्रणत जनन मनरंजन।
आजा अब 'दारी के' न गारी देंगी गोपीजन,
आजा आजा अब न बनावें घोड़ा गोपजन।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

आजा तू तो सदा ते है अधम उधारन,
आजा आजा तू तो है 'कृपालु' बिनु कारन।।

26

(प्यारी प्यारी भोरी भारी)

मेरी भोरी भारी वृषभानुदुलारी,
जय हो जय हो जय हो बरसाने वारी प्यारी।
जय हो जय हो श्री वृषभानुदुलारी,
जय हो जय हो रँगीली महल वारी प्यारी।
मेरी ऐसी रँगीली महल वारी प्यारी,
प्यारी ऐसी प्यारी प्यारी आपु जायँ वारी।
प्यारी छवि लखि पिय कह बलिहारी,
मैं तो प्यारी पर बनवारीहूँ को वारी।
तहँ पिय सिर धर जहँ पग प्यारी,
देयँ बुहारी पिय जित जायें प्यारी।
पाछे पाछे चले पिय बोले जय हो प्यारी,
पिय दृग नीचे करि देखे छवि प्यारी।
प्रेम भिखारी पिय दाता मेरी प्यारी,
पिय को बुरा ना कहो बुरा माने प्यारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मेरे दोनों प्राण सम पिय अरु प्यारी,
प्यारी भजे पिऊ पिऊ, पिय भजे प्यारी।
मेरी दायीं आँख पिय बायीं आँख प्यारी,
नित नई नई लागे छवि पिय प्यारी।
प्यारी कभू पिय बने, पिय कभू प्यारी,
एक आत्मा हैं द्वै तनु पिय-प्यारी।
प्यारी कहे पिऊ भजु, पिऊ कहे प्यारी,
पै 'कृपालु' कहे भजु नित पिय प्यारी।।

27

(प्यारी प्यारी भोरी भारी)

राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे,
राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे।

गुरु से ही तत्वज्ञान गोविन्द राधे,
पुनि पुनि सुनि मन बुधि में बिठा दे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

तू तो माँगे शुद्ध मन गोविन्द राधे,
गुरु ही अशुद्ध मन शुद्ध करा दे।

तू तो है बनो का साथी गोविन्द राधे,
गुरु तो सदा सदा की बिगरी बना दे।

गुरु तो है माता सम गोविन्द राधे,
सुत को सजाके हरि गोद बिठा दे।

गुरु को बिठा दे उर गोविन्द राधे,
श्यामाश्याम अइहैं आपु गलबहियाँ दे।

हरि के अधीन जग गोविन्द राधे,
गुरु के अधीन हरि हरि ही बता दे।

हरि कृपा गुरु मिले गोविन्द राधे,
गुरु कृपा हरि मिले तत्त्व बता दे।

हरि चह गुरु सुख गोविन्द राधे,
गुरु चह हरि सुख तत्त्व बता दे।

हरि गुरु तनु दो है गोविन्द राधे,
पै भीतर दोउ एक बता दे।

गुरु सेवा हरि सेवा गोविन्द राधे,
दोनों ही हैं एक अस रसिक बता दे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

तुम भी मोहिं भूलो नहिं गोविन्द राधे,
मैं भी तोहिं भूलूँ नहिं ऐसी बना दे।

स्वामी सखा सुत पति गोविन्द राधे,
चार चार नाते तोसों कोई तो निभा दे।

भुक्ति मुक्ति डाकिनि गोविन्द राधे,
इनसे बचे जो सोई प्रेमी बता दे।

तेरे मेरे मिलन में गोविन्द राधे,
बाधा तेरी माया वाय सदा को भगा दे।

तू ही मेरा मैं भी तेरा गोविन्द राधे,
बीच में है माया वाय मारि भगा दे।

मैं भी तेरा मेरा तेरा गोविन्द राधे,
जनम जनम का भिखारी तोहिं का दे।

सुख के भिखारी सब गोविन्द राधे,
तू ही इक सुखदाता दे चाहे ना दे।

अभी भजु अभी भजु गोविन्द राधे,
जाने कब काल तेरा टिकट कटा दे।

पिछला बिगारा मैंने गोविन्द राधे,
अगला अकारण कृपा ते बना दे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

शरण शरण तेरी गोविन्द राधे,
प्यार करे चाहे पग ठुकरा दे।

दर्शन दे या ना दे गोविन्द राधे,
दर्शन हित नित रोना सिखा दे।

तेरा पर्दा योग माया गोविन्द राधे,
मेरा पर्दा माया दोनों पर्दा उठा दे।

तू तो बिनु कारण गोविन्द राधे,
भक्ति आदि साधना का नियम हटा दे।

तेरा तन भी है काला गोविन्द राधे,
मेरा मन भी है काला जोरी बना दे।

तू भी बड़ा चंचल गोविन्द राधे,
मेरा मन चंचल दोनों को लड़ा दे।

लेना काम देना प्रेम गोविन्द राधे,
लेना देना दोनों व्यापार बता दे,

रिद्धि सिद्धि निद्धि ना दे गोविन्द राधे,
गोपीजन जैसा गोपी प्रेम दिला दे।

तीनों तजु सातों तजु गोविन्द राधे,
ग्यारहवे में ग्यारहवों लगा दे।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

हरि मिट्टी जग घट गोविन्द राधे,
जग घट की है आदि अंत बता दे।

निराकार ब्रह्म मिट्टी गोविन्द राधे,
साकार ब्रह्म कृष्ण हीरा बता दे।

हरि भजें भक्तन गोविन्द राधे,
भक्त भजें हरि विधि बुधि भरमा दे।
कुसुम सरोवर गोविन्द राधे,
श्यामा श्याम लीला धाम रसिक बता दे।
कर्मी योगी ज्ञानी गोविन्द राधे,
कृष्ण प्रेमी ही है निष्काम बता दे।
ज्ञानी कहे सोऽहं सोऽहं गोविन्द राधे,
भक्त कहे ना ना पाछे 'दा' भी लगा दे।
कृष्ण भक्ति युक्त हो तो गोविन्द राधे,
श्वपच भी बोले जो तो शीश झुका दे।
कृष्ण भक्ति युक्त हो तो गोविन्द राधे,
शिशु भी बोले जो तो शीश झुका दे।
कृष्ण भक्ति हीन हो तो गोविन्द राधे,
ब्रह्मा भी बोले जो तो मुँह बिचका दे।
कृष्ण भक्ति हीन हो तो गोविन्द राधे,
जो भी कोई बोले वाय डाँटि भगा दे।
सोई पढ़ो सोई सुनो गोविन्द राधे,
जो तेरा कृष्ण प्रेम और बढ़ा दे।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

राधे बिनु श्याम आधे श्याम बिनु राधे,
चाहे कहु श्याम या 'कृपालु' कहु राधे॥

28

(प्यारी प्यारी भोरी भारी)

राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे,
राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
एक भिखारी आया तेरे धाम राधे,
माँगे गोपियों सा प्रेम दे चाहे ना दे।
कालि भजु कालि भजु जनि करु आगे,
जाने कब काल लाल झंडी दिखा दे।
तू तो रही सदा ते ही कृपामयी राधे,
हमरीहिं बेर कृपण काहे राधे।
COPYRIGHT
अब तो मैं तेरा पाछा छोड़ूँ नहिं राधे,
RADHA GOVIND SAMITI
कान खोल सुनु मैं हठीला शिशु राधे।
तू ही मेरी थी भी है भी रहेगी भी राधे,
पाछा छोड़ूँ नहिं चाहे चक्र चला दे।

जग हो कुपूत पै कुमाता न हो राधे,
शिशु माँ को जाने नहिं माँ ही जना दे।
तेरे तो हैं सब खरे खरे शिशु राधे,
खरों सँग खोटे को चला दे मेरी राधे।
मुझ से पतित यदि होते नहिं राधे,
तो किसे पावन करती बता दे।
माना मैं हूँ तेरा अति बुरा शिशु राधे,
तेरी कृपा बिनु भला हुआ कौन राधे।
तेरी दासी मारे नित तेरे शिशु राधे,
पास बैठी देखे तू है कैसी माता राधे।
हरि विमुखन सँग ना दे ना दे ना दे,
ब्रज रसिकन सँग नित्य दिला दे।
दुःख निवृत्ति नहिं माँगूँ मेरी राधे,
तेरे बिन एक पल कलप बना दे।
मेरे उर में तो नित रह मेरी राधे,
बाहर आके कभू झलक दिखा दे।
बिना पूछे मेरे उर गृह रह राधे,
दे दे किराया टुक झलक दिखा दे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मैं हूँ मायाधीन तू है मायाधीश राधे,
माया को हटा दे मायातीत बना दे।
सब को लगी है माया डायिनी राधे,
नाम गाके ताली बजाके भगा दे।
ब्रज रस की इक बूँद पिला दे,
कहा घटि जाये तोरा प्रेम सुधा दे।
मन मनमानी करे माने नहिं राधे,
याको इक ब्रज रस बूँद पिला दे।
ब्रजरस की राधे शीशी बना दे,
वामें गौर श्याम रस भरि के पिला दे।
मैं हूँ मायाबद्ध पै न चाहूँ मुक्ति राधे,
मोको गोपी प्रेम बद्ध सदा को बना दे।
माँगे भीख दर दर तेरा शिशु राधे,
सीने से लगा ले कहा घटि जाये राधे।
सात स्वर्ग ना दे पाँच अपवर्ग ना दे,
एक बार ब्रजरस छकि के पिला दे।
तीनों ना दे मोहिं पाँचों ना दे,
इसके भी आगे जो है सोई दिला दे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

गोविन्दहुँ भज राधे राधे,
गोविन्द गोविन्द भजे श्री राधे।
कोऊ भजे गोविन्द कोऊ राधे,
दोनों बड़े भोले भजो गोविन्द राधे।
गोविन्द गोविन्द भजो कहें राधे,
गोविन्द भी कहें भजो राधे राधे।
राधे बिनु गोविन्द जानिये आधे,
गोविन्द बिनु जानो आधी राधे।
तुम तो भजो मन छिन छिन राधे,
भाजे अइहै गोविन्द सुनि नाम राधे।
नाम विख्यात 'कृपालु' मम राधे,
तू नाम को साँच साँचु करु राधे॥

29

RADHA GOVIND SAMITI

(प्यारी प्यारी भोरी भारी)

रस बरसाने वारी बरसाने वारी,
आँसू दै के लूटो बड़ी भोरी भारी प्यारी।

ये ही बरसाने महँ वेद दें बुहारी,
ये ही बरसाने रज महँ लोटीं प्यारी।
तू ही मेरी थी भी है भी रहेगी भी प्यारी,
तोको तजि जाऊँ कित नाम बता प्यारी।
मैं हूँ तेरा अति ही हठीला शिशु प्यारी,
तेरा पाछा छोड़ूँ नहिं जुग जुग प्यारी।
शरण शरण मैं तो शरण तिहारी,
सुधि लो हमारी नथबेसरवारी।
माना मैं पतित अति भानुदुलारी,
यामें तो है दोषी तेरी माया सुकुमारी।
माना मैं पतित अति हूँ तो तेरा प्यारी,
कान खोल सुनु पाछा छोड़ूँ नहिं प्यारी।
निर्मल मन माँगे तेरा बनवारी,
पतितन को है इक तेरा द्वार प्यारी।
शिशु तन मल धोये जग महतारी,
ऐसे पतितन मन मल धोये प्यारी।
बिनु कारण करुणा करें प्यारी,
याते पतितन तेरे द्वार भीड़ भारी।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

मोको तो भुलाया तेरी माया ने ही प्यारी,
तूने क्यों भुलाया मोहिं तू ही महतारी।
हम सब पतित ना माँगे कछु प्यारी,
बस पल को भी नहिं भूलूँ तोहिं प्यारी।
शिशु तो न जाने कौन माँ है मेरी प्यारी,
माँ ही तो बतावे मैं हूँ तेरी महतारी।
मैं भी तेरा शिशु तू ही मेरी महतारी,
टुक ब्रज रस को पिला दे मोहिं प्यारी।
सातों स्वर्ग पाँचों अपवर्ग ना दे प्यारी,
मेरी ओर लखि टुक मुस्कुरा दे प्यारी।
माना मैं बुरी हूँ किन्तु हूँ तो तेरी प्यारी,
तेरी कृपा बिनु कौन अच्छा बना प्यारी।
तुम भी मोहिं भूलो नहिं भानुदुलारी,
ऐसी कृपा करु मैं भी भूलूँ नहिं प्यारी।
तेरे बिनु जीना भी क्या जीना मम प्यारी,
दर्शन दे या ना दे रोना दे दे प्यारी।
बिना मोते पूछे रह मम उर प्यारी,
झलक दिखा दे तू किराया ना दे प्यारी।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

आजा चोरी चोरी मेरी भानुदुलारी,
उर में छुपालूँ कोऊ जाने नहिं प्यारी।
ऐसी कृपा करु वृषभानुदुलारी,
सारा जग दीखे मोहिं प्यारी प्यारी प्यारी।
जित देखूँ तित तू ही तू ही दीखे प्यारी,
तेरा नाम गाऊँ तेरा रूप ध्याऊँ प्यारी।
तू तो जग मोहन मन मोहे प्यारी,
मोहू मेरे मन को भी भानुदुलारी।
ब्रजरस बेचे प्यारी भानुदुलारी,
याको मोल अतिशय लालसा तिहारी।
तुम तो बुलाओ वृषभानुदुलारी,
बिनुहिं बुलाये भाजे अइहैं बनवारी।
प्यार करे या ठुकराये मोहिं प्यारी,
कान खोल सुन पाछा छोड़ूँ नहिं प्यारी।
प्रेम भिखारी हरि दाता मेरी प्यारी,
याने मोहे मदनहूँ वाय मोही प्यारी।
प्यारी जू के चरण पलोटें बनवारी,
सुखघन रोते ढूँढे कुंज कुंज प्यारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

व्यापक हो के पूछें कहाँ गईं प्यारी,
ब्रह्म माँगे महल टहल दे दो प्यारी।
जैसे मोहिं बनवारी वैसे मोहिं प्यारी,
प्यारी बिनु पिय आधे पिय बिनु प्यारी।
पिय रूप आनंद प्रेम रूप प्यारी,
यद्यपि दोनों एक बीस लगें प्यारी।
जब जब मान करे बरसाने वारी,
फूटि फूटि रोवे सुखघन बनवारी।
गौर रस पिये पिय श्याम रस प्यारी,
श्याम गौर रस पिये धनि ब्रजनारी।
गौर रस पियें पिय श्याम रस प्यारी,
दोऊ रस पिये छकि छकि ब्रजनारी।
मेरी प्यारी जू की छवि एतिक प्यारी,
सिर नीचे करि लखें डरि बनवारी।
लखि प्यारी छवि गिरे भू पै बनवारी,
लखि सखि बोले जय हो जय हो जय हो प्यारी।
ललिता विशाखा जब चापैं पग प्यारी,
लखि लखि लार टपकायें बनवारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

प्यारी को बुलावे आपु अइहैं बनवारी,
जब अइहैं पिय प्यारी अइहैं ब्रजनारी।
कहा कहूँ मेरी प्यारी केतिक प्यारी,
प्यारी हूँ निज छवि लखि वारी वारी।
प्यारी जू की प्यारी छवि एतिक प्यारी,
प्यारी जू की परछाईं लखें बनवारी।
मेरी प्यारी जू की छवि एतिक प्यारी,
लट्टू बने घूमें पाछे पाछे बनवारी।
ब्रजरस ही बनि गई छवि प्यारी,
याते नित नई नई लागे सुकुमारी।
जेहि मग चले मेरी प्यारी की सवारी,
प्रथमहिं देय बुहारी बनवारी।
जब जब निकसत प्यारी की सवारी,
पाछे चलि बोलें जय हो जय हो बनवारी।
सोरहो सिंगार करि बैठीं कुंज प्यारी,
सब सत्संगी बोलो जय हो जय हो प्यारी।
जाके डर डरें डर सोऊ बनवारी,
सोऊ सिट्टी पिट्टी भूलें लखि मान प्यारी।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

ब्रह्म माँगे महल टहल दे दो प्यारी,
प्यारी कृपा ते 'कृपालु' बने बनवारी।
बोलो जय हो बनवारी बोलो जय हो प्यारी,
दोनों हैं 'कृपालु' पै कृपालु पिय प्यारी।

30

(प्यारी प्यारी भोरी भारी)
रस बरसाने वारी, बरसाने वारी।
भोरी भारी प्यारी प्यारी, बरसाने वारी।
नथबेसर वारी, बरसाने वारी।
जय हो जय हो जय हो जय हो, बरसाने वारी।
आजा आजा सुकुमारी, बरसाने वारी।
आके कभू ना जा प्यारी, बरसाने वारी।
प्यारी ऊँचे महलन वारी, बरसाने वारी।
COPYRIGHT
ब्रजरस बरसाने वारी, बरसाने वारी।
RADHA GOVIND SAMITI
ब्रजरस चुवे तनु प्यारी, बरसाने वारी।
मादन रस वारी प्यारी, बरसाने वारी।
क्रंदन सुनि भाजै प्यारी, बरसाने वारी।

तू ही तो है मेरी प्यारी, बरसाने वारी।
मैं भी तो हूँ तेरी प्यारी, बरसाने वारी।
पाछा नहीं छोड़ूँ प्यारी, बरसाने वारी।
तेरा है भरोसा भारी, बरसाने वारी।
जापै वारी वारी बनवारी, बरसाने वारी।
तू तो है 'कृपालु' बिनु कारण प्यारी।
मैं तो ये ही गुन पर वारी वारी प्यारी॥

❀ ❀ ❀

करहु कृपा की कोर मोर गौर हरि,
चरण शरण लई तोर मोर गौर हरि।
रसिकन को सिरमोर मोर गौर हरि।
ब्रज बनितनि चित चोर मोर गौर हरि।

31

RADHA GOVIND SAMITI

(प्यारी प्यारी भोरी ...)

भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
प्रेम अगाधे राधे प्रेम सुधा दे।

भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
मैं कौन मेरा कौन यह समझा दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
गुरु सेवा में ही मेरा जनम बिता दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
हरि गुरु विमुखन संग ना दे ना दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
ब्रज रसिकन का ही संग दिला दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
तेरा सुख चाहूँ बस ऐसी बना दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
ब्रज रसिकन की सेवा दिला दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
काऊ गोपिका ते गोपी प्रेम दिला दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
अविरल प्रीति की रीति सिखा दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
देना है तो लेने वाली वासना मिटा दे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
देना है तो देना देना मोहूँ सिखा दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
देना है तो दे ना मति माँगने की राधे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
माया डाकिनी की ऐसी तैसी करा दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
कछु नहिं देना हो तो आके बता दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
हरि विमुखन संग ना दे ना दे ना दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
तेरे बिनु इक पल कलप बना दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
तेरी दासी दासी दासी बना दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
मेरी दासी कहि इक बार बुला दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
अपने महल की टहलिनी बना दे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
चुटकी बजाऊँ जब जब जम्भुवा दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
मेरा सब ले ले इक बार मुस्कुरा दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
देना है तो ब्रजरस छकि के पिला दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
ब्रज रसिकन संग नित्य दिला दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
तोसों नहिं बोलूँ यह बोल सुना दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
दै के विरह मन शुद्ध करा दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
निज ब्रज गोपी ते प्रेम दिला दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
देना है तो गोपी पग रेनु दिला दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
मोको तो तू मनगढ़ वास दिला दे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
श्री वृन्दावन वास दिला दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
सेवा कुंज की तरु लतन बना दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
निज ब्रज मोर चकोर बना दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
ब्रज की ताल तमाल बना दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
तहँ दूँ बुहारी जहँ रास करा दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
विजन डुलाने की सेवा दिला दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
पी को न आने दूँ जो तू आज्ञा दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
चँवर ढुरावुँ जब सजी धजी राजे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
श्यामा पग पायल बिछुये बना दे।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
कुंज भवन की पहरुआ बना दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
जेहि सर नहावे वाको सलिल बना दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
सपने में ही आके झलक दिखा दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
मुख न दिखाये जो तो चरण दिखा दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
तेरी रुचि महँ मेरी रुचि को बना दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
तेरी इच्छा महँ मेरी इच्छा बना दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
तेरे सुख में ही सुखी होना सिखा दे।
COPYRIGHT
गलबँहियाँ दै के झाँकी दिखा दे।
RADHA GOVIND SAMITI
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
मेरी ओर लखि दृग बान चला दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
इक बार प्यारी कहि मोहिं बुला दे।

भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
आना ना हो तो यह आके बता दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
मोते प्यार भाये न तो मार लगा दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
पतित 'कृपालु' को रोना सिखा दे॥

32

(प्यारी प्यारी भोरी ...)

मेरी राधेरानी प्रेम रूप रस खानी,
सब मिलि बोलो जय हो जय हो राधेरानी।
मेरी राधेरानी प्रेम रूप रस खानी,
जाकी कोटि कमला भवानी नौकरानी।
मेरी राधेरानी प्रेम रूप रस खानी,
आँसू दै के लूटो बड़ी भोरी राधेरानी।
मेरी राधेरानी प्रेम रूप रस खानी,
मेरी राधेरानी जैसी मेरी राधेरानी।
मेरी राधेरानी प्रेम रूप रस खानी,
जाके डर डरें पूर्ण ब्रह्म चक्रपानी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मेरी राधेरानी प्रेम रूप रस खानी,
जाके पाछे पाछे डोलें सारंगपानी।
मेरी राधेरानी प्रेम रूप रस खानी,
विहरति नित वृन्दावन रजधानी।
मेरी राधेरानी प्रेम रूप रस खानी,
प्रेम भिखारी है 'कृपालु' राधेरानी।।

33

(प्यारी प्यारी भोरी ...)

रस बरसाने वारी बरसाने वारी,
जय हो जय हो जय हो वृषभानुदुलारी।
रस बरसाने वारी बरसाने वारी,
इक बूँद रस की पिला दे मोहिं प्यारी।
रस बरसाने वारी बरसाने वारी,
COPYRIGHT
चाहे अपनाये चाहे ठुकराये प्यारी।
RADHA GOVIND SAMITI
रस बरसाने वारी बरसाने वारी,
तू ही मेरी थी भी है भी रहेगी भी प्यारी।
रस बरसाने वारी बरसाने वारी,
तेरे बिनु जीना भी क्या जीना मेरी प्यारी।

रस बरसाने वारी बरसाने वारी,
दे दो आँसू ले लो प्रेम बड़ी भोरी प्यारी।
रस बरसाने वारी बरसाने वारी,
यदि नहिं आये तो बुला ले मोहिं प्यारी।
रस बरसाने वारी बरसाने वारी,
चुटकी बजाऊँ जब जम्भुवाओ प्यारी।
रस बरसाने वारी बरसाने वारी,
हेरो मेरे 'कृपालु' ढ़िग कृपामयी प्यारी॥

34

(प्यारी प्यारी भोरी भारी ...)

दीनबन्धु दीनानाथ गोविन्द राधे,
मेरे प्राण वल्लभ गोविन्द राधे।
गोपीजन वल्लभ गोविन्द राधे,
मेरे जीवन धन गोविन्द राधे।
ब्रज रस अम्बुधि गोविन्द राधे,
प्रेम सुधा निधि गोविन्द राधे।
मेरे दोऊ ठाकुर गोविन्द राधे,
रसिक मुकुट मणि गोविन्द राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

रसिक जनन धन गोविन्द राधे,
ब्रजरस मूरति गोविन्द राधे।
गोविन्द बोले नित राधे राधे राधे,
गोविन्द गोविन्द बोले नित राधे।
ब्रज गोपी बोलें नित गोविन्द राधे,
हम बोलें नित गोपी गोविन्द राधे।
गोविन्द रोम रोम बोले नाम राधे,
गोविन्द नाम बोले रोम रोम राधे।
ब्रज की लता पता भी बोले राधे राधे,
ब्रज के चकोर मोर बोले राधे राधे।
भुक्ति मुक्ति माँगूँ नहिं गोविन्द राधे,
बैकुण्ठ माँगूँ नहिं गोविन्द राधे।
रिद्धि सिद्धि माँगूँ नहिं गोविन्द राधे,
पाँचों मुक्ति माँगूँ नहिं गोविन्द राधे।
COPYRIGHT
सातों स्वर्ग माँगूँ नहिं गोविन्द राधे,
RADHA GOVIND SAMITI
तेरा सुख माँगूँ नित गोविन्द राधे।
तू ही तो है मेरा स्वामी गोविन्द राधे,
तू ही तो है मेरा सखा गोविन्द राधे।

तू ही तो है मेरा सुत गोविन्द राधे,
तू ही तो है मेरा पिय गोविन्द राधे।
तू ही तो है मेरी गति गोविन्द राधे,
तू ही तो है मेरा धन गोविन्द राधे।
तोहिं तजि जाऊँ कित गोविन्द राधे,
पतितन सुनै कौन गोविन्द राधे।
तू ही मेरा मैं भी तेरा गोविन्द राधे,
झलक दिखा दे टुक गोविन्द राधे।
'रा' को सुनि घूरे श्याम गोविन्द राधे,
'धे' को सुनि भाजे ढिग जो भी बोले राधे।
दीनबन्धु दीनानाथ गोविन्द राधे,
सुन लो 'कृपालु' की भी गोविन्द राधे।।

35

COPYRIGHT

(प्यारी प्यारी भोरी भारी ...)

RADHA GOVIND SAMITI

रस बरसाने वारी बरसाने वारी,
सब मिलि बोलो जय हो, जय हो जय हो प्यारी।
आजा आजा मेरी प्यारी प्यारी महतारी,
तेरे पाछे भाजे भाजे अइहैं बनवारी।

तू ही मेरी थी भी है भी रहेगी भी प्यारी,
एक बार झलक दिखा दे महतारी।
तेरा पर्दा योगमाया बरसाने वारी,
मेरा पर्दा माया कैसे मिलूँ महतारी।
माना मैं पतित अति बरसाने वारी,
तू भी पतित पावनि महतारी।
तेरा तो है तन मन कृपा का ही प्यारी,
करि दे 'कृपालु' पै भी कृपा महतारी।

36

(धुन :– प्यारी प्यारी भोरी भारी)
आजा आजा आजा मेरे गोविन्द राधे,
रँगीली महल आके दरस दिखा दे।
आजा आजा आजा मेरे गोविन्द राधे,
शिशु बनि रोने का शब्द सुना दे।
आजा आजा आजा मेरे गोविन्द राधे,
जग शिशु जनु शिशु बनि के दिखा दे।
आजा आजा आजा मेरे गोविन्द राधे,
शुद्ध बुद्ध ब्रह्म बुद्धू बनि के दिखा दे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

आजा आजा आजा मेरे गोविन्द राधे,
निज नीरस ब्रज सरस बना दे।
आजा आजा आजा मेरे गोविन्द राधे,
ब्रज नहिं तजिहौ वादा निभा दे।
आजा आजा आजा मेरे गोविन्द राधे,
आजा पुनि मुरली की तान सुना दे।
आजा आजा आजा मेरे गोविन्द राधे,
आजा मोहिं साँचो 'कृपालु' बना दे।।

❀ ❀ ❀

राधे राधे माधव माधव राधे,
माधव राधे राधे, राधे राधे माधव।
राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे,
राधे बिनु कृष्ण आधे कृष्ण बिनु राधे।
सोते सोते बोलें श्याम रोम रोम राधे,
COPYRIGHT
सोती बोलें श्याम श्याम रोम रोम राधे।
RADHA GOVIND SAMITI
सोती सोती बोलें गोपीजन श्याम राधे,
हम भी बोलें जय जय गोपीजन श्याम राधे।

❀ ❀ ❀

जय जय भानुनंदिनी जय जय नँदनन्दन,
जय जय ब्रज गोपी जन जय जय श्री वृन्दावन।
जय जय श्यामा जय जय श्याम जय जय ब्रजधाम,
जय जय ब्रजबाम जय जय प्रेम निष्काम।
जय जय श्यामा जय जय श्याम जय जय ब्रजबाम,
तीनों मिलि रास करें वृन्दावन धाम।
जय जय श्यामा जय जय श्याम जय जय ब्रजबाम,
जय जय लीला धाम श्री वृन्दावन धाम।
श्यामा श्याम नाम रूप लीला गुण धाम,
ब्रजबाम सब एक भिन्न भिन्न नाम।

❀❀❀

जय जय मेरे गुरुवर, जय जय मेरे गिरिधर।
आया तेरे दर पर, मोहूँ पै कृपा कर।

❀❀❀

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

ठाकुरहूँ की ठकुरानी राधेरानी,
विहरति नित वृन्दावन रजधानी।
ठाकुरहूँ की ठकुरानी राधेरानी,
ब्रह्माणी रुद्राणी वाणी की भी महरानी।

ठाकुरहूँ की ठकुरानी राधेरानी,
जाके पाछे पाछे डोलें साराँगपानी।
ठाकुरहूँ की ठकुरानी राधेरानी,
कोटि कमला भवानी जाकी नौकरानी।

37

(राधे राधे गोविन्दा। भज ले मति मन्दा . . .)
मेरी बरसाने वारी, प्यारी बरसाने वारी।
रस बरसाने वारी, प्यारी बरसाने वारी।
रँगीली महलवारी, प्यारी बरसाने वारी।
प्यारी प्यारी भोरी भारी, प्यारी बरसाने वारी।
भानु दुलारी प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
कीर्ति कुमारी प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
ऊँचे महलन वारी, प्यारी बरसाने वारी।
ब्रजरस वारी प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
मादन रस वारी, प्यारी बरसाने वारी।
सोरहो सिंगार वारी, प्यारी बरसाने वारी।
कनक वरन प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
कनक मुकुट प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

चूनरि वारी प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
नील वसन वारी, प्यारी बरसाने वारी।
वेणी घुँघुरारी कारी, प्यारी बरसाने वारी।
दृग काजर वारी, प्यारी बरसाने वारी।
नथ बेसर वारी, प्यारी बरसाने वारी।
श्रुति कुण्डल वारी, प्यारी बरसाने वारी।
कंचुकि अरुणारी, प्यारी बरसाने वारी।
गर दुलरी वारी, प्यारी बरसाने वारी।
गर तिलरी वारी, प्यारी बरसाने वारी।
कर चूरिन वारी, प्यारी बरसाने वारी।
कर कंकण वारी, प्यारी बरसाने वारी।
मणि मुँदरिन वारी, प्यारी बरसाने वारी।
कर मेहँदी वारी, प्यारी बरसाने वारी।
कटि किंकिणि वारी, प्यारी बरसाने वारी।
पग पायल वारी, प्यारी बरसाने वारी।
मणि बिछुवनि वारी, प्यारी बरसाने वारी।
पग जावक वारी, प्यारी बरसाने वारी।
पिय बोलें लखि प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

बनवारी वारी वारी, प्यारी बरसाने वारी।
पिय बोलें बलिहारी, प्यारी बरसाने वारी।
मोहें अस भोरी भारी, प्यारी बरसाने वारी।
काला टीका माथे प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
सरल कृपालु प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
मति 'कृपालु' वारी, प्यारी बरसाने वारी।।

महरानी राधेरानी, महरानी राधेरानी।
वृंदावन ठकुरानी, महरानी राधेरानी।
ब्रजरस वरदानी, महरानी राधेरानी।
हरि स्वामिनि मानी, महरानी राधेरानी।
महरानीहूँ की रानी, महरानी राधेरानी।
हरि कर अगवानी, महरानी राधेरानी।

COPYRIGHT

38

RADHA GOVIND SAMITI

(राधे राधे गोविन्दा - 2)

प्यारी प्यारी भोरी भारी, प्यारी बरसाने वारी।
आजा मेरे उर प्यारी, तहँ मिलेंगे बनवारी।

प्यारी छवि लखि प्यारी, आपु जाय वारी वारी।
प्यारी बरसाने वारी, प्यारी बरसाने वारी।
मेरी बरसाने वारी, प्यारी प्यारी भोरी भारी।
नथवारी सुकुमारी, ऊँचे महलन वारी।
मादन रस वारी, तोपै बनवारी वारी।
मेरो प्राण बनवारी, बनवारी प्राण प्यारी।
जय हो जय हो बनवारी, जय हो जय हो जय हो प्यारी।
प्यारी ध्यावें बनवारी, बनवारी ध्यावें प्यारी।
बड़भागी नर नारी, ध्यावें बनवारी प्यारी।
मेरी प्यारी ऐसी प्यारी, पाछे डोलें बनवारी।
मेरी प्यारी ऐसी प्यारी, लट्टू बने बनवारी।
लखि प्यारी असवारी, पिय बोलें जय हो प्यारी।
अति ही 'कृपालु' प्यारी सब बोलो जय जय प्यारी॥

39

RADHA GOVIND SAMITI

रस बरसाने वारी, प्यारी बरसाने वारी।
मेरी प्यारी प्यारी प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
प्यारी प्यारी भोरी भारी, प्यारी बरसाने वारी।
भोरी भारी सुकुमारी, प्यारी बरसाने वारी।

ब्रजरस वारी प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
वृषभानुदुलारी प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
बलिहारी बलिहारी, प्यारी बरसाने वारी।
मैं तो तेरी ही हूँ प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
तू ही तो है मेरी प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
दे दे गोपी प्रेम प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
तेरी सेवा माँगूँ प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
मेरी प्रानन प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
रसिकन धन प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
मादन रस वारी, प्यारी बरसाने वारी।
अब सुधि लो हमारी, प्यारी बरसाने वारी।
जय हो, जय हो, जय हो प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
मैं तो तेरी चेरी प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
मैं तो तोपै वारी वारी, प्यारी बरसाने वारी।
मैं तो तोरी नथवारी, प्यारी बरसाने वारी।
ऊँचे महलन वारी, प्यारी बरसाने वारी।
जापै वारी बनवारी, प्यारी बरसाने वारी।
मैं तो शरण तिहारी प्यारी, बरसाने वारी।
मेरी गति तू ही प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मेरी मति तू ही प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
मेरी रति तू ही प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
अपनी बना ले प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
नित नई नई प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
पाछा नहिं छोड़ूँ प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
मेरी गति तू ही प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
तू तो प्यारे ते भी प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
पिय चित्त चोरी चोरी, प्यारी बरसाने वारी।
अस प्यारी प्यारी प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
बलिहारी तेरी प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
आजा आजा आजा प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
आके ना जा मेरी प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
गोरी गोरी भोरी भारी, प्यारी बरसाने वारी।
सिर पै मुकुट प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
घुँघरारी लट प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
सिर सेंदुर वारी, प्यारी बरसाने वारी।
दृग काजर प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
श्रुति कुण्डल प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
गल दुलरी वारी, प्यारी बरसाने वारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

गल तिलरी वारी, प्यारी बरसाने वारी।
उर कंचुकि वारी, प्यारी बरसाने वारी।
नीली सारी वारी प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
कर चूरिन वारी, प्यारी बरसाने वारी।
कर कंकन वारी, प्यारी बरसाने वारी।
नथ बेसर वारी, प्यारी बरसाने वारी।
कर मेहँदी प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
मुँदरिन वारी प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
कटि किंकिनि प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
पग पायल प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
पग जावक प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
बिछुवनि वारी प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
प्यारी पर वारी प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
प्यारी सम प्यारी प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।
है 'कृपालु' अति प्यारी, प्यारी बरसाने वारी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

40

(रस बरसाने वारी)

प्रेम रूप रस खानी, ऐसी राधेरानी।
वृंदावन महरानी, ऐसी राधेरानी।
शिव बने हैं शिवानी, ऐसी राधेरानी।
हरि हूँ की ठकुरानी, ऐसी राधेरानी।
पाछे डोले चक्रपाणी, ऐसी राधेरानी।
ब्रह्म करे अगवानी, ऐसी राधेरानी।
बड़ी अवढर दानी, ऐसी राधेरानी।
कोटि रमा नौकरानी, ऐसी राधेरानी।
करे नित मनमानी, ऐसी राधेरानी।
दिव्य ब्रज रस खानी, ऐसी राधेरानी।
हौं 'कृपालु' भी दीवानी, ऐसी राधेरानी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

41

(कुंज कदंबनि डार . . .)

राधे राधे बोल श्याम भाजे चले आयेंगे।
एक बार आ गये तो कभू नहिं जायेंगे।

सात स्वर्ग पाँच अपवर्ग ठुकरायेंगे।
बैकुण्ठ की भी कामना ना उर लायेंगे।
प्रियतम के सुख में ही सुख पायेंगे।
ब्रजरस में ही नित मन को डुबायेंगे।
रमा रमापति को भी उर ना बसायेंगे।
पिय ठुकरावें हम प्यार किये जायेंगे।
पिय कभु जनि आवें हम रोये जायेंगे।
पिय नहिं आयेंगे तो प्यारी को बुलायेंगे।
प्यारी जब आयेंगी तो प्यारे भाजे आयेंगे।
प्रेम मगन तनु सुधि बिसरायेंगे।
कभू तो हँसेंगे कभू आँसू बहायेंगे।
राधेजू के गुनगन मुरलि में गायेंगे।
राधेजू की छवि लखि बलि बलि जायेंगे।
'जय हो' 'जय हो' कहि कहि भुजन उठायेंगे।
दोउ दृग आनंद जल बरसायेंगे।
राधे नाम लै के मुरछित ह्वै जायेंगे।
राधा भाव गहि श्याम 'श्याम-श्याम' गायेंगे।
हम तो 'कृपालु' राधे श्याम नाम गायेंगे।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

42

(कुंज कदंबनि डार . . .)

मेरी राधेरानी ठाकुरहूँ की ठकुरानी।
मेरी राधेरानी महरानीहुँ की महरानी।
मेरी राधेरानी प्रेम रूप ब्रजरस खानी।
मेरी राधेरानी ब्रजरानी अवढर दानी।
मेरी राधेरानी की दिवानी वानी रुद्रानी।
मेरी राधेरानी जू की वृंदावन रजधानी।
मेरी राधेरानी सारे ब्रज की हैं ठकुरानी।
मेरी राधेरानी जू की करें हरि अगवानी।
मेरी राधेरानी सम दानी मेरी राधारानी।
मेरी राधेरानी मेरी ठकुरानी अब जानी।
मेरी राधेरानी अंश कोटि कमला भवानी।
मेरी राधेरानी जू के पग चापैं चक्रपानी।
मेरी राधेरानी सी 'कृपालु' मेरी राधारानी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

43

(कुंज कदंबनि डार . . .)

मेरी बरसाने वारी प्यारी प्यारी प्यारी,
मेरी ब्रजरस वारी भानुदुलारी।
रस बरसाने वारी बरसाने वारी,
प्यारी प्यारी भोरी भारी भानुदुलारी।
वारी वारी रँगीली महल वारी प्यारी,
जय हो जय हो नथ बेसरवारी प्यारी।
प्रेमनिधि, छविनिधि, रसनिधि प्यारी,
नथवारी, भोरी भारी सुकुमारी प्यारी।
वारी वारी वारी छवि कुंजबिहारी,
मेरे तो हैं ठाकुर, छैल बिहारी।
कोऊ भजें ब्रह्म कोऊ भजें बनवारी।
मैं तो भजूँ प्यारी प्यारी बरसाने वारी।
मेरी तो हैं ठकुरानी नथवारी प्यारी,
मेरे तो 'कृपालु' दोनों प्यारो अरु प्यारी।।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

44

(कुंज कदंबनि डार)

राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
राधे राधे तुम भी मोहिं भूलो नहिं राधे,
राधे राधे मैं भी नहिं भूलूँ पल आधे।
राधे राधे भुक्ति मुक्ति बैकुण्ठ ना दे,
राधे राधे निज जन की सेवा दे।
राधे राधे मेरा सब कुछ तेरा राधे,
राधे राधे सदा का भिखारी तोहिं का दे।
राधे राधे सातों स्वर्ग पाँचों मुक्ति ना दे,
राधे राधे ब्रजरस छकि के पिला दे।
राधे राधे छोड़ूँ नहिं पाछा तेरा राधे,
राधे राधे चाहे मोपै चक्र चला दे।
राधे राधे नाम ही का हूँ 'कृपालु' राधे,
राधे राधे कृपा करि साँचु बना दे।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

45

(कुंज कदंबनि डार)

प्यारी प्यारी भोरी भारी बरसाने वारी प्यारी
तोपै बलिहारी बलिहारी बलिहारी प्यारी।
तू ही मेरी गति मति रति सुकुमारी प्यारी,
पाछा नहिं छोड़ूँ अपनाये चाहे मारे प्यारी।
तू तो बिनु कारण कृपा करे नित प्यारी,
कभु अपनावोगी भरोसा भारी उर प्यारी।
शिशु नवजात न जाने निज माँ को प्यारी,
माँ ही तो जनावे वाय मैं ही तेरी माँ हूँ प्यारी।
शरण शरण मैं तो शरण तिहारी प्यारी,
जय हो जय हो जय हो बरसाने वारी प्यारी प्यारी।
मेरी ऐसी भोरी भारी भानुदुलारी प्यारी,
जापै जायँ पूर्ण ब्रह्म बनवारी वारी वारी।
जापै जग वारी सोउ बनवारी वारी प्यारी,
कहँ लौ कह तोपै तू भी जायँ वारी वारी।
जब जब निकसत ब्रज में सवारी प्यारी,
पाछे चलि बनवारी बोले जय हो जय हो प्यारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सोरहो सिंगार करि बैठे जब नथवारी,
पिय लखें इकटक बोले बलिहारी प्यारी।
नज़र लगे ना पी की मेरी भोरी भारी प्यारी,
देयँ ''कृपालु'' दौरी काला टीका माथे प्यारी।।

46

(कुंज कदंबनि डार)

प्यारी प्यारी भोरी भारी प्यारी बरसाने वारी,
रस बरसाने वारी प्यारी बरसाने वारी।
तू ही मेरी गति मति प्यारी बरसाने वारी,
दे दे मोहि महल टहल बरसाने वारी।
पाछा नहिं छोड़ू तेरा प्यारी बरसाने वारी,
प्यार करे या मारे प्यारी बरसाने वारी।
बड़ी आस लै के आई प्यारी बरसाने वारी,
दे दे या दिला दे प्रेम प्यारी बरसाने वारी।
झोली नहिं लाई संग प्यारी बरसाने वारी,
झोली भी दे भर भी दे प्यारी बरसाने वारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

दर्शन दे या ना दे प्यारी बरसाने वारी,
दर्शन प्यास बढ़ा दे बरसाने वारी।
नाम को 'कृपालु' मैं भी प्यारी बरसाने वारी,
याको प्यारी साँचु बना दे बरसाने वारी।।

47

(जय जय राधारमणा . . .)

मेरी राधारानी राधारानी राधारानी,
मेरी राधारानी राधारानी राधारानी।
मेरी ठकुरानी महरानी राधारानी,
ठाकुरहूँ की ठकुरानी राधारानी।
कोटि उमा रमा सरस्वति नौकरानी,
ऐसी ठकुरानी महरानी राधारानी।
बोलो राधारानी राधारानी राधारानी,
भाजे भाजे अइहैं आपु साराँगपानी।
बोलो राधारानी राधारानी राधारानी,
तेरी रक्षा करें चक्र लैके चक्रपानी।
महरानीहुँ की महरानी राधारानी,
जाकी विधि हरि हर करें अगवानी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मेरी राधारानी प्रेम रूप रस खानी,
विहरति वृंदावन रजधानी।
गुरु श्री 'कृपालु' हौं अव जानी,
मेरी गति मति रति तू ही राधारानी।।

48

(जय जय राधारमणा . . .)

मेरी प्यारी प्यारी बरसानेवारी प्यारी,
मेरी भानुदुलारी महलन वारी।
मेरी ब्रजरस वारी प्यारी,
मेरी गति मति बरसाने वारी प्यारी।
मेरी ऐसी प्यारी बरसाने वारी प्यारी,
जाके पाछे पाछे डोलें ब्रह्म बनवारी।
जब जब चले प्यारी जू की असवारी,
पाछे चलि बोलें जय हो, जय हो, बनवारी।
मेरी ब्रजरस बरसाने वारी प्यारी,
जाके पग चापैं पूर्ण ब्रह्म बनवारी।
जब सोरहो सिंगार करें मेरी प्यारी,
माथे काला टीका देंय ब्रह्म बनवारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जब प्यारीजू के पग चापैं ब्रजनारी,
लखि ललचायें कर मीजैं बनवारी।
आगे आगे प्यारी चलें पाछे ब्रजनारी,
वाके पाछे पिय चलें बोलें 'जय हो' प्यारी।
जित प्यारी जू पधारें सँग ब्रजनारी,
तित पहले ही दें बुहारी बनवारी।
सब जीवन जीवन वनवारी,
उन वनवारी हुँ कि जीवन प्यारी।
सिंहासन पर बैठे जब प्यारी,
चँवर ढुरावें तब ब्रह्म वनवारी।
जहँ जहँ चरण धरत चल प्यारी,
तहँ तहँ चूमत चल वनवारी।
एक बार बोलो सब जय हो वनवारी,
बार बार बोलो सब जय हो जय हो प्यारी।
जब कोई बोले बोलो जय हो वनवारी,
तब पिय बोले बोलो जय 'कृपालु' प्यारी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

49

(जय जय राधारमणा . . .)

मेरी राधारानी राधारानी राधारानी,
मेरी ठकुरानी महरानी राधारानी।
मेरी राधारानी राधारानी राधारानी,
मेरी प्रेमरूपरसखानी राधारानी।
मेरी राधारानी राधारानी राधारानी,
विहरति नित वृंदावन रजधानी।
मेरी राधारानी राधारानी राधारानी,
प्रेम का भिखारी ब्रह्म दाता राधारानी।
मेरी राधारानी राधारानी राधारानी,
मेरी गति मति रति एक राधारानी।
मेरी राधारानी राधारानी राधारानी,
मैं तो राधारानी की हूँ मेरी राधारानी।
मेरी राधारानी राधारानी राधारानी,
गुरु ने जनाई जानी मेरी राधारानी
मेरी राधारानी राधारानी राधारानी,
शिशु बनि रोके ले लो मोल राधारानी,

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मेरी राधारानी राधारानी राधारानी,
आँसू दे 'कृपालु' ले लो भोरी राधारानी।।

50

(जय नँदनंदन सुखधाम . . .)

राधेरानी ठकुरानी ब्रजरस खानी,
राधेरानी ठकुरानी ब्रजरस खानी।
मेरी राधारानी सम मेरी राधारानी,
मेरी राधारानी सम मेरी राधारानी।
मेरी राधारानी सम दानी राधारानी,
मेरी राधारानी सम दानी राधारानी।
राधारानी ठाकुरहुँ की ठकुरानी,
राधारानी ठाकुरहुँ की ठकुरानी।
मेरो ठाकुर ठाकुर ठकुरानी,
मेरो ठाकुर ठाकुर ठकुरानी।
विहरत ब्रज ठाकुर ठकुरानी,
विहरत ब्रज ठाकुर ठकुरानी।
राधेरानी महरानिहुँ की महरानी,
राधेरानी महरानिहुँ की महरानी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

तुम भी मोहिं भूलो नहिं मेरी राधारानी,
मैं भी तोहिं भूलूँ नहिं मेरी राधारानी।
जग के ठाकुर की ठकुरानी,
हैं 'कृपालु' राधारानी ब्रजरस खानी।।

51

मेरी ठकुरानी महरानी राधारानी।
ब्रजरानी राधे रानी अवढर दानी,
ब्रजरस बरसावति राधे रानी।
मेरी ऐसी राधे रानी ब्रजरस खानी,
ब्रज रस बरसावत रजधानी।
मेरी राधा रानी प्रेम रूप रस खानी,
राधारानी राजें वृन्दावन रजधानी।
जय हो, जय हो, जय 'कृपालु' जय हो, राधारानी,
जाकी ब्रह्म श्यामहूँ करें अगवानी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

52

(जय नँदनंदन . . .)

मेरी प्यारी प्यारी बरसाने वारी प्यारी,
मेरी ब्रजरस बरसाने वारी प्यारी।
मेरी रँगीली महलवारी सुकुमारी।
प्यारी भोरी भारी नथबेसर वारी,
हैं रँगीली प्यारी रँगीली महलवारी।
जय हो जय हो जय हो बरसाने वारी प्यारी,
जय हो जय हो जय हो रँगीली महल वारी।
हैं रँगीली प्यारी रँगीली महलवारी,
मेरी प्यारी ऊँचे महल अटावारी।
मेरी प्यारी बरसाने वारी भोरी भारी,
मेरी भानुदुलारी ब्रजरसवारी।
मेरी प्यारी प्यारी चूनरिवारी प्यारी,
जापर नित वारी वारी बनवारी।
जब चले मेरी प्यारी जू की असवारी,
पाछे चलि जय हो, जय हो बोले बनवारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जब सोरहो सिंगार करें मेरी प्यारी,
लखि हाय प्यारी! कहि गिरें बनवारी।
जब सजि धजि बैठें सखि बिच प्यारी,
लखि बनवारी बोले प्यारी बलिहारी।
मेरी प्यारीजू की छवि ऐसी प्यारी,
जेहि लखि प्यारिहुँ वारी वारी वारी।
जब ललिता विशाखा चापैं पग प्यारी,
ललचाय 'कृपालु' ठाढ़ो बनवारी।।

53

(जय नँदनंदन सुखधाम . . .)

मेरी प्रेम अगाधे राधे श्री राधे,
मेरी प्रेम अगाधे राधे श्री राधे।
तोहिं भूलूँ नहिं राधे पल छिन आधे,
मैं तो भूला मायावश तुम ना भूलो राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मेरी प्यारी प्यारी बरसाने वारी राधे,
मेरी अति भोरी भारी सुकुमारी राधे।
मेरी श्री वृषभानुदुलारी राधे,
तोपै वारी वारी वारी बलिहारी राधे।

ऐसी मेरी बरसाने वारी प्यारी राधे,
जाके पाछे पाछे डोलें बनवारी राधे।
जब जब निकसत असवारी राधे,
बनवारी बोलें जय हो, जय हो प्यारी राधे।
भुक्ति माँगूँ नहिं मुक्ति नहिं माँगूँ राधे।
कृपा माँगूँ तू 'कृपालु' करु कृपा राधे।।

54

(जय नँदनंदन सुखधाम ....)

प्यारी प्यारी भोरी भारी नथवारी प्यारी,
जय हो जय हो जय हो जय हो बरसाने वारी।
वृषभानुदुलारी सुकुमारी प्यारी,
तोपै वारी वारी वारी महलन वारी।
तेरे पाछे पाछे डोले बनवारी प्यारी,
तेरी बलिहारी बलिहारी बलिहारी।
जब जब निकसत प्यारी असवारी,
पाछे चलि बोले बनवारी जय हो प्यारी।
जब सखिन पलोटति पग प्यारी,
लखि कर मींजत पिय बनवारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

आगे चलें प्यारी पाछे-पाछे ब्रजनारी,
वाके पाछे चलि पिय बोलें जय हो प्यारी।
पिय को बुरा न कहो बुरा माने प्यारी,
सुना है 'कृपालु' दोउन भई यारी।।

55

(जय नँदनंदन सुखधाम हरे)
जय बरसाने वारी प्यारी,
जय ऊँचे महल अटावारी।
भोरी भारी वृषभानुदुलारी प्यारी,
जय हो जय हो जय हो बरसाने वारी प्यारी।
पिय को बुरा न कहो बुरा माने प्यारी,
दोऊ एक थे हैं रहेंगे भी पिय प्यारी।
जय नथबेसर वारी प्यारी,
COPYRIGHT
जय जय मादन ब्रजरसवारी।
RADHA GOVIND SAMITI
जय महाभाव रूपिणि प्यारी,
जय जाकर चाकर बनवारी।
जय प्रियतम पर वारी प्यारी,
जय प्रियतम प्यारी पर वारी।

जय पिय ते अति कृपालु प्यारी,
जय कछु 'कृपालु' हैं वनवारी।।

56

(नीको लागे . . .)

राधे राधे राधे प्रेम अगाधे।
तू ही तो हमारी बरसाने वारी राधे।
तू ही मेरी रस बरसाने वारी राधे।
आजा उर ऊँचे महल वारी राधे।
आजा उर प्यारी प्यारी भोरी भारी राधे।
कृपा करु कृपा करु कृपा करु राधे।
तू तो बिनु कारण कृपा करे राधे।
तेरी ही कृपा का है भरोसा भारी राधे।
भला हूँ बुरा हूँ जो हूँ तेरा ही हूँ राधे।
COPYRIGHT
ब्रह्म श्याम भी न पायो तेरा पार राधे।
RADHA GOVIND SAMITI
तेरी महिमा को तू भी जाने नहिं राधे।
तेरी कृपा ते ही कोई जाने माने राधे।
जग माँ भी शिशु को जनावे मैं माँ राधे।
तेरे बिनु मेरा जीना जीना नहिं राधे।

तेरे सिवा कहाँ जाऊँ कौन सुने राधे।
पतितन की तो इक तू ही सुने राधे।
तू ही तो 'कृपालु' गति मति रति राधे।
तेरी दासी दासी बनुँ यह साध राधे।।

57

(नीको लागे . . .)

राधे तोहिं भूलूँ नहिं कभू पल आधे।
मेरा सब कुछ तेरा दिया हुआ राधे।
तन ले ले मन ले ले धन ले ले राधे।
जनम जनम का भिखारी तोहिं का दे।
बरबस ले ले सब प्रेम सुधा दे।
भुक्ति मुक्ति माँगूँ नहिं प्रेम सुधा दे।
निज सेवा ना दे जो तो जन सेवा दे।
पिय सँग गलबाँही दै के दिखा दे।
ब्रजरस की इक बूँद पिला दे।
अधम उधारन विरद निभा दे।
तोहिं तजि जाऊँ कित नाम बता दे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मुझ खोटे को खरों के सँग चला दे।
तू ही इक मेरी यह बोध करा दे।
छोड़ूँ नहिं पाछा चाहे चक्र चला दे।
तेरी दासी माया वाय डाटि भगा दे।
तोहिं दीन प्रिय मोहिं दीन बना दे।
अपने 'कृपालु' को भी प्रेम दिला दे॥

58

(नीको लागे . . .)

जय प्यारी प्यारी प्यारी जय कीर्तिकुमारी।
जय बरसाने वारी जय भानु दुलारी।
जय सुकुमारी प्यारी जय भोरी भारी प्यारी।
जय प्रानन प्यारी ऊँचे महलनवारी।
जय श्री वृषभानुदुलारी नथवारी।
सारा जग बनवारी छवि पर वारी।
प्यारी छवि पर वारी सोऊ बनवारी।
विधि हरि हर बोलें जय हो बनवारी।
बनवारी बोलें जय हो 'कृपालु' प्यारी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

59

(नीको लागे . . .)

मेरी ठकुरानी महरानी राधे रानी।
मेरी राधे रानी प्रेम रूप रस खानी।
मेरी राधे रानी ब्रजरानी रसखानी।
मैं तो ठकुरानी राधेरानी की दिवानी।
मेरी तो है इक स्वामिनी राधे रानी।
गावो राधे रानी ध्यावो रूप राधे रानी।
रो के जो बुलावे भाजी आवें राधे रानी।
जाकी नौकरानी कोटि कमला भवानी।
जाको गुन गिनि नहिं सक कोटि बानी।
मेरी ऐसी राधे रानी अवढर दानी।
जासों प्रेम भिक्षा माँगें सारँगपानी।
गुरु ने जनाया अब मैंने यह जानी।
हैं कृपालु पै 'कृपालु' अति राधारानी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

60

(नीको लाग . . .)

मेरी राधेरानी ब्रजरसखानी।
जाको कह ठाकुर वाऊ ठकुरानी।
कोटि कमला भवानी जाकी नौकरानी।
सब बोलो जय हो जय हो जय हो राधेरानी।
राधेरानी सम हैं 'कृपालु' राधेरानी।
सारा जग है भिखारी दाता राधेरानी।।

61

(मतवारी प्यारी . . .)

मेरी प्यारी प्यारी प्यारी मेरी बरसाने वारी।
मेरी प्यारी ऐसी प्यारी पाछे डोलें बनवारी।
जब गिरैं बनवारी लखि छवि प्यारी।
सब मिलि बोलो जय हो जय हो जय हो प्यारी।
मेरी प्यारी ऐसी प्यारी प्यारी जू भी वारी वारी।
मेरी प्यारी ऐसी प्यारी जैसी प्यारी बस प्यारी।
प्यारी महलन वारी जहँ पिय देयँ बुहारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जो भी प्यारी पर वारी वापै बनवारी वारी।
तुम भी भूलो नहिं पल छिन मो कहँ प्यारी।
मैं भी भूलूँ नहिं तुम कहँ भूलेहुँ प्यारी।
मेरी नथवारी लर मोतिन वारी।
रस बरसाने वारी बरसाने वारी।
मैं तो वारी वारी वारी बरसाने वारी।
प्यारी जू की प्यारी छवि एतिक प्यारी।
नीचे सिर करि देखैं डरि बनवारी।
मेरी भोरी भारी हैं 'कृपालु' अति प्यारी।।

62

(मतवारी प्यारी . . .)

बरसानेवारी ब्रजरस वारी प्यारी।
बरसानेवारी रस बरसाने वारी।
बरसानेवारी सिर चूनरि वारी।
बरसानेवारी नीलाम्बर वारी।
बरसानेवारी पर बनवारी वारी।
बरसानेवारी बेसर वारी प्यारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

बरसानेवारी कनक महलवारी।
बरसानेवारी सम बरसाने वारी।
बरसानेवारी प्यारी पर प्यारी वारी।
बरसानेवारी प्यारी पर प्यारी वारी।
बरसाने वारी जय हो, जय हो, जय हो प्यारी।
बरसानेवारी पै 'कृपालु' बलिहारी।।

63

(मतवारी प्यारी . . .)

मेरी राधारानी राधारानी राधारानी।
मेरी ठकुरानी महरानी राधारानी।
जाकी कोटि कमला भवानी नौकरानी।
जाके पाछे डोले ब्रह्म सारंगपानी।
जेहि डर डरे थर थर चक्रपानी।
विहरति नित वृन्दावन रजधानी।
ठाकुरहुँ की ठकुरानी राधारानी।
महरानीहूँ की महरानी राधारानी।
जाकी वृंदावन रजधानी राधारानी।
अब तो हमारी सुधि लेहु राधारानी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

तेरी माया ने भुलाया मोहिं राधारानी।
तूने काहे को भुलाया मोहिं राधारानी।
तेरी कृपा ते ही बने तेरा राधारानी।
तेरा पाछा नहीं छोड़ूँ अब राधारानी।
जग हो कुपूत कुमाता न राधारानी।
मैं बुरा हूँ किन्तु तेरा ही हूँ राधारानी।
तेरे बिनु जीना जीना नहिं राधारानी।
आजा चोरी चोरी चुपके ते राधारानी।
इक बार तू है मेरा कहु राधारानी।
इक बार दिखा दे छवि राधारानी।
इक बार लगा ले उर राधारानी।
मैं तो तेरा था हूँ रहूँगा भी राधारानी।
अपनाओगी भरोसा यह राधारानी।
इक दिन आना होगा तोहिं राधारानी।
उर में है आजा बाहर राधारानी।
ना दरस दे तो रोना दे दे राधारानी।
तेरी रुचि महँ रुचि राखूँ राधारानी।
तेरी दासी दासी दासी बनुँ राधारानी।
जित देखूँ तित तू ही दीखे राधारानी।
तू तो सदा ते 'कृपालु' अति राधारानी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

64

(मतवारी प्यारी . . .)

जय जय राधारानी राधारानी राधारानी।
जय जय वृन्दावन महरानी राधारानी।
जय जय सँग ब्रजभामिनि राधारानी।
जय जय विहरति वृन्दावन राधारानी।
जय जय ब्रजबनितनि धन राधारानी।
जय जय ब्रजवासिन धन राधारानी।
जय जय चुवे ब्रजरस तन राधारानी।
जय जय अवढरदानी राधारानी।
जय जय ब्रजरस खानी राधारानी।
जय जय प्रेम सुखदानी राधारानी।
जय जय आनन्दघन तन राधारानी।
जय जय दुतिदामिनि तन राधारानी।
जय जय चिन्मय ब्रजरानी राधारानी।
जय जय ब्रह्म रूप धन राधारानी।
जय जय प्राण प्राणधन राधारानी।
जय जय जीवन जीवन राधारानी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जय जय निर्धन को धन राधारानी।
जय जय दीन जनन धन राधारानी।
जय जय पतित जनन धन राधारानी।
जय जय अग जग जननी राधारानी।
जय जय ठाकुर ठकुरानी राधारानी।
जय जय श्यामहुँ स्वामिनि राधारानी।
जय जय मादन स्वामिनि राधारानी।
जय जय प्रेमहुँ स्वामिनि राधारानी।
जय जय रूपहुँ स्वामिनि राधारानी।
जय जय गति गजगामिनि राधारानी।
जय जय छवि अभिरामिनि राधारानी।
जय जय छवि छवि मोहिनि राधारानी।
जय जय रति मन मोहिनि राधारानी।
जय जय निज जन मोहिनि राधारानी।
जय जय मोहन मोहिनि राधारानी।
जय जय निज मन मोहिनि राधारानी।
जय जय त्रिभुवन मोहिनि राधारानी।
जय 'कृपालुहुँ' मोहिनि राधारानी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

65

(मतवारी प्यारी . . .)

जय जय श्री वृन्दावन ठकुरानी।
जय जय ब्रजरस की अवढर दानी।
जय जय श्यामहुँ जेहि स्वामिनि मानी।
जय जय जाकी हरि करे अगवानी।
जय जय जेहि डर डर सारँग पानी।
जय जय जेहि पग चापत चक्रपानी।
जय जय बातन रसयुत महरानी।
जय जय अगनित रमा नौकरानी।
जय जय त्रिभुवन दानिहुँ की दानी।
जय जय 'कृपालु' नेति वेद वानी।।

66

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

(मतवारी प्यारी . . .)

मेरी राधारानी प्रेमरूप रसखानी।
मेरी राधारानी तो हैं अवढरदानी।
जय हो जय हो जय हो राधारानी ठकुरानी।

राधारानी मेरी स्वामिनि अब जानी।
राधारानी ब्रजरानी ब्रजरसखानी।
राधारानी की दीवानी उमा रमा बानी।
मेरी राधारानी सी रँगीली राधारानी।
मेरी राधारानी सी छबीली राधारानी।
मेरी राधारानी सी रसीली राधारानी।
राधारानी छवि लखि मोहें राधारानी।
परब्रह्म करें राधारानी अगवानी।
ब्रह्म श्याम बोलें 'जय हो जय हो' राधारानी।
सर्वव्यापक रोता ढूँढे राधारानी।
आनँदघन रोये बिनु राधारानी।
कोटि कमला भवानी याय नौकरानी।
मेरी राधारानी सम मेरी राधारानी।
मेरी ठकुरानी महरानी राधारानी।
प्रेम के भिखारी हरि दाता राधारानी।
ब्रह्म करे राधारानी जू की अगवानी।
परमात्मा की आत्मा हैं राधारानी।
जग भजै हरि हरि भजें राधारानी।
जग ठाकुर चाकर राधारानी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

चलें हरि आगे सखि, आगे राधारानी।
राधारानी भृकुटिन डरें चक्रपानी।
हरि नीचे दृग करि देखे राधारानी।
जय हो जय हो जय हो जय हो जय हो राधारानी।
मेरी राधारानी सी 'कृपालु' राधारानी।।

67

(मतवारी प्यारी . . .)

मेरे ठाकुर गोविन्द ठकुरानी राधे।
उन बिनु मोहिं कल नहिं पल छिन आधे।
भुक्ति मुक्ति नहिं माँगूँ मोहिं प्रेम सुधा दे।
यह जनम जनम का भिखारी तोहिं का दे।
कहा घटि जाय तोरा टुक झलक दिखा दे।
नहिं छोड़ूँ पाछा तोरा चाहे चक्र चला दे।
रो रो माँगा करुँ प्रेम तू दे चाहे, चाहे ना दे।
कृपा करु या 'कृपालु' निज नाम हटा दे।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

68

(मतवारी प्यारी . . .)

मेरे ठाकुर गोविन्द ठकुरानी राधे।
मेरे ठाकुर नीले नीले गोरी गोरी राधे।
मेरे ठाकुर नटखट भोरी भारी राधे।
मेरे ठाकुर ग्वारिया महरानी राधे।
मेरे ठाकुर चाकर स्वामिनि राधे।
मेरे ठाकुर याचक दाता मेरी राधे।
मेरे ठाकुर ऋणिया साहूकार राधे।
मेरे ठाकुर मुरछित होयँ लखि राधे।
मेरे ठाकुर प्राण सम प्राण प्यारी, राधे।
मेरे ठाकुर न्यायाधीश हैं 'कृपालु' राधे।।

69

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

(मतवारी प्यारी . . .)

श्यामा श्याम श्यामा श्याम श्यामा श्याम श्यामा श्याम।
दोउ कोटि कोटि काम अभिराम सुखधाम।
श्यामा भजें श्याम श्याम, श्यामा श्यामा भजें श्याम।

कभू श्यामा बनें श्याम, कभू श्यामा बनें श्याम।
श्यामा पियें रस श्याम, श्यामा रस पियें श्याम।
धनि धनि सखि जन, पियें रस श्यामा श्याम।
जीतें कृपा में 'कृपालु' श्यामा, हारें नित श्याम॥

70

(मतवारी प्यारी . . .)

राधारानी जू को चाकर चक्रपानी।
जाकी कोटि भवानी वानी नौकरानी।
तू तो मेरी थी है रहेगी भी राधारानी।
मैं हूँ राधारानी जू की मेरी राधारानी।
तजो आनाकानी अपना लो राधारानी।
मैं तो हो गई हो गई राधारानी की दीवानी।
हो 'कृपालु' मो कृपालु पर राधारानी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मेरे युगल किशोर, मेरे युगल किशोर।
मेरे युगल किशोर, गोपीजन चितचोर।
मेरे युगल किशोर, करु मोपै कृपा कोर।

मेरे युगल किशोर, दोऊ ठाकुर मोर।
मेरे युगल किशोर, तू भी मोर मैं भी तोर।
मेरे युगल किशोर, मोहिं ब्रज रस बोर।
मेरे युगल किशोर, एक श्याम इक गौर।

71

(मतवारी प्यारी चाल)

मैं तो वारी जाऊँ बरसाने वारी प्यारी।
जय हो जय हो ब्रज रस बरसाने वारी।
प्यारी जू के पाछे पाछे डोलें बनवारी।
प्यारी पाछे ब्रजनारी पाछे बनवारी।
पायो रास रस प्रियतम कृपा प्यारी।
गिरिधर धर सिर चरनन प्यारी।
सब मिलि बोलो जय हो जय हो सुकुमारी।
गावो नाम ध्यावो रूप तू 'कृपालु' प्यारी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

72

(मतवारी प्यारी चाल)

प्यारी प्यारी भोरी भारी बरसाने वारी प्यारी।
तोपै वारी वारी ब्रज रस बरसाने वारी।
मोको चाहे अपनाये चाहे ठुकराये प्यारी।
तेरा पाछा नहिं छोड़ूँ मैं हठिला शिशु प्यारी।
तेरे सारे शिशु गुन वारे खरे खरे प्यारी।
उन खरों संग मुझ खोटे को चला दे प्यारी।
मोहिं सारा जग झूठेहिं 'कृपालु' कह प्यारी।
मेरे इस झूठे नाम को बना दे साँचु प्यारी।।

73

(श्री गोविन्द गोविन्द बोल . . .)

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मैं तो प्यारी प्यारी प्यारी पर वारी वारी जाऊँ,
मैं तो बरसाने वारी पर वारी वारी जाऊँ।
मैं तो भानुदुलारी पर वारी वारी जाऊँ,
मैं तो ब्रजरसवारी पर वारी वारी जाऊँ।

मैं तो महलन वारी पर वारी वारी जाऊँ,
जापै बनवारी वारी वापै वारी वारी जाऊँ।
मैं तो वारी नथवारी पर वारी वारी जाऊँ,
मैं तो बेसरवारी पर वारी वारी जाऊँ।
मैं तो भोरे मुखवारी पर वारी वारी जाऊँ,
मैं तो चूनरि वारी पर वारी वारी जाऊँ।
मैं तो भोरी भारी प्यारी पर वारी वारी जाऊँ,
मैं तो अति सुकुमारी पर वारी वारी जाऊँ।
मैं तो घूँघटवारी पर वारी वारी जाऊँ,
मैं तो री 'कृपालु' प्यारी पर वारी वारी जाऊँ।।

74

(मैं तो प्यारी प्यारी प्यारी पर वारी वारी जाऊँ)

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मैं तो वारी बनवारी पर, वारी वारी वारी।
बनवारी मेरी प्यारी पर, वारी वारी वारी।।
मेरी प्यारी पर जो भी जाय वारी वारी वारी।
वा पै वारी बनवारी जाय वारी वारी वारी।।

जो भी मेरी प्यारी जू पै जाये वारी वारी वारी।
मैं तो वापै पुनि पुनि जाऊँ वारी वारी वारी।।
मेरी प्यारी पर जाये प्यारी वारी वारी वारी।
ऐसी प्यारी प्यारी प्यारी पर वारी वारी वारी॥
रस बरसाने वारी पर वारी वारी वारी।
बरसाने वारी प्यारी पर वारी वारी वारी॥
मैं तो प्यारीजू की यारी पर वारी वारी वारी।
मैं तो यार बनवारी पर वारी वारी वारी।।
आगे आगे प्यारी चलैं वाके पाछे ब्रजनारी।
वाके पाछे पाछे चलैं चोरी चोरी बनवारी।।
सोरहो सिंगार करि बैठे जब मेरी प्यारी।
सिर नीचे करि देखें चोरी चोरी बनवारी।।
जग मोहै मदन मदन मोहे बनवारी।
बनवारी हूँ को मोहिं एक चितवनि प्यारी।।
मैं तो वाई ब्रजरज पर वारी वारी वारी।
जाको प्यारी सिर डारे जायें वारी वारी वारी।।
हैं 'कृपालु' ब्रज नर नारी प्यारी पर वारी।
कहँ लौं कहिय प्यारी पर प्यारीहूँ है वारी॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

75

(मैं तो प्यारी प्यारी प्यारी पर वारी वारी जाऊँ)

राधे गोविन्द गोविन्द राधे राधे राधे राधे।
गोविन्द गोविन्द राधे राधे राधे राधे॥
तुम भी भूलो नहिं कभु मोहि गोविन्द राधे।
मैं भी भूलूँ नहिं भूलेहुँ पल छिन आधे॥
तो पै जाऊँ वारी वारी गोविन्द राधे राधे।
बलिहारी बलिहारी गोविन्द राधे राधे॥
शरण शरण तेरी, गोविन्द राधे राधे।
जय हो जय हो तेरी, गोविन्द राधे राधे॥
तू ही मेरा, तू ही मेरा, गोविन्द राधे राधे।
मैं भी तेरा, मैं भी तेरा, गोविन्द राधे राधे॥
तू ही 'कृपालु' गति गोविन्द राधे राधे।
अपनाए ठुकराए गोविन्द राधे राधे॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

76

(मैं तो प्यारी प्यारी प्यारी पर वारी वारी जाऊँ)

राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे राधे।
राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे राधे।।

भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे राधे।
ब्रजरस की इक बूँद पिला दे राधे।।

भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे राधे।
देना है तो महल की टहल दिला दे राधे।।

भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे राधे।
कनक भवन की टहलिनि बना दे राधे।।

भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे राधे।
अपने महल की पहरुआ बना दे राधे।।

भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे राधे।
वृन्दावन को कदंब या अंब बना दे राधे।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे राधे।
गहवर वन की लता पता बना दे राधे।।

भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे राधे।
मोर कुटी का मोहिं मोर बना दे राधे।।

भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे राधे।
बरसाने का 'कृपालु' मोर बना दे राधे।।

77

(मैं तो प्यारी प्यारी प्यारी पर वारी वारी जाऊँ)
राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे राधे।
राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे राधे।।
तू ही मेरी गति तू ही मति तू ही रति राधे।
तोहिं तजि जाऊँ कित तू ही बता दे राधे।।
जग शिशु भी न जाने कौन मेरी माँ है राधे।
माँ ही तो जनावे शिशु कहँ मैं हूँ माँ राधे।।
माना मैंने माना नहिं तू ही इक मेरी राधे।
यामे तो है दोषी तेरी गुणमयी माया राधे।।
उर ते लगाये चाहे पग ठुकराये राधे।
पाछा नहिं छोड़ूँ चाहे प्राण चले जाय राधे।।
उर में तो रह नित तूने ही कहा है राधे।
उर ते निकसि टुक झलक दिखा दे राधे।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

तुम भी मोहिं भूलो नहिं भोरी भारी प्यारी राधे।
पाछा नहिं छोड़ूँ चाहे प्राण चले जाय राधे।।
ब्रजरस की ही दे दे प्याली वामें प्यारी राधे।
गौर श्याम रस घोरि छकि के पिला दे राधे।।
इह लोक परलोक सुख ना दे ना दे राधे।
तेरे सुख में ही सुख मानना सिखा दे राधे।।
लेना लेना ही तो मैंने सीखा है सदा से राधे।
कृपा करु अब देना देना सिखा दे राधे।।
गुरु ने जनाया अब जाना तू ही मेरी राधे।
है 'कृपालु' को भरोसा कभू तो मिलेगी राधे।।

❀ ❀ ❀

राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
भुक्ति मुक्ति ना दे मोहिं प्रेम सुधा दे।।
तुम भी मोहिं भूलो नहिं गोविन्द राधे।
COPYRIGHT
मैं भी तोहिं भूँलूँ नहिं पल छिन आधे।।
RADHA GOVIND SAMITI
माना मैं पतित अति गोविन्द राधे।
तुम भी तो पतित पावन कहलाते।।
मुझसा पतित को गोविन्द राधे।
तुम सा पतित पावन को बता दे।।

राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे राधे।
राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे राधे।।
भुक्ति मुक्ति बैकुण्ठ ना दे ना दे ना दे राधे।
श्याम गौर रस घोल छकि के पिला दे राधे।।
भुक्ति मुक्ति बैकुण्ठ ना दे ना दे ना दे राधे।
बरबस ब्रजरस सिंधु में डुबा दे राधे।।
भुक्ति मुक्ति बैकुण्ठ ना दे ना दे ना दे राधे।
गोपियों का प्रेमरस देदे देदे देदे राधे॥

78

(सरकार माफ हो . . .)
मेरी राधा रानी ब्रजरस की खानी,
ठाकुरहूँ की हैं ठकुरानी।
मेरी राधारानी सँग साराँगपानी,
विहरत वृंदावन रजधानी।
मेरी राधारानी सम मेरी राधारानी,
जेहि सेवत उमा रमा बानी।
मेरी राधारानी हैं ब्रज महरानी,
जाकर कर श्यामहुँ अगवानी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधारानी की हूँ मैं मेरी राधारानी,
ध्यावूँ हौं 'कृपालु' नित राधारानी।।

79

(गोविन्द जय जय गोपाल जय जय . . .)
नँदनंदन बनवारी की जय जय,
श्री वृषभानुदुलारी की जय जय।
यशुमति अजिर बिहारी की जय जय,
कीरति घर उजियारी की जय जय।
वृन्दाविपिन बिहारी की जय जय,
श्री बरसाने वारी की जय जय।
तन नीले पट पीले की जय जय,
पट नीले तन पीले की जय जय।
नटवारी छवि प्यारी की जय जय,
COPYRIGHT
नथवारी सुकुमारी की जय जय।
RADHA GOVIND SAMITI
अलबेले सरकार की जय जय,
अलबेली सरकार की जय जय।
नटखट नंदकुमार की जय जय,
भोरी भानुदुलार की जय जय।

निभृत निकुंज बिहारी की जय जय,
प्रियतम प्रानन प्यारी की जय जय।
जगमोहन मोहन की जय जय,
मोहन मन मोहिनि की जय जय।
मेरे प्राणहुँ प्राण की जय जय,
प्राणहुँ प्राणहुँ प्राण की जय जय।
मनिहारी लिलिहारी की जय जय,
गौर ग्वाल छवि न्यारी की जय जय।
रूप सिंधु रस सार की जय जय,
प्रेम सुधा रसधार की जय जय।
श्री ब्रजराजकुमार की जय जय,
मूरति जनु श्रृंगार की जय जय।
ब्रज गोपिन रिझवार की जय जय,
मोहन मदन मुरारी की जय जय।
प्यारी प्यारी प्यारी की जय जय,
चिन्मय रास बिहारी की जय जय।
प्यारी ब्रजरस वारी की जय जय,
नवल निकुंज बिहारी की जय जय।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

आनँद घन तनु वारी की जय जय,
निज मन मोहन हारी की जय जय।
मोहन मोहन वारी की जय जय,
मम 'कृपालु' सरकार की जय जय।।

80

(गोविन्द जय जय . . .)
जय श्री राधे जय नँदनंदन,
जय गोपीजन जय वृन्दावन।
जय सतघन चितघन जय सुखघन,
जय नँदनंदन जय राधा धन।
भज जीवन धन राधारमन मन,
गोपन गोपिन गोधन को धन।
भानुनन्दिनी अरु नन्दनन्दन,
बिहरत नित 'कृपालु' वृन्दावन।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

81

(गोविन्द जय जय . . .)

जय जय भानुदुलारी प्यारी,
जय जय नँदनंदन बनवारी।
जब चह रास करन बनवारी,
मुकुट उतारि धरत पग प्यारी।
सब जग वारी लखि बनवारी,
बनवारी वारी लखि प्यारी।
सब जग आत्मा है बनवारी,
बनवारी हूँ आत्मा प्यारी।
प्राण हमारो है बनवारी,
प्राण प्राण हैं भानुदुलारी।
श्रुति कह रस स्वरूप बनवारी,
रसिक बनाय दीन तिन प्यारी।
तबहिं 'कृपालु' भये बनवारी,
जबहिं कृपा किय भानुदुलारी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

82

(गोविन्द जय जय . . .)

जय जय कुंज विहारिणि राधे,
जय जय करुणाकारिणी राधे।
मनमोहन मनहारिणी राधे,
सँग अगनित वनचारिणि राधे।
शरणागत भवतारिणि राधे,
अवतारण अवतारिणि राधे।
कलि प्रभाव संहारिणि राधे,
प्रेमानंद प्रसारिणि राधे।
त्रिगुण त्रिताप विदारिणि राधे,
ब्रज ब्रजरस विस्तारिणि राधे।
चाल मरालनहारिणि राधे,
कुंज निकुंज विहारिणि राधे।
जय 'कृपालु' उरधारिणि राधे,
जय प्रणतारति हारिणि राधे।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जय जय नथ बेसर वारी राधे,
जय वृषभानुदुलारी राधे।
जय जय रस बेचन वारी राधे,
श्री बरसाने वारी राधे।
भजु मन निशिदिन छिन छिन राधे,
हरिहूँ रह आधे बिनु राधे।
जो कोउ कहत बार इक राधे,
हरि कह आय कहहु पुनि राधे।

83

(गोविन्द जय जय . . .)

श्री राधे बरसाने वारी,
शरण शरण राधे शरण तिहारी।
श्री राधे बरसाने वारी,
ब्रज रस की बरसाने वारी।
श्री राधे बरसाने वारी,
शरणागत अपनाने वारी।
श्री राधे बरसाने वारी,
पतितन हृदय लगाने वारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्री राधे बरसाने वारी,
अस सरकार न भोरी भारी।
श्री राधे बरसाने वारी,
जाको चाकर कृष्ण मुरारी।
श्री राधे बरसाने वारी,
जाको नाम जपत बनवारी।
श्री राधे बरसाने वारी,
जेहि पग धर हरि मुकुट उतारी।
श्री राधे बरसाने वारी,
जाकी कर जयकार मुरारी।
श्री राधे बरसाने वारी,
जाकी पद रज हरि सिर धारी।
श्री राधे बरसाने वारी,
जाके पद पर गिर गिरिधारी।
श्री राधे बरसाने वारी,
जाको लखि हरि सुरति बिसारी।
श्री राधे बरसाने वारी,
जापै हौं 'कृपालु' बलिहारी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

84

(गोविन्द जय जय गोपाल जय जय।)

श्री राधे बरसाने वारी, नँदनंदन सुखघन बनवारी।
प्यारी पर प्रियतम बलिहारी, पिय पर प्यारी वारी वारी।
जय जय महलन वारी प्यारी, जय जय वृंदाविपिन बिहारी।
प्रियतम प्राणाधिक सुकुमारी, प्यारी प्राणाधिक बनवारी।
प्यारी बनि गईं कुंज बिहारी, कुंज बिहारी बनि गये प्यारी।
प्यारी ते प्यारे बनवारी, बनवारी ते प्यारी प्यारी।
मादन रस वारी नथवारी, मदन विमोहन रास बिहारी।
जय जय श्री वृषभानुदुलारी, जय जय यशुमति अजिर बिहारी।
राधा अवराधत बनवारी, बनवारी अवराधत प्यारी।
प्यारी कह सब भज बनवारी, बनवारी कह सब भज प्यारी।
दोउ इक कह 'कृपालु' श्रुति चारी, याते दोउ सँग भजु पिय प्यारी।
यद्यपि हैं 'कृपालु' बनवारी, पै नहले पे दहला प्यारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

85

(गोविन्द जय जय गोपाल जय जय।)

श्री राधे बरसाने वारी, नँदनंदन सुखघन बनवारी।
जब चह रास करन बनवारी, मुकुट उतारि धरत पग प्यारी।
सब जग वारी लखि बनवारी, बनवारी वारी लखि प्यारी।
सब जग आत्मा है बनवारी, बनवारी हूँ आत्मा प्यारी।
प्राण हमारो है बनवारी, प्राण प्राण है भानुदुलारी।
श्रुति कह रसस्वरूप बनवारी, रसिक बनाय दीन तिन प्यारी।
तबहि 'कृपालु' भये बनवारी, जबहिं कृपा किय भानुदुलारी।।

जय राधे जय राधे राधे, प्रेम अगाधे जय राधे।
श्री राधे श्री राधे राधे, प्रेम अगाधे श्री राधे।
भुक्ति मुक्ति बैकुण्ठहुँ ना दे, प्रेम सुधा दे श्री राधे।
रोकर गावो राधे राधे, देगी प्रेम सुधा राधे।
दर्शन दे या ना दे राधे, प्रेम सुधा दे श्री राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

86

(तेरा नाम सुन के ...)

बरसाने वारी राधे, भोरी भारी प्यारी राधे।
सुकुमारी प्यारी राधे, वारी वारी प्यारी राधे।
नथवारी प्यारी राधे, प्यारी प्यारी प्यारी राधे।
पिय प्यारी प्यारी राधे, बलिहारी प्यारी राधे।
प्यारे ते प्यारी राधे, प्राणों ते प्यारी राधे।
तू ही हमारी राधे, मैं भी तिहारी राधे।
बनवारी वारी राधे, ब्रजनारी वारी राधे।
अति ही 'कृपालु' राधे, मन में बसा ले राधे।।

मेरी भोरी भारी प्यारी, भानुदुलारी।
मैं तो तोपै वारी वारी, बरसानेवारी।
शरण शरण प्यारी, सुधि लो हमारी।
मैं भी तो हूँ तेरी प्यारी, तू ही तो हमारी।
बरसाने वारी प्यारी, तू ही तो है हमारी।
इक दिन कृपा करोगी, यह है भरोसा भारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

87

(अपनापन रखना . . .)

प्यारी प्यारी भोरी भारी सुकुमारी प्यारी,
बरसाने वारी प्यारी भानुदुलारी।
प्यारीजू की प्यारी छवि एतिक प्यारी।
निज परछाईं लखि प्यारी वारी वारी।
जब सिंहासन राजें सुकुमारी,
तब गोद धरि पद चापैं बनवारी।
जापै सब वारी सोऊ वारी बनवारी,
तोपै बलिहारी बलिहारी बलिहारी।
जब जब निकसत प्यारी की सवारी,
पाछे चलि पिय बोलें जय हो, जय हो, प्यारी।
सोरहो सिंगार करि बैठें जब प्यारी,
नीचे लखि माथे काला टीका दें बिहारी।
ब्रजरस चुये रोम रोम तनु प्यारी,
बड़भागी पियें छकि ब्रह्म बनवारी।
जब होड़ हो कृपा में पिय अरु प्यारी,
पिय हारें जीतें मो 'कृपालु' सुकुमारी।।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

88

(अपनापन रखना .....)

जय हो जय हो जय हो बरसाने वारी प्यारी,
शरण शरण मैं तो शरण तिहारी।
तू तो है कृपा की मूरति सुकुमारी,
मोको तो है तेरा ही भरोसा भारी प्यारी।
मो सो न भिखारी तोसो दाता नहीं प्यारी,
दे दे दे दे दे दे भीख गोपी प्रेम प्यारी।
तू ही मेरी थी भी है भी रहेगी भी प्यारी,
अपनाऊ चाहे ठुकराऊ महतारी।
शिशु नवजात न जाने माँ को प्यारी,
माँ ही तो जनावे वाय मैं हूँ महतारी।
तेरी महिमा को कौन जानि सक प्यारी,
अगनित तनु धरि हारे बनवारी।
तेरे तो हैं सब जन खरे खरे प्यारी,
मो खोटे की तो है तू ही इक प्यारी।
पाछा नहिं छोड़ूँ तेरा भानुदुलारी,
प्यार करे चाहे मारे इच्छा तिहारी।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

तेरे रोम रोम चुवे ब्रजरस प्यारी,
पियें नित बनवारी सोइ रस प्यारी।
तेरे रोम रोम चुवे ब्रजरस प्यारी,
तेरा सुत प्यासा दे दे बूँद इक प्यारी।
नाम है 'कृपालु' मेरा झूठेहि प्यारी,
कृपा करि साँचु करु नाम सुकुमारी।।

रसिक रँगीली राधे, प्रेम अगाधे,
छैल छबीली राधे, प्रेम अगाधे।
गुन गर्वीली राधे, प्रेम अगाधे,
अति अलबेली राधे, प्रेम अगाधे।
नित्य नवेली राधे, प्रेम अगाधे,
सरस रसीली राधे, प्रेम अगाधे।

89

RADHA GOVIND SAMITI

(श्याम हौं, कब ब्रज बसिहौं जाय . . .)

जयति जयति जय महरानी राधेरानी।
जयति जयति जय प्रेम रूप रसखानी।
जयति जयति जय वृंदावन ठकुरानी।

जयति जयति जग ठाकुर ठकुरानी।
जयति जयति जय दिव्य ब्रज महरानी।
जयति जयति महरानिहुँ की महरानी।
जयति जयति कहि पाछे चलें चक्रपानी।
जयति जयति बोलें कमला भवानी बानी।
जयति जयति जय ब्रजरस वरदानी।
जयति जयति कहि चारों मुक्ति भरें पानी।
जयति जयति कहि करें हरि अगवानी।
जयति 'कृपालु' पर कृपा करु राधे रानी।।

90

(राधेरानी राधेरानी राधेरानी . . .)
मेरी राधे मेरी राधे मेरी राधे मेरी राधे।
मेरी राधे मेरी राधे मेरी ओर निहारो राधे।
मेरी राधे मेरी राधे मेरी बिगरी बना दे राधे।
मेरी राधे मेरी राधे मेरी अब तो सुधि लो राधे।
मेरी राधे मेरी राधे मेरी प्रेम अगाधे राधे।
मेरी राधे मेरी राधे राधे निज सेवा दे राधे।
मेरी राधे मेरी राधे राधे रूप अगाधे राधे।
मेरी राधे मेरी राधे मेरी बनि जा 'कृपालु' तू राधे।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

91

(राधेरानी राधेरानी राधेरानी . . .)

मेरी राधारानी राधारानी राधारानी,
मेरी राधारानी राधारानी राधारानी।
महरानीहुँ की महरानी राधारानी,
सोइ मेरी ठकुरानी ब्रजरसखानी।
ठाकुर सँग ठकुरानी राधारानी,
विहरत नित वृंदावन रजधानी।
मेरी राधारानी ब्रज रस खानी,
मेरी राधारानी अवढर दानी।
पिय सँग वृंदावन रजधानी,
ब्रजरस बरसावति राधारानी।
विधि हरि हर जेहि ठाकुर मानी,
सोउ ठाकुर ठकुरानी राधारानी।
मेरी आत्मा हैं सारँग पानी,
उनहूँ की आत्मा राधारानी।
बनि जा 'कृपालु' हित अवढर दानी,
मेरी ब्रजरस खानी राधारानी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

(राधेरानी राधेरानी राधेरानी . . .)
मेरी भोरी भारी राधा, मेरी सुकुमारी राधा,
मेरी नथवारी राधा, मेरी प्यारी प्यारी राधा।
मेरी ठकुरानी राधा, मेरी ब्रजरानी राधा,
मेरी रसखानी राधा, मेरी महरानी राधा।
मेरी भोरी भोरी राधा, मेरी गोरी गोरी राधा,
मेरी रसवारी राधा, मेरी चितचोरी राधा।

❀ ❀ ❀

(राधेरानी राधेरानी राधेरानी . . .)
सुमिरहु नित राधा, सुमिरहु नित राधा,
सुमिरहु नित राधा, जनि भूलो पल आधा।
मेरी ऐसी रानी राधा, मेरी ऐसी रानी राधा,
मेरी ऐसी रानी राधा, जेहि बिनु हरि आधा।
मेरी ऐसी रानी राधा, मेरी ऐसी रानी राधा,
जेहि बिनु हरि रहि, नहिं सक पल आधा।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

❀ ❀ ❀

मेरी ऐसी महरानी राधारानी,
ठाकुरहूँ माने जेहि ठकुरानी।

मेरी ऐसी महरानी राधारानी,
ठाकुर करे जाकी अगवानी।

बरसाने वारी प्यारी, ब्रजरसवारी प्यारी,
बेसरवारी प्यारी, जय हो, जय हो, जय हो, प्यारी।
मेरी बरसाने वारी, मेरी सुकुमारी प्यारी,
मेरी प्यारी प्यारी प्यारी, मेरी गति मति प्यारी।

92

(राधेरानी राधेरानी राधेरानी . . .)
रँगीली महलवारी मेरी प्यारी,
रँगीली महलवारी मेरी प्यारी।
भोरी भारी सुकुमारी बरसाने वारी,
भोरी भारी सुकुमारी बरसाने वारी।
प्यारी पर वारी वारी वारी बनवारी,
प्यारी पर वारी वारी वारी बनवारी।
प्यारी पर जो भी वारी वापैं हौं वारी,
प्यारी पर जो भी वारी वापैं हौं वारी।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

बलिहारी प्यारी पै 'कृपालु' प्यारी प्यारी,
बलिहारी प्यारी पर प्यारीहूँ हैं वारी।।

❀ ❀ ❀

(राधेरानी राधेरानी राधेरानी . . .)

श्यामा श्याम, श्यामा श्याम, श्यामा श्याम, श्यामा श्याम,
श्यामा श्याम, श्यामा श्याम, श्यामा श्याम, श्यामा श्याम।
मेरी श्यामा मेरे श्याम, मेरी श्यामा मेरे श्याम,
मेरी श्यामा मेरे श्याम, मेरी श्यामा मेरे श्याम।
सुमिरहु श्यामा श्याम, सुमिरहु श्यामा श्याम,
सुमिरहु श्यामा श्याम, सुमिरहु श्यामा श्याम।
गावहु श्यामा श्याम, ध्यावहु श्यामा श्याम,
जानहु श्यामा श्याम, मानहु श्यामा श्याम।
भावहु श्यामा श्याम, पावहु श्यामा श्याम।

❀ ❀ ❀

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मेरे ठाकुर श्याम मेरी ठकुरानी श्यामा,
मेरे ठाकुर श्याम मेरी ठकुरानी श्यामा।
मेरे ठाकुर श्याम श्याम ठकुरानी श्यामा,
मेरे ठाकुर श्याम श्याम ठकुरानी श्यामा।

जय जय ठाकुर श्याम जय जय ठकुरानी श्यामा,
जय जय ठाकुर श्याम जय जय ठकुरानी श्यामा।
श्यामा कह भजु श्याम श्याम कह भजु श्यामा,
श्यामा कह भजु श्याम श्याम कह भजु श्यामा।

93

(बनायो, हरि योगिनि को भेष. . .)

प्यारी प्यारी प्यारी ओ प्यारी,
बरसाने वारी सुकुमारी।
भानुदुलारी प्यारी ओ प्यारी,
रस बरसाने वारी प्यारी।
भोरी भारी प्यारी, ओ प्यारी,
नथ बेसर वारी सुकुमारी।
चूनरि वारी प्यारी, ओ प्यारी,
नीली सारी वारी प्यारी।
तू 'कृपालु' अति प्यारी, ओ प्यारी,
मादन प्रेम सुधा रस वारी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

94

(रसिया . . .)

वृंदावन ठकुरानी, ठकुरानी,
अवढरदानी राधेरानी।
महरानिहुँ महरानी, महरानी,
ब्रजरस खानी राधेरानी।
वृंदावन रजधानी, रजधानी,
विहरत ठाकुर सँग ठकुरानी।
ठाकुरहूँ ठकुरानी, ठकुरानी,
सोइ मम स्वामिनि राधेरानी।
ठाकुर कर अगवानी, अगवानी,
अस मम 'कृपालु' राधेरानी।।

95

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

(मम प्रियतम . . .)

मेरी राधारानी राधारानी, मेरी राधारानी राधारानी।
मेरी राधारानी राधारानी, मेरी राधारानी राधारानी।
मेरी स्वामिनि राधारानी, ठाकुरहुँ की ठकुरानी।

मेरी राधारानी ब्रजरानी, मेरी राधारानी वरदानी।
जय जय राधारानी महरानी, जय जय हरि कर अगवानी।
जय जय वृंदावन रजधानी, जय जय विहरति राधारानी।
मेरी सदा ते थीं राधारानी, मेरी अब भी हैं राधारानी।
मेरी रहेंगी भी राधारानी, मेरी स्वामिनी राधारानी।
गज गामिनि राधारानी, दुति दामिनि राधारानी।
अभिरामिनि राधारानी, मम स्वामिनि राधारानी।
मेरी जीवनि राधारानी, मेरी ठकुरानी राधारानी।
ब्रजरस खानी राधारानी, हैं 'कृपालु' मम राधारानी।।

❀ ❀ ❀

(मम प्रियतम . . .)

मेरी प्रानन प्यारी जू, बरसाने वारी जू।
नथ बेसर वारी जू, वृषभानुदुलारी जू।।
अति प्यारी प्यारी तू, अति भोरी भारी तू।
अतिशय सुकुमारी तू, अति प्रियतम प्यारी तू।।
मेरी तो गति है तू, मेरी तो मति है तू।
मेरी तो रति है तू, मेरी सब कुछ है तू।।

❀ ❀ ❀

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

एक प्रेम भिखारी माँ, आया तव द्वारे माँ।
तू दे या ना दे माँ, छोड़ूँ नहिं पाछा माँ।।

नहिं भुक्ति चहत राधे, नहिं मुक्ति चहत राधे।
बैकुण्ठ न चह राधे, दे प्रेम सुधा राधे।।

96

(मम प्रियतम...)
मेरी ठकुरानी राधारानी, मेरी ठकुरानी राधारानी।
मेरी ठकुरानी राधारानी, मेरी ठकुरानी राधारानी।।
गुरु ने जनाइ तब जानी, मेरी ठकुरानी राधारानी।
गुरु ने जनाइ तब जानी, मेरी ठकुरानी राधारानी।।
मेरी स्वामिनी राधारानी, मेरी ठकुरानी राधारानी।
जाकी उमा रमा नौकरानी, मेरी ठकुरानी राधारानी।।
COPYRIGHT
ब्रजरानी अवढरदानी, मेरी ठकुरानी राधारानी।
RADHA GOVIND SAMITI
जय हो जय हो जय हो राधारानी, मेरी ठकुरानी राधारानी।।
जाकी ब्रह्म करें अगवानी, मेरी ठकुरानी राधारानी।
मेरे मन ने 'कृपालु' मानी, मेरी ठकुरानी राधारानी।।

राधा माधव राधा माधव, राधा माधव राधा माधव।
राधा माधव राधा माधव, राधा माधव राधा माधव।

श्री राधा मम शरणं, श्री राधा मम शरणम्।
श्री राधा मम शरणं, श्री राधा मम शरणम्।
कुरु श्री राधा स्मरणं, कुरु श्री राधा स्मरणम्।
कुरु श्री राधा स्मरणं, कुरु श्री राधा स्मरणम्।
भज श्री राधा रमणं, भज श्री राधा रमणम्।
भज श्री राधा रमणं, भज श्री राधा रमणम्।

97

(देखु सखि! नागर नंदकुमार . . .)
वारी वारी भोरी भारी बरसाने वारी प्यारी।
वारी वारी ब्रज रस बरसाने वारी प्यारी।
वारी वारी नथ बेसर वारी प्यारी प्यारी।
वारी वारी रँगीली महल वारी प्यारी प्यारी।
वारी वारी श्री वृषभानुदुलारी प्यारी।
वारी वारी बनवारी प्रानन प्यारी प्यारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

वारी वारी अधम उधारन वारी प्यारी।
वारी वारी सुकुमारी कीर्तिकुमारी प्यारी।
वारी वारी प्यारी चितवनि वारी प्यारी प्यारी।
वारी वारी मृदु मुसकनि वारी प्यारी प्यारी।
वारी वारी अति 'कृपालु' चित वारी प्यारी।।

❀ ❀ ❀

(देखु सखि! नागर नंदकुमार . . .)
रँगीली महलवारी ब्रजरस वारी प्यारी,
कुंजबिहारी मुर्छित लखि छवि प्यारी।
जयहो जयहो पिय बोलें लखि असवारी प्यारी,
बोलें बलिहारी पिय लखि शृंगार प्यारी।
डगर बुहारें बनवारी जित चलें प्यारी,
नारी बनि बनि जायें पिय जब रूठें प्यारी।

COPYRIGHT
98
RADHA GOVIND SAMITI

(कहुँ देखे आली, ललित त्रिभंगी लाल . . .)
ठाकुर ठकुरानी, प्रेम रूप रस खानी।
विहरति मनमानी, वृंदावन रजधानी।

मेरी राधेरानी सम मेरी राधेरानी,
जाके पाछे पाछे डोलें सारँगपानी।
जाकी हैं दिवानी बानी कमला भवानी,
सोऊ राधेरानी जू की कर अगवानी।
जब जब निकसें सवारी राधेरानी,
पाछे चलि हरि बोलें जय हो महरानी।
जय हो जय हो ठाकुर, जय हो ठकुरानी।
कोटि कमला भवानी करें अगवानी।
बलि बलि ठाकुर, बलि ठकुरानी।
प्रणत पै होड़ करें कौन बड़दानी।
ब्रजरस सिन्धु ठाकुर ठकुरानी।
श्याम गौर रस घोर पियो मनमानी।
मैंने तो 'कृपालु' दोनों एकहिं मानी।।

COPYRIGHT
मेरी राधेरानी वृंदावन ठकुरानी।
RADHA GOVIND SAMITI
मेरी राधेरानी प्रेम रूप रस खानी।
जाकी कोटि कमला भवानी नौकरानी।
मैं हूँ राधेरानी जू की मेरी राधेरानी।
मैं हूँ महरानी राधेरानी की दीवानी।

मैं तो वारी जाऊँ कुंज बिहारी पै।
मैं तो वारी जाऊँ बरसाने वारी पै।
मैं तो वारी जाऊँ वारी बनवारी पै।
मैं तो वारी जाऊँ भोरी भारी प्यारी पै।
मैं तो वारी जाऊँ रास बिहारी पै।
मैं तो वारी जाऊँ ब्रज रस वारी पै।
मैं तो वारी जाऊँ मदन मुरारी पै।
मैं तो वारी जाऊँ भानुदुलारी पै।
मैं तो वारी जाऊँ गिरिवर धारी पै।
मैं तो वारी जाऊँ प्यारी प्यारी प्यारी पै।

99

(कहुँ देखे आली ...)

तेरा ही भरोसा भारी भानुदुलारी,
जय हो जय हो जय हो तेरी बरसाने वारी।
तू ही मेरी मैं भी तेरी कह श्रुति चारी,
पुनि क्यों भुलाया मोहिं मेरी महतारी।
माना मैं बुरा हूँ अति हूँ तो तेरा प्यारी,
तेरी लाज जाय एइ मोहिं सोच भारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

तू तो है 'कृपालु' बिनु हेतु सुकुमारी,
पुनि क्यों कृपा में देरी एतिक प्यारी।।

100

जय श्री वृषभानुदुलार की, जय अलबेली सरकार की।
जय स्वामिनि नंदकुमार की, जय अधाधुंध दरबार की।
जय अति भोरी सुकुमार की, जय करुणा की भंडार की।
जय महाभाव साकार की, जय निराधार आधार की।
जय शक्ति ह्लादिनी सार की, जय मूरत रूप सिंगार की।
जय दीनन की रखवार की, जय पतितन की पतवार की।
जय प्रेम रूप रस सार की, जय छवि सोरह सिंगार की।
जय मम 'कृपालु' सरकार की, जय सखियन प्राणाधार की।।

मेरी राधेरानी प्रेम रूप रसखानी।
मेरी राधेरानी वृन्दावन ठकुरानी।।
मेरी ठकुरानी महरानी राधेरानी।
विहरति नित वृन्दावन रजधानी।।
मेरी राधेरानी मेरी राधेरानी।
मेरी गति मति रति एक राधेरानी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधेरानी सम बस एक राधेरानी।
सब मिलि बोलो जय हो जय हो राधेरानी ॥
तू ही मेरी थी मेरी है राधेरानी।
तेरा पाछा न छोड़ूँ मैं राधेरानी ॥
आजा आजा आजा मेरी राधेरानी।
आके ना जा ना जा मेरी राधेरानी ॥
राधेरानी महरानीहूँ की महरानी।
जाकी कोटि कमला, भवानी नौकरानी ।।

❀ ❀ ❀

राधे गोविन्दा गोविन्दा राधे गोविन्दा।
राधे गोविन्दा गोविन्दा राधे गोविन्दा।।
राधे गोविन्दा गोविन्दा राधे गोविन्दा।
राधे आनन्दकन्दा वृन्दावन चन्दा।।
राधे गोविन्दा गोविन्दा राधे गोविन्दा।
राधे सत्घन चिद्घन सुखकंदा।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

❀ ❀ ❀

गुरु गोविन्दा गोविन्दा गुरु गोविन्दा।
गुरु गोविन्दा गोविन्दा गुरु गोविन्दा।।

भज पद द्वन्द्वा गुरु गोविन्दा।
भज पद द्वन्द्वा गुरु गोविन्दा।।
गुरु भजु भजु भजु कह गोविन्दा।
गुरु कह भजु भजु भजु गोविन्दा।।

❀ ❀ ❀

भजो गिरिधर गोविन्द गोपाला,
भजो मुरली मनोहर नन्दलाला।

❀ ❀ ❀

राधे गोविन्दा राधे गोविन्दा,
राधे राधे राधे राधे गोविन्दा।
राधे गोविन्दा गोविन्दा राधे गोविन्दा,
राधे आनन्द कन्दा वृन्दावन चन्दा।

❀ ❀ ❀

प्यारी प्यारी भोरी भारी सुकुमारी प्यारी,
COPYRIGHT
बोलो जय हो जय हो जय हो बरसाने वारी।
RADHA GOVIND SAMITI
कहा कहूँ मेरी प्यारी केतिक प्यारी,
जाके पाछे पाछे डोलें ब्रह्म बनवारी।
मेरी प्यारी छवि तो हैं एतिक प्यारी,
परछाईं लखि गिरैं भू पै बनवारी।

चुवे ब्रजरस तनु रोम रोम प्यारी,
पियें ब्रजनारी ललचायें बनवारी।

101

(लाखों महफिल ....)
राधे गोविन्द गोविन्द राधे राधे,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे राधे।
ऐसी कृपा करू कृपामयी राधे,
तोहिं भूलूँ नहिं पल छिन आधे।
तू तो ब्रजरस अंबुधि राधे,
इक बूँद पिला दे मोहिं राधे।
तू तो कृपा की है मूरति राधे,
कहा घटि जाय कृपा करु राधे।
मैं तो तेरा ही हूँ शिशु मोहि राधे,
जग कूड़ेदान फेंका काहे राधे।
शिशु नवजात माँ ना जाने राधे,
वाको मैया ही जनावे जग राधे।
तू तो मादन रसवारी राधे,
जेहि रस वश बनवारी राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

तू तो सत चित सुखघन राधे,
बुधि मायिक जाने किमि राधे।
तू तो अस पराशक्तिरूप राधे,
तोहिं तजि पूर्ण ब्रह्म श्याम आधे।
धर्म अर्थ काम मोक्ष मोहिं ना दे,
पंचम पुरुषार्थ दिला दे।
मेरा सब तेरा, मैं भी तेरा राधे,
पुनि तू ही बता राधे तोहिं का दे।
तू तो मेरी थी है रहेगी भी राधे,
तेरे सिवा मेरा कोई नहीं राधे।
तू तो मेरी थी मेरी रहेगी राधे,
चाहे प्यार करे या मारे राधे।
मैं भी तेरी हूँ तेरी रहूँगी राधे,
यह तेरे वेदों ने बताया राधे।
तेरा पाछा नहीं छोड़ूँ अब राधे,
अपनाये या ना अपनाये राधे।
तेरे सब जन खरे-खरे राधे,
खरे संग खोटे को चला दे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

दर्शन दे या ना दे राधे,
उर दर्शन व्याकुलता दे।
मेरे उर महँ आजा मेरी राधे,
उर महँ जो हैं उनको भगा दे।
पतितन गति तू ही इक राधे,
तोहिं तजि कित जाऊँ बता दे।
मैंने माना मैं पतित अति राधे,
तू भी तो पतित पावनि राधे।
मेरा नाम है कृपालु झूठा राधे,
वाय साँचो करो प्रेम अगाधे।
मो 'कृपालु' पर कृपा करु राधे,
तब मानूँ तू कृपालु साँची राधे।।

मेरी प्यारी प्यारी राधे, मेरी भोरी भारी राधे।
बरसाने वारी राधे, वृषभानुदुलारी राधे।
मेरी प्रीतम प्यारी राधे, मेरी अति सुकुमारी राधे।
सुखघन तनु वारी राधे, नथबेसर वारी राधे।
मेरी कीर्तिकुमारी राधे, मेरी प्रानन प्यारी राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मेरी रसिक रँगीली राधे, मेरी गुन गर्वीली राधे।
मेरी छैल छबीली राधे, मेरी सरस रसीली राधे।

102

(कृष्ण गोविन्द गोविन्द गोपाला.....)

प्यारी प्यारी भोरी भारी बरसाने वारी।
तोपै बलिहारी बलिहारी बलिहारी।
जापै सब जग वारी सोई बनवारी।
जापै बनवारीहूँ वारी सोई प्यारी।
जो भी बनवारी अरु प्यारी पर वारी।
मैं तो वापै जाऊँ पुनि पुनि वारी वारी।
प्यारी प्यारी भोरी भारी, ब्रजरस वारी प्यारी।
जय हो जय हो जय हो जय हो, बरसाने वारी प्यारी।
मैं तो वारी वारी, नथबेसर वारी प्यारी।
मेरी प्यारी अस प्यारी, वारी जायें आपु प्यारी।
बनवारी दें बुहारी, जेहि मग जायें प्यारी।
हैं बिहारी भी 'कृपालु' पै 'कृपालु' अति प्यारी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

103

(हमारी, स्वामिनि राधेरानी।)

रस बरसाने वारी बरसाने वारी प्यारी,
तोपै वारी-वारी वृषभानुदुलारी प्यारी।
प्यारी प्यारी भोरी भारी भानुदुलारी प्यारी,
मैं तो तोपै वारी वारी बरसाने वारी प्यारी।
जाको श्रुति कह आनंदघन बनवारी,
सोइ कुंज कुंज ढूँढ़े रोतो कित गई प्यारी।
जापै जग वारी, सोऊ तोपै वारी बनवारी,
तोको ढूँढ़ें कुंज कुंज कुंजबिहारी प्यारी।
तेरे रोम रोम बह दिव्य ब्रज रस प्यारी,
सोई रस पिय छकि रास बिहारी प्यारी।
कभू तो करोगी मोपै कृपा कृपामयी प्यारी,
यह है भरोसा भारी मम उर महँ प्यारी।
अगनित पतितन अपनायेहु प्यारी,
एक 'कृपालुहिं' काहे बिसारी प्यारी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधेरानी राधेरानी राधेरानी राधेरानी।
मेरी राधेरानी महरानी हूँ की महरानी,
जाकी जय हो जय हो कहि ब्रह्म करे अगवानी।
प्रेम भिखारी हरि दाता मेरी राधारानी,
जग ठाकुरहूँ ने निज ठकुरानी मानी।
महरानी राधेरानी वृन्दावन ठकुरानी,
जाको कह ठाकुर सोऊ करें अगवानी।

104

(गाइये वृषभानु लली गुन)

बलिहारी तोरी बरसाने वारी प्यारी।
जय हो जय हो जय हो बरसाने वारी प्यारी।
तू ही गति मति मोरी बरसाने वारी प्यारी।
शरण शरण तोरी बरसाने वारी प्यारी।
भली बुरी जो हूँ तोरी बरसाने वारी प्यारी।
तेरे हाथ डोरी मोरी बरसाने वारी प्यारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

105

(बाँके बिहारी जू ....)

प्यारी प्यारी प्यारी जू पै वारी वारी वारी वारी।
भोरी भारी प्यारी जू पै वारी वारी वारी वारी ।
सुकुमारी प्यारी जू पै वारी वारी वारी वारी।
प्रियतम प्यारी जू पै वारी वारी वारी वारी।
बरसाने वारी जू पै वारी वारी वारी वारी।
नथवारी प्यारी जू पै वारी वारी वारी वारी।
भानुदुलारी पर वारी वारी वारी वारी।
कीर्तिकुमारी पर वारी वारी वारी वारी।
ब्रजरस वारी पर वारी वारी वारी वारी।
नीली सारी वारी जू पै वारी वारी वारी वारी।
अष्ट ब्रजनारी जू पै वारी वारी वारी वारी।
बरसाने वारी जू पै वारी वारी वारी वारी।
परम 'कृपालु' जू पै वारी वारी वारी वारी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

106

(मेरे नंदनन्दन .....)

मेरी राधेरानी प्रेम रूप रस खानी,
जाकी करे पूर्ण ब्रह्म श्याम अगवानी।
मेरी ऐसी राधेरानी ब्रजरसखानी,
जाके पाछे पाछे डोलें सारँगपानी।
मेरी राधारानी प्रेमरूप रसखानी,
जय हो जय हो जय हो वृंदावन ठकुरानी।
मेरी ऐसी राधारानी, ब्रज ठकुरानी,
जेहि हरि ने भी निज स्वामिनि मानी।
अब लौं रही मैं अनजानी अब जानी,
मेरी तो है गति मति रति राधेरानी।
तू तो सदा ते 'कृपालु' अवढ़रदानी,
काहे अब राधारानी करो आना कानी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्यामा श्याम श्यामा श्याम श्यामा श्याम श्यामा श्याम,
गावो नित श्यामा श्याम, ध्यावो नित श्यामा श्याम।
आओ भी तो श्यामा श्याम, जाओ भी तो श्यामा श्याम,
पावो भी तो श्यामा श्याम, खोवो भी तो श्यामा श्याम।

हँसो भी तो श्यामा श्याम, रोवो भी तो श्यामा श्याम,
जागो भी तो श्यामा श्याम, सावो भी तो श्यामा श्याम।
पूरब भी तो श्यामा श्याम, पश्चिम भी तो श्यामा श्याम।
उत्तर भी तो श्यामा श्याम, दक्षिण भी तो श्यामा श्याम।
ऊपर भी तो श्यामा श्याम, नीचे भी तो श्यामा श्याम।
भीतर भी तो श्यामा श्याम, बाहर भी तो श्यामा श्याम।

107

(अनुपम रूप ...)

मेरो प्राण बनवारी वाको प्राण प्यारी।
जय हो जय हो बनवारी जय हो जय हो प्यारी॥
रसरूप बनवारी प्रेमरूप प्यारी।
वारी वारी बनवारी, वारी वारी प्यारी॥
प्यारी भजे बनवारी, बनवारी प्यारी।
दोउ एक लीला हित द्वै तनुधारी॥
कोउ कहे पिय भजु, कोउ कहे प्यारी।
हौं तो 'कृपालु' कहु भजो पिय प्यारी॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

108

(भोरी भोरी मोरी ...)

मेरो प्यारो प्यारो प्यारो मुरली वारो,
जय हो जय हो जय हो वो तो प्राण हमारो।
नीलो नीलो तनु पीलो पीलो पट वारो,
जय हो जय हो जय हो वो तो नैनन तारो।
जशोदा ललन तो है एतिक प्यारो,
गोपीजन दृग अंजन करि डारो।
कहा कहूँ मेरो प्यारो एतिक प्यारो,
उमा रमा पातिव्रत धर्म बिसारो।
कैसे बताऊँ प्यारो ऐतिक प्यारो,
प्यारो चह देखन प्यारी तनु धारो।
प्यारो कारो तन कारी कामरि वारो,
प्यारो कंध कनक लकुटिया धारो।
प्यारो रास हित शिव गोपी तनु धारो,
प्यारो लखि रमा रमापतिहुँ बिसारो।
प्यारो निज छवि लखि मोह्यो आपु प्यारो,
प्यारो मोहे सब जग प्यारी मोहीं प्यारो।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

प्यारो पावे प्यारी रस प्यारी रस प्यारो,
हम बड़भागी पावें रस प्यारी प्यारो।
प्यारो कह प्यारी बड़ प्यारी कह प्यारो,
कहत 'कृपालु' दोउ एक प्यारी प्यारो।।

109

(श्याम छल बलिया ...)

राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
भोरी भोरी मोरी किशोरी राधे।
नित नई मोरी किशोरी राधे।
आजा आजा आजा किशोरी राधे।
आके ना जा ना जा किशोरी राधे।
मोरे मन भाजा किशोरी राधे।
उर में समा जा किशोरी राधे।
नैनों में छा जा किशोरी राधे।
चोरी चोरी पिय चित चोरी राधे।
रतिरस बोरी किशोरी राधे।
वयस की थोरी किशोरी राधे।
पिय चित चोरी किशोरी राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जय हो जय हो जय हो किशोरी राधे।
चम्पा जैसी गोरी किशोरी राधे।
तू ही तो है मोरी किशोरी राधे।
मैं भी तो हूँ तोरी किशोरी राधे।
भुक्ति मुक्ति माँगूँ न किशोरी राधे।
दे दे गोपी प्रेम किशोरी राधे।
भुक्ति मुक्ति ना दे मोहिं प्रेम सुधा दे।
मो पे हो 'कृपालु' किशोरी राधे॥

प्यारी प्यारी भोरी भारी भानुदुलारी।
शरण शरण मैं तो शरण तिहारी॥
गोरी गोरी भोरी भोरी भानुकिशोरी।
कबहुँ तो लखिहहिं हमरिहुँ ओरी॥
आजा आजा आजा वृषभानुदुलारी।
आके कभु ना जा बरसाने वारी प्यारी॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

(भोरी भोरी मोरी ...)

मेरो प्राण नँदनंदन बनवारी,
बनवारी को प्राण भानुदुलारी।
जयति जयति जय कुंजबिहारी,
जयति जयति जय भानुदुलारी।
प्यारी प्यारी भोरी भारी भानुदुलारी,
जय हो जय हो जय हो बरसाने वारी प्यारी।
ब्रजरस बोरी मोरी नवल किशोरी,
जय हो जय हो जय हो वो तो पिय चित चोरी।

❀❀❀

मेरी ठकुरानी श्री राधेरानी,
ब्रजरसखानी श्री राधेरानी।
ब्रजमहरानी श्री राधेरानी,
अवढरदानी श्री राधेरानी।

COPYRIGHT

❀❀❀

RADHA GOVIND SAMITI

राधे राधे राधे राधे राधे राधे,
राधे बिनु कृष्ण आधे कृष्ण बिनु राधे।

110

(मेरे प्रानन प्यारे आजा)

आजा आजा आजा कुंजबिहारी,
तोहिं परखत सब नर नारी।
तू तो व्यापक ब्रह्म बिहारी,
दे दे दरस परस बनवारी।
जय हो जय हो जय हो रास बिहारी,
बलिहारी बलिहारी बलिहारी।

(मेरे प्रानन प्यारे आजा)

राधेरानी, राधेरानी, राधेरानी, राऽऽधे राऽधे, राधेरानी।
महरानी राधेरानी वरदानी, प्रेमरूप ब्रज रस खानी।
महरानी राधारानी, प्रेमरूप रस खानि, वृन्दावन ठकुरानी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

प्यारी प्यारी भोरी भारी सुकुमारी,
नथबेसर वारी प्यारी।
वारी वारी, प्यारी प्यारी, भोरी भारी,
भानुदुलारी सुकुमारी।

बलिहारी बलिहारी नथवारी,
ऊँचे महल अटावारी।
जय हो प्रानन प्यारी, जय हो प्रानन प्यारी,
जय हो प्रानन प्यारी, बोलें बनवारी।
प्यारी प्यारी भोरी भारी सुकुमारी,
श्री वृषभानुदुलारी।
बलिहारी बलिहारी बलिहारी,
नथ बेसर वारी प्यारी।

महरानी राधारानी मादन प्रेम रूप ब्रजरस खाऽऽनी।
ठाकुर संग ठकुरानी विहरति श्री वृंदावन रजधानी।

111

आजु छठ राधे जू की, ध्यावो रूप राधे।
गावो बधाई माँगो प्रेम सुधा दे।
गावो राधे ध्यावो राधे, जावो धाम राधे,
पावो प्रेम रस अन्य कामना भगा दे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

112

(हमारी राधे जू)

बरसाने वारी

मेरी प्यारी भोरी भारी बरसाने वारी।
मेरी ब्रजरस बरसाने वारी प्यारी।
जय हो जय हो प्यारी, जय हो जय हो प्यारी।
जाके पाछे पाछे डोले ब्रह्म बनवारी।
मोहिं महल टहलिनि बना दे प्यारी।
जाके चरण पलोटत बनवारी।
जाके डर डरे सोइ डरे लखि प्यारी।
जय हो जय हो जय हो भानुदुलारी प्यारी।
बने प्रेम भिखारी पिय दाता प्यारी।
रो के प्यारी को पुकारो भाजी अइहैं प्यारी।
मेरी प्यारी जैसी प्यारी नहिं कोऊ प्यारी।
पिय देय बुहारी तित जित जाय प्यारी।
पिय सिट्टी पिट्टी भूलें लखि रूठीं प्यारी।
पिय को बुरा न कहो बुरा माने प्यारी।
पिय माँगे कृपा ऐसी है 'कृपालु' प्यारी॥

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

113

(हमारी राधे जू)

मेरे श्यामा श्याम।

कोटि काम अभिराम मेरे श्यामा श्याम।
मेरी ठकुरानी श्यामा मेरे ठाकुर श्याम।
सब मिलि बोलो जय हो जय हो श्यामा श्याम।
बिनु हेतु सनेही श्यामा श्याम।
करुणा वरुणालय श्यामा श्याम।
तु ही मेरी गति मति रति श्यामा श्याम।
पतितन अपनावत श्यामा श्याम।
जुग जुग जिये जोरी श्यामा श्याम।
आजा दै के गलबँहियाँ श्यामा श्याम।
तुम बिन जीना भी क्या जीना श्यामा श्याम।
आते जाते भजु श्यामा श्याम।
चलते फिरते भजु श्यामा श्याम।
सोते जगते भजु श्यामा श्याम।
रोते गाते भजु श्यामा श्याम।
पाते खोते भजु श्यामा श्याम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जीते मरते भजु श्यामा श्याम।
गिरते पड़ते भजु श्यामा श्याम।
बैठे ठाढ़े भजु श्यामा श्याम।
सजते धजते भजु श्यामा श्याम।
नहाते धोते भजु श्यामा श्याम।
देते लेते भजु श्यामा श्याम।
हौं कह भज दोउन श्यामा श्याम।
एक प्रेम धाम है इक सुखधाम।
हारैं न होड़ दोउ श्यामा श्याम।
नित नये नये लागें श्यामा श्याम।
जेहि देखो प्यारो लागे श्यामा श्याम।
सुधि लेहु 'कृपालु' हुँ श्यामा श्याम॥

114

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

(हमारी राधे जू)

श्यामा श्याम श्यामा श्याम।
श्यामा श्याम कोटि काम अभिराम श्यामा श्याम।
सतघन चितघन सुखघन श्यामा श्याम।

श्याम भजे श्यामा श्यामा, श्यामा भजे श्याम श्याम।
कभू श्याम बने श्यामा, कभू श्यामा बने श्याम।
श्याम कहे भजु श्यामा, श्यामा कहे भजु श्याम।
श्याम चाहे सुख श्यामा, श्यामा चाहे सुख श्याम।
श्याम ते सरस श्यामा, श्यामा ते सरस श्याम।
नित नई नई लागे दोउ, श्यामा श्याम।
हैं सुगन्ध सम श्यामा, कस्तूरी सम श्याम।
हैं सफेदी सम श्यामा, दूध सम जानो श्याम।
दाहिका सों जनु श्यामा, अग्नि सम जानो श्याम।
श्याम बिनु आधी श्यामा, श्यामा बिनु आधे श्याम।
पहले बोलो नाम श्यामा, पाछे बोलो नाम श्याम।
जब कीन्हीं कृपा श्यामा, भये हैं 'कृपालु' श्याम।।

115

(मेरो राधारमण, मेरो जीवन धन)

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जय हो जय हो जय हो प्यारी बरसाने वारी।
रस बरसाने वारी बरसाने वारी।
प्यारी प्यारी भोरी भारी बरसाने वारी।
ब्रजरस वारी प्यारी बरसाने वारी।

अति सुकुमारी प्यारी बरसाने वारी।
मेरी प्रानन प्यारी बरसाने वारी।
नथबेसर वारी बरसाने वारी।
नीलाम्बर वारी बरसाने वारी।
सिर चूनरि वारी बरसाने वारी।
गोरी गोरी भोरी भोरी बरसाने वारी।
प्रियतम चित चोरी बरसाने वारी।
ब्रजरस मँह बोरी बरसाने वारी।
मेरी प्यारी सम प्यारी बरसाने वारी।
टुक झलक दिखा दे बरसाने वारी।
मेरी लगन लगा दे बरसाने वारी।
ब्रजरस दे 'कृपालु' बरसाने वारी॥

116

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

(ओ माँ श्यामा . . .)

प्यारी प्यारी भोरी भारी सुकुमारी,
वारी वारी बरसाने वारी प्यारी।
जब जब चले प्यारी की सवारी,
पाछे चलि बोलें पिय जय हो प्यारी।

कभू बनवारी बनि जायँ प्यारी,
कभू प्यारी बनि जायँ बनवारी।
जय हो जय हो जय हो जय हो बनवारी,
जय हो जय हो जय हो जय हो जय हो प्यारी।
प्यारी रोम रोम बोलें बनवारी,
बनवारी रोम रोम बोलें प्यारी।
सब जग आत्मा हैं बनवारी,
बनवारी हूँ की आत्मा हैं प्यारी।
सब जग के हैं स्वामी बनवारी,
बनवारी हूँ की स्वामिनि प्यारी।
सब जग को नचावें बनवारी,
बनवारी को नचावें मेरी प्यारी।
सब जग पै 'कृपालु' बनवारी,
बनवारी पै कृपालु मेरी प्यारी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

117

(जयति जय, जयति जय राधे)

प्यारी प्यारी भोरी भारी बरसाने वारी प्यारी।
तोपै वारी वारी वारी भानुदुलारी प्यारी,

जय हो जय हो जय हो नथवारी सुकुमारी प्यारी।
जापै जग वारी सोउ वारी बनवारी प्यारी,
मेरी प्यारी ऐसी प्यारी वारी वारी जायँ प्यारी।
पिय धरे सिर तहँ जहँ धरें पग प्यारी,
ब्रह्म श्याम चापै पग बैठी सिंहासन प्यारी।
रँगीली महलवारी ब्रजरसवारी प्यारी,
नथबेसरवारी अति सुकुमारी प्यारी।
तेरा पाछा नहिं छोड़ूँ हौं 'कृपालु' प्यारी,
अपनाये चाहे ठुकराये तेरी इच्छा प्यारी।।

118

(हरि हरि बोल)

राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तुम भी मोहि भूलो नहिं पल छिन राधे,
मैं भी तोहि भूलूँ नहिं ऐसी बना दे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
काऊ गोपी ते गोपी प्रेम दिला दे।
तू ही एक पतित पावनि राधे,

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

तोहिं तजि जाऊँ कित तू ही बता दे।
अब तो मैं तेरा पाछा छोड़ू नहीं राधे,
चाहे अपनाये चाहे चक्र चला दे।
सारा जग कहत कृपालु मोहिं राधे,
कृपा करि साँचो 'कृपालु' बना दे॥
प्यारी प्यारी भोरी भारी भानुदुलारी।
रस बरसाने वारी बरसाने वारी।
चलु बरसाने तहँ परखत प्यारी।
चलु बरसाने तहँ मिलेंगे बिहारी।

119

(श्यामा मेरी ठकुरानी...)

श्यामा मेरी ठकुरानी श्याम मेरे ठाकुर।
श्यामा श्याम श्यामा श्याम जन को बसा उर।
COPYRIGHT
श्याम भाजे अइहैं तू तो श्यामा को बसा उर।
RADHA GOVIND SAMITI
श्यामा अइहैं तब अइहैं ललिता विशाखा उर।
भुक्ति मुक्ति डाकिनी इनको न ला उर।
हरि गुरु भक्ति भाव निष्काम ला उर।
रो के पुकारो नित श्यामा श्याम आ उर।

निज सुख चाहे जो भी वाको मानो बाउर।
लक्ष्य एक ही हो नित हरि गुरु सेवा उर।
रहत 'कृपालु' दोऊ कृपा हित आतुर॥

120

(नथवारी रँगीली...)

मेरी प्रानन प्यारी आजा, बरसाने वारी आजा।
वृषभानुदुलारी आजा, बरसाने वारी आजा।
नथवारी प्यारी आजा, बरसाने वारी आजा।
सिर चूनरि वारी आजा, बरसाने वारी आजा।
नथबेसर वारी आजा, बरसाने वारी आजा।
नीलाम्बर वारी आजा, बरसाने वारी आजा।
सिर सेंदुर वारी आजा, बरसाने वारी आजा।
श्रुति कुण्डल वारी आजा, बरसाने वारी आजा।
सुकुमारी प्यारी आजा, बरसाने वारी आजा।
कटि किंकिनि वारी आजा, बरसाने वारी आजा।
कर मेहँदी वारी आजा, बरसाने वारी आजा।
पग पायल वारी आजा, बरसाने वारी आजा।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

आकर पुनि कबहूँ ना जा, बरसाने वारी आजा।
मेरे 'कृपालु' ढ़िग आजा, बरसाने वारी आजा।।

121

(बलिहारी है तिहारी ...)

मेरी ठकुरानी महरानी राधारानी।
बोलो जय हो जय हो जय हो ब्रजरसखानी।
मेरी राधारानी प्रेम रूप रस खानी।
कोटि कमला भवानी राधा नौकरानी।
राधा पदरज माँगें सारँगपानी।
राधा कृपा के भिखारी सारँगपानी।
राधा महल टहल माँगें चक्रपानी।
राधा महल बुहारी दें भवानी बानी।
राधा महल में चारों मुक्ति भरे पानी।
गहवर वन तरु लता बने ज्ञानी।
गुरु ने जनाई जानी मेरी राधारानी।
राधारानी की दिवानी कमला भवानी बानी।
बनवारी हूँ भिखारी दाता राधारानी।
डरें सारँगपानी डर राधारानी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

दे दे आँसू ले ले प्रेमधन राधारानी।
सब उर बसें चोरी चोरी राधारानी।
कोटि कमला भवानी अंश राधारानी।
जग भजे हरि हरि भजें राधारानी।
हौं 'कृपालु' भजूँ जो भी भजे राधारानी।।

122

(जयति रँगीली...)

प्यारी प्यारी भोरी भारी भानुदुलारी,
सुधि लो हमारी बरसाने वारी प्यारी।
प्यारी प्यारी भोरी भारी भानुदुलारी,
शरण शरण मैं तो शरण तिहारी।
प्यारी प्यारी भोरी भारी भानुदुलारी,
भली हूँ बुरी हूँ जो हूँ हूँ तो तिहारी।
प्यारी प्यारी भोरी भारी भानुदुलारी,
तुम बिनु पतितन कौन सुने प्यारी।
प्यारी प्यारी भोरी भारी भानुदुलारी,
तोहिं तजि कहाँ जाऊँ तू ही बता प्यारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

प्यारी प्यारी भोरी भारी भानुदुलारी,
मोसो न भिखारी तोसो दाता नहीं प्यारी।
प्यारी प्यारी भोरी भारी भानुदुलारी,
शिशु बनि रोवो अइहै भाजि भाजि प्यारी।
प्यारी प्यारी भोरी भारी भानुदुलारी,
अगति की गति बरसाने वारी प्यारी।
प्यारी प्यारी भोरी भारी भानुदुलारी,
कहत 'कृपालु' सब बोलो जय हो प्यारी॥

123

(परिक्रमा)

प्यारी प्यारी भोरी भारी भानुदुलारी।
सुधि लो हमारी बरसाने वारी प्यारी॥
गोरी गोरी भोरी भोरी भानुकिशोरी।
पिय चितचोरी लखु हमरिहुँ ओरी॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

ब्रज रस बोरी मोरी भानुकिशोरी।
तु ही मोरी मैं भी तोरी लखु मम ओरी।।
प्रेमरस बोरी मोरी भानुकिशोरी।
पिय चित्तचोरी ले लो मम चित्तचोरी॥

तू ही गति मोरी मति मोरी रति मोरी।
तोहिं तजि जाऊँ कित भानुकिशोरी।।
नित्य रतिरस बोरी नित्य किशोरी।
तू ही तो है मोरी लखु हमरिहुँ ओरी॥
तू ही मेरी मैं भी तेरी श्रुति कह तोरी।
झलक दिखा दे आई शरण किशोरी॥
ओरी मोरी भानुकिशोरी सुनु मोरी।
तेरे बिनु जीना भी क्या जीना है किशोरी॥
सुनु बरसाने वारी प्यारी महतारी।
तेरा शिशु भूखा रोये गोद ले ले प्यारी।।
ब्रजरस भंडारी बरसाने वारी।
राके माँगु दे 'कृपालु' तव महतारी॥

COPYRIGHT
जय जय भानुनंदिनी जय जय नँदनन्दन।
RADHA GOVIND SAMITI
जय जय ब्रज गोपी जन जय जय श्री वृन्दावन।।

श्यामा श्याम ब्रजबाम गोविन्द राधे।
वृन्दावन धाम चारों एक बता दे।।

श्यामा श्याम नाम रूप गोविन्द राधे।
गुण लीला धाम सब एक बता दे।।
राधे बिनु श्याम आधे गोविन्द राधे।
ऐसे ही श्याम बिनु राधे भी आधे।।
शिशु ज्यों पुकारों रो के गोविन्द राधे।
भाजे भाजे अइहैं दोनों गलबहियाँ दे।।
राधे राधे माधव माधव राधे।
गलबाँहीं दै के दोनों झलक दिखा दे॥
राधे पावें श्याम रस श्याम रस राधे।
हम सब पावें दोनों रस श्याम राधे॥
चलो प्रेम मन्दिर मिले श्याम राधे।
उनते ही माँगो गोपी प्रेम सुधा दे॥

❀ ❀ ❀

गुरु कहे हरि भजो हरि कहे भज गुरु।
मेरे भाये दोनों भजो गुरुवर गिरिधर॥
कोउ कहे हरि बड़ो कोउ कहे गुरुवर।
मेरे भाये दोनों एक छोटो बड़ो जनि कर॥

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

124

चलो बरसाने मिले बरसाने वारी,
बोलो जय हो जय हो वृषभानुदुलारी।
गोरी गोरी भोरी भारी महतारी,
नित्य किशोरी ब्रजरस बोरी प्यारी।
वयस की थोरी पिय चित चोरी प्यारी,
रति रस बोरी गति मति मोरी प्यारी।
चोरी चोरी चित चोरु चित चोरी प्यारी,
तू ही तो है मोरी लखु मोरी ओरी प्यारी।
रोके बुलाओ मन भानुदुलारी,
भाजि भाजि अइहै करुणामयी प्यारी।
रोके कहु मैं हूँ शिशु तू ही माँ है प्यारी,
जग हों कुपूत कुमाता नहिं प्यारी।
इक बार कहु मैं ही तेरी महतारी,
सेवा दे दे महल की दऊँगी बुहारी।
अवशि मिलेगी सेवा महलन वारी,
दीखेंगे बिहारी तहँ देत बुहारी।
सदा ही 'कृपालु' रहूँ तेरे सँग प्यारी,
चुटकी बजाऊँ जब जम्भुवाओ प्यारी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

125

(नित सेवा माँगूँ ...)

हरि बोल हरि बोल हरि बोल,
हरि बोल हरि बोल हरि बोल।
हरि बोल मन हरि हरि बोल,
हरि बोल मन हरि हरि बोल।
हरि बोल बोल ले ले हरि मोल,
हरि बोल हरि बोल हरि बोल।
हरि बोल बोल हीरा अनमोल,
हरि बोल हरि बोल हरि बोल।
हरि बोल तेरा क्या लागे मोल,
हरि बोल हरि बोल हरि बोल।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI